महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 229 | उज्जैन, गुरुवार 29 जनवरी 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

सुविचार

रिश्ते में भरोसा इतना हो कि सच पूछने की जरूरत ना पड़े और साहस इतना हो कि झूठ बोलने की जरूरत ना पड़े...

शासकीय विद्यालयों का परीक्षा परिणाम हुआ बेहतर, बढ़ रहा है नामांकन : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का शिक्षक हित के निर्णयों के लिए किया अभिनंदन

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि युग बदले, सदियां बदलीं पर शिक्षकों का सम्मान कभी कम नहीं हुआ। शिक्षक उस दीपक के समान होते हैं, जो खुद जलकर दूसरों के जीवन को आलोकित करते हैं। शिक्षकगण सदैव सम्मानित थे, हैं और आगे भी रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश के शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि इनके सद्प्रयासों से ही प्रदेश के शासकीय स्कूलों का परीक्षा परिणाम ऐतिहासिक रूप से बेहतर से और बेहतर हुए हैं। बच्चों के प्रवेश, शाला नामांकन दर में भी रिकार्ड वृद्धि हुई है। साथ ही प्रदेश में बच्चों की ड्राप-आउट दर भी शून्य हो गई है। इसमें शिक्षकों का योगदान अतुलनीय है, वंदनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय के प्रांगण में मध्यप्रदेश शिक्षक संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश स्तरीय शैक्षिक गुणवत्ता शिक्षक सम्मेलन में कहा कि हमारे सांदीपनि विद्यालय और पीएमश्री विद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता के नए-नए मानक स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सांदीपनि विद्यालयों की सफलता से हम सब अभिभूत हैं। इसलिए प्रदेश में इसी सत्र से 200 नए सांदीपनि विद्यालय खोले जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने

कहा कि नई शिक्षा नीति-2020 को लागू करने में मध्यप्रदेश देश के पहले राज्यों में हैं। हम अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए ए.आई., कोडिंग और कौशल आधारित शिक्षा की दिशा में भी तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं। इसमें शिक्षकों का बहुमूल्य योगदान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षकों के हित में सरकार ने कोई कमी नहीं रखी है। आगे भी जो कुछ हित लाभ बचा है, वह भी जल्द ही देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ सरस्वती पूजन कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय की छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में अनेक शिक्षक हितैषी निर्णयों के लिए संघ द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आत्मीय अभिनंदन किया गया।

सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान कर लिया आशीर्वाद- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेवानिवृत्त व्याख्याता श्रीमती कोकिला सिंह, श्री बद्री प्रसाद तिवारी, श्री बृजमोहन आचार्य, श्री देवकृष्ण व्यास, श्री किशनलाल नाकड़ा को सम्मानित किया। श्रीमती कोकिला सिंह ने उज्जैन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को भौतिक शास्त्र की शिक्षा दी थी। मुख्यमंत्री ने अपनी गुरु का सम्मान कर उनके चरण छूकर उनका आशीर्वाद लिया। इसी तरह श्री बद्री प्रसाद तिवारी ने नरसिंहपुर में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह को स्कूल में पढ़ाया था।

कैलेंडर, डायरी और पुस्तिका का किया विमोचन- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को सुभाष स्कूल में मध्यप्रदेश शिक्षक संघ की विकास यात्रा पर केन्द्रित प्रदर्शनी का शुभारंभ कर अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के वार्षिक कैलेंडर, %हमारा विद्यालय-हमारा तीर्थ% नामक पुस्तिका, टेबल कैलेंडर एवं डायरी का भी विमोचन किया।

हर काल में शिक्षकों के मार्गदर्शन में युवा बने महान- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे मन के भावों से शिक्षा पद्धति और शिक्षकों से जुड़े हुए हैं। यह सम्मेलन भाव विभोर कर देने वाला है। एक शिक्षक हमारे अंदर विद्मान प्रतिभाओं को निखारने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व में अपनी एक नई पहचान बना रहा है। हर युग में गुरु और शिक्षकों ने अपने शिष्यों के माध्यम से ही समाज को उसके सभी प्रश्नों/समस्याओं के उत्तर दिलवाए हैं। उन्होंने कहा कि हर काल में मध्यप्रदेश की धरती सौभाग्यशाली रही है। हमारा संबंध भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण से भी जुड़ता है। झाबुआ से निकलकर एक बालक चंद्रशेखर आजाद बनता है। मध्यप्रदेश की धरती पर सम्राट विक्रमादित्य और राजा भोज ने शासन किया। हर काल में युवाओं ने अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में बड़ी-बड़ी भूमिकाएं अदा की हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार का एक अर्थ सहकार भी होता है। यह परस्पर सामंजस्य से ही संभव है। सरकार के लक्ष्य उच्चतम होने चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

हर महीने पांच जिंदगियां निगल रही दिल्ली की 'डेथ कैनाल', पहचान में छूट जाता है प्रशासन का पसीना

नई दिल्ली/ जीएनएस। दिल्ली के लोगों की प्यास बुझाने वाली मुनक नहर पर स्थित हैदरपुर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के पास लगाए गए जाल में हर माह औसतन पांच शव फंसते हैं। ये शव कई बार ऐसी हालत में होते हैं कि इनकी पहचान मुश्किल हो जाती है। ऐसे में पुलिस को इन मामलों को सुलझाने के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ती है। दिल्ली पुलिस की आंकड़ों के मुताबिक हैदरपुर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के पास वर्ष 2025 में जनवरी से 31 दिसंबर तक 60 शव मिले थे। इनमें से 37 शवों की ही शिनाख्त हो पाई है। बाकी अन्य शवों की शिनाख्त में पुलिस जुटी हुई है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, अधिकतर मृतकों के पास से कोई पहचान संबंधी दस्तावेज नहीं मिलते हैं। ऐसे में उनकी पहचान करवाने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ती है। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि यदि किसी शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतक के साथ किसी तरह से बल प्रयोग करने की बात सामने आती है, तब पुलिस इस बाबत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई करती है। इस वर्ष अब तक जो शव बरामद हुए, उनमें कोई संदिग्ध बात सामने नहीं आई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कई मामलों में बिसरा रिपोर्ट आने का इंतजार है। बिसरा रिपोर्ट आने के बाद ही पुलिस इस मामले में कार्रवाई करेगी। हरियाणा के करनाल से निकलने वाली 102 किलोमीटर लंबी मुनक नहर दिल्ली के हैदरपुर वाटर प्लांट तक पहुंचती है। रास्ते में न कोई सुरक्षा, न रोकथाम, न निगरानी है। इस वजह से हरियाणा या दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में नहर में फेंकी गई लाशें अंत में प्लांट के पास लगाए गए जाल में फंस जाती हैं। जैसे ही शव मिलता है यहां तैनात सिंचाई विभाग का कर्मचारी तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दे देता है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हत्या कर शव ठिकाने लगाने से लेकर सबूत मिटाने के लिए हथियार और गाड़ियां भी इसी नहर में फेंकी जाती हैं। हर महीने तीन-चार शव मिलते हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसके बाद पुलिस शव की पहचान करने का प्रयास शुरू करती है। कई बार शव की पहचान नहीं होने पर पुलिस को ही अंतिम संस्कार तक की जिम्मेदारी निभानी पड़ती है।

मथुरा में ध्वस्तीकरण के लिए 800 से ज्यादा मकान चिह्नित, जद में पीएम आवास योजना के भवन भी शामिल

मथुरा/ जीएनएस। मथुरा एस्केप नहर पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई अब केवल अतिक्रमण हटाने का मामला नहीं रह गया है। यहां जिन मकानों पर प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) का सरकारी पत्थर लगा है, उन पर भी लाल निशान लगा दिया गया है। सवाल है कि सरकार ने जांच-पड़ताल के बाद जिन घरों को बनाने के लिए ढाई-ढाई लाख रुपये अनुदान राशि दी, वही आज उजाड़े जाने के दायरे में आ गए हैं। सिंचाई विभाग ने एक सप्ताह पूर्व मथुरा एस्केप की भूमि पर बने करीब 800 मकान, दुकान व प्रतिष्ठानों को अतिक्रमण मानते हुए लाल निशान लगाए हैं। अतिक्रमण की जद में आए इन मकानों में से दो दर्जन से अधिक ऐसे मकान हैं, जिनका निर्माण प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत मिले अनुदान से हुआ है। इस योजना में लाभ देने से पहले आवास सर्वे, दस्तावेज सत्यापन, फोटो अपलोड, बैंक खाते में किस्त और लखनऊ स्तर तक कई बार सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होती है। जांच में भूस्वामित्व भी देखा जाता है। सवाल उठता है कि लाभार्थी अगर अतिक्रमणकारी हैं तो सरकारी योजना ने उन्हें आवास के लिए दो लाख रुपये का अनुदान क्यों और कैसे मिला। लाभार्थी यशोदा ने बताया कि उनका आठ लोगों का परिवार है। मकान टूटने पर सड़क पर आ जाएंगे। लाभार्थी प्रगति चौहान ने बताया कि भाई की मृत्यु के बाद परिवार मुफलिसी में है। प्रधानमंत्री आवास योजना से छत मिली है। यही घर टूट गया तो हमारे पास कुछ नहीं बचेगा।

भारतीय स्मार्टफोन का बड़ा बाजार बनेगा ईयू, सस्ते होंगे इलेक्ट्रॉनिक आइटम; आम आदमी को कितना फायदा?

नई दिल्ली/ जीएनएस। यूरोपीय यूनियन (ईयू) के साथ व्यापार समझौते पर अमल होने पर ईयू अमेरिका के बाद भारत के लिए सबसे बड़ा स्मार्टफोन बाजार बन सकता है। ईयू में फिलहाल भारतीय स्मार्टफोन व अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम के निर्यात पर 14 प्रतिशत शुल्क लगता है।

व्यापार समझौते पर अमल के बाद यह शुल्क शून्य हो जाएगा जिससे ईयू के बाजार में भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम काफी सस्ती हो जाएगी और ईयू के बाजार में चीन, वियतनाम जैसे देशों से आने वाले इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम से भारतीय आइटम आसानी से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। 14% शुल्क हटने से भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स होंगे सस्ते

गत मंगलवार को भारत व ईयू के बीच व्यापार समझौते की सफल वार्ता पूरी होने पर आगे की

प्रक्रिया के लिए हस्ताक्षर किए गए।

इंडियन सेलुलर इलेक्ट्रानिक्स एसोसिएशन का अनुमान से ईयू के साथ व्यापार समझौते से वर्ष 2035 तक भारत का ईयू में होने वाल इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 100 अरब डालर तक पहुंच सकता है।

वर्तमान में ईयू के बाजार में भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 12 अरब डालर का है और इनमें से 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी स्मार्टफोन की है।

2035 तक ईयू निर्यात 100 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान- ईयू सालाना 750 अरब डालर के इलेक्ट्रानिक्स आइटम का आयात करता है और इस हिसाब से ईयू के बाजार में भारतीय इलेक्ट्रानिक्स आइटम के निर्यात को बढ़ाने की पूरी गुंजाइश है और शुल्क में 14 प्रतिशत तक की कटौती से इसमें मदद मिलेगी।

अभी भारत में बनने वाले आईफोन का सबसे अधिक निर्यात अमेरिका में होता है। औद्योगिक संगठनों का कहना है कि ईयू में 27 देश हैं और इनसे जुड़े कई देशों की प्रति व्यक्ति आय 30 हजार डालर से अधिक है। इसलिए ईयू में एपल के आईफोन बिक्री बढ़ने की पूरी संभावना है।

कर्नाटकः शिवमोग्गा में बड़ा हादसा, चलती स्लीपर बस में लगी आग; 36 यात्री बाल-बाल बचे

नई दिल्ली/ जीएनएस। कर्नाटक के शिवमोग्गा में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक निजी स्लीपर बस में अचानक आग लगने से यात्रियों की जान पर बन आई। इस हादसे में 36 यात्री किसी तरह सुरक्षित बच निकले, जबकि छह लोग घायल हुए हैं। पुलिस अधिकारियों ने इस घटना की पुष्टि की है।

यह बस होसानगर से शिवमोग्गा होते हुए बेंगलुरु की ओर जा रही थी। अधिकारियों के मुताबिक, ड्राइवर के केबिन से धुआं निकलना शुरू हुआ, जिससे ड्राइवर घबरा गया और बस पर कंट्रोल खो बैठा। नतीजतन, बस सड़क के किनारे एक पेड़ से टकरा गई और आग की लपटों में घिर गई। कैसे हुआ इतना बड़ा हादसा?

पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, आग लगने के बाद यात्रियों ने इमरजेंसी एग्जिट का इस्तेमाल कर खुद को बाहर निकाला।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, सभी यात्री सुरक्षित हैं। ड्राइवर समेत छह लोगों को चोटें आई हैं। उनका इलाज चल रहा है।

दिलदार और दमदार दोस्त खो दिया फडणवीस सरकार के संतुलन के लिए कितने जरूरी थे अजित पवार?

मुंबई/ जीएनएस। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की विमान दुर्घटना में मृत्यु हो जाने के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दुख व्यक्त करते हुए कहा है कि उन्होंने अपना एक दिलदार और दमदार दोस्त खो दिया है। मुख्यमंत्री के ये उद्गार पिछले कुछ वर्षों में राजनीति में उनके और अजीत पवार के बीच दिखे तालमेल का परिणाम माने जा रहे हैं।

फडणवीस के लिए कितने जरुरी थे अजित - 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद जब भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़े उद्धव ठाकरे ने देवेंद्र फडणवीस को धोखा देकर उनका फोन उठाना बंद कर दिया, तो फडणवीस ने दूसरा फार्मूला अपनाते हुए शरद पवार के नेतृत्ववाली राकांपा को साथ लेकर सरकार बनाने की पहल की।

बजट से पहले राष्ट्रपति का संबोधन, राष्ट्रीय मुद्दों पर एकजुटता का आह्वान; विपक्ष ने की मनरेगा की वापसी की मांग

नई दिल्ली/ जीएनएस। राजनीतिक व्यवस्था में गहरी होती कुटता-मतभेदों के बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने महात्मा गांधी, पंडित नेहरू, सरदार पटेल से लेकर वाजपेयी जैसी हस्तियों का उल्लेख करते हुए सभी सांसदों से दलीय सीमाओं से ऊपर उठकर अहम राष्ट्रीय मुद्दों पर एकजुटता का आह्वान किया है।

संसद के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प, आत्मनिर्भरता के लिए स्वदेशी अभियानों के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर एकजुटता सांसदों जरूरी है।

राष्ट्रपति ने ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा की- राष्ट्र से जुड़े ऐसे विषय सभी मतभेदों से परे हैं। वहीं ऑपरेशन सिंदूर की सैन्य कार्रवाई की प्रशंसा करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी तरह के आतंकी कृत्य का निर्णायक कार्रवाई से जवाब दिया जाएगा। इस दौरान राष्ट्रपति ने एनडीए सरकार की आर्थिक-सामाजिक योजनाओं-कार्यक्रमों की सफलताएं गिनाते हुए जीएसटी सुधार तथा चार लेबर कोड लाए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए सरकार सुधार एक्सप्रेस की गति को तेज करती रहेगी।

इसमें कोई राजनीति नहीं, यह है एक दुर्घटना भतीजे अजित के निधन पर बोले चाचा शरद पवार

मुंबई/ जीएनएस। महाराष्ट्र की राजनीति के सबसे कद्दावर चेहरों में से एक और राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बुधवार की सुबह एक विमान दुर्घटना में निधन हो गया। उनके निधन पर भावुक शरद पवार ने कहा कि यह पूरी तरह से एक हादसा था और इसपर किसी भी तरह की राजनीति नहीं होनी चाहिए। अजीत के चाचा शरद पवार ने इस दुखद घटना पर अपनी पहली टिप्पणी में कहा, इसमें कोई साजिश नहीं है; यह पूरी तरह से एक हादसा है।

उपमुख्यमंत्री अजित पवार का विमान दुर्घटना में निधन- अजीत पवार के निधन से महाराष्ट्र को बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। आज हमने एक काबिल नेता खो दिया है। महाराष्ट्र ने आज एक महान हस्ती खो दी है। इस नुकसान की भरपाई कभी नहीं हो सकती।

यह दुर्घटना उनके गृहनगर बारामती के हवाई अड्डे के पास लैंडिंग के दौरान हुई। विमान में सवार चालक दल सहित सभी पांच लोगों की इस दुर्घटना में जान चली गई है।

सरकार ने राज्य में तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। अजीत पवार का अंतिम संस्कार गुरुवार को सुबह 11 बजे बारामती में किया जाएगा। अजित पवार बुधवार सुबह करीब 8.10 बजे मुंबई से पुणे जिला स्थित बारामती के लिए रवाना हुए थे। वे वहां आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के प्रचार के लिए चार जनसभाओं को संबोधित करने जा रहे थे।

भारत-अमेरिका के रिश्तों में सुधार! जयशंकर और रूबियो की होगी मुलाकात; इंडिया बनेगा पैक्स सिलिका का सदस्य

नई दिल्ली/ जीएनएस। यूरोपीय संघ के साथ एफटीए वार्ता को अंतिम रूप देने के बाद भारत अपने एक अन्य मजबूत रणनीतिक साझेदार अमेरिका के साथ संबंधों पर ज्यादा फोकस कर रहा है।

इसका उदाहरण है कि विदेश मंत्री अगले हफ्ते अमेरिका की यात्रा पर जा रहे हैं। वैसे तो जयशंकर वहां अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो की तरफ से क्रिटिकल मिनिरल्स पर बुलाई गई सहयोगी देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे और पैक्स सिलिका नाम की अमेरिकी पहल का सदस्य बनेगा।

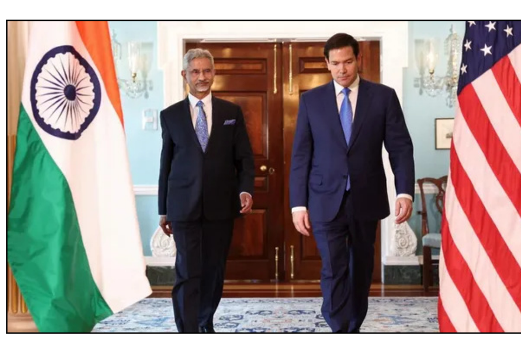

अलग से होगी दोनों की वार्ता- इस दौरान जयशंकर-रूबियो की अलग से वार्ता भी होगी। वैसे अभी तक इस बात का कोई संकेत नहीं है कि भारत और अमेरिका के बीच कारोबारी समझौते को लेकर चल रही वार्ता पर सहमति बन गई है। इसके बावजूद जयशंकर की इस यात्रा से दोनों देशों में हाल के महीनों में चल रहे तनाव में कमी आने के संकेत हैं। पिछले एक महीने में अमेरिका के चार प्रमुख सांसद भारत की यात्रा पर आ चुके हैं। इन सांसदों ने विदेश मंत्री जयशंकर समेत भारत के कुछ अन्य प्रमुख नेताओं से मुलाकात की है और द्विपक्षीय संबंधों में आये तनाव को दूर करने की जरूरत भी बताई है।

सूत्रों के मुताबिक दोनों देशों में चल रहे संवाद के क्रम में ही जयशंकर की भावी अमेरिका यात्रा को देखा जाना चाहिए। %पैक्स सिलिका% में भारत के शामिल होने की घोषणा नये राजदूत सर्जियो गोर ने नई दिल्ली में हाल ही में की थी। इसकी दिसंबर 2025 में शुरूआत हुई थी जिसका मुख्य उद्देश्य अत्याधुनिक उद्योगों के लिए जरूरी तकनीकों में जरूरी दुर्लभ धातुओं की आपूर्ति को सुरक्षित व भरोसेमंद बनाना है।

इस बारे में हाल ही में अमेरिका के वित्त सचिव की अध्यक्षता में एक बैठक बुलाई गई थी जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हिस्सा लिया था। इसका एक अन्य मुख्य उद्देश्य दुर्लभ धातुओं की आपूर्ति के लिए चीन जैसे देशों पर निर्भरता कम करना भी है।

जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, ब्रिटेन, इजरायल, आस्ट्रेलिया जैसे देश इसके सदस्य हैं।सनद रहे कि भारत और अमेरिका के बीच कई महीनों से कारोबारी समझौते पर वार्ता चल रही है लेकिन दोनों पक्षों में अभी तक सहमति नहीं बन पाई है।

भारत-न्यूजीलैंड के बिच हुआ FTA- इस बीच भारत ने न्यूजीलैंड के साथ एफटीए कर लिया है। जबकि यूरोपीय संघ के साथ वार्ता सफलतापूर्वक समाप्त हो गई है। ईयू व भारत ने एक दिन पहले ही एफटीए वार्ता समाप्ति का ऐलान किया है जिस पर अमेरिका में कई तरह की प्रतिक्रियाएं आई हैं।

अब महाकाल की नगरी उज्जैन अवंतिका नगर में

DIPL SINCE 1991

Innovative Design
Superior Materials
Exceptional Craftsmanship
VISIT US : WWW.DEVSHILP.COM

देवशिल्प इन्फ्रा प्राइवेट लिमिटेड

No. 140, 1st Floor. सी-21, नानाखेड़ा, उज्जैन (म.प्र.)

होटल्स, बंगला, फॉर्म हाउस, स्कूल, हॉस्पिटल, रेस्टोरेंट, शॉप आदि बनवाने के लिए संपर्क करें।

What is the DIPL ?

हमारी खासियत क्या है ?
हम भारत के विभिन्न भागो में हमारी कम्पनी हर तरह का प्रोजेक्ट करती है।
और हमारी हर जगह टीम तैयार रहती है।
जैसे सिविल पैरोकेक्ट में हमारे पास सभी तरह के अनुभवी इंजीनियर और सुपरवाईजर टायर रहते है और भारत विभिन्न भागों में हम कार्य करते है और अभी हमारी सर्विस अवन्तिका नगरी उज्जैन में भी तैयार है मित्रों हम हर वक्त तैयार रहते है।
जैसे
कॉनसेक्शन इंटीरियर एक्सटीरियर

संतोष सौराष्ट्रीय 93031-92711

बाबा महाकाल की असीम कृपा से हमारे कार्यालय में एक बार अवश्य पधारे व हमको आपकी सेवा का मौका देवे

श्रीमती कृष्णा सुथार 99072-83928

मातृ-शिशु स्वास्थ्य व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर दिया जाए विशेष ध्यान

जटिल गर्भवती महिलाओं की साप्ताहिक मॉनिटरिंग के दिये गए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को प्रभावी रूप से कम करने और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री वर्मा ने जटिल गर्भवती महिलाओं की पहचान, लाइन-लिस्टिंग और साप्ताहिक मॉनिटरिंग को अनिवार्य बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर कार्यालय में सम्पन्न जिला स्वास्थ्य समिति की इस बैठक में अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हसानी सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में जिले की स्वास्थ्य आधारभूत सुविधाओं एवं संरचनाओं की उपलब्धता की समीक्षा के साथ-साथ राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम, स्पर्श कुष्ठ जागरूकता पखवाड़ा, शिशु-मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम, एएनसी पंजीयन (अनमोल पोर्टल), राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम, राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम, निक्षय मित्र योजना, राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम, राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम सहित अन्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि 30 जनवरी से 13 फरवरी तक स्पर्श कुष्ठ निवारण जनजागरूकता पखवाड़े का आयोजन किया जाएगा। इस पखवाड़े के अंतर्गत कुष्ठ रोग के संबंध में आमजन को जानकारी देते हुए इसके उपचार के संबंध में जागरूकता लायी जाएगी। बताया गया कि फरवरी और मार्च माह में अभियान चलाकर नये कुष्ठ रोगियों की पहचान की जाएगी। इस अभियान के अंतर्गत घर-घर जाकर कुष्ठ के संभावित रोगियों की पहचान का कार्य किया जाएगा।

बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि सभी ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर एवं जोनल ऑफिसर अपने-अपने क्षेत्र में आशा कार्यकर्ताओं की बैठकें नियमित रूप से आयोजित करें तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों और गतिविधियों की सतत समीक्षा करें। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि किसी भी चिकित्सक के अवकाश पर जाने से पूर्व उनकी वैकल्पिक व्यवस्था अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी स्वास्थ्य संस्थानों में प्रसूता महिलाओं की सुविधा हेतु मानक स्तर के लेबर रूम की उपलब्धता, साफ-सफाई एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान बच्चों के शत-प्रतिशत टीकाकरण पर जोर दिया गया। साथ ही गर्भवती, धात्री महिलाओं एवं बच्चों में एनीमिया की नियमित जांच कर एनीमिया पाए जाने पर तत्काल उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर श्री वर्मा ने जटिल गर्भवती महिलाओं की साप्ताहिक मॉनिटरिंग एवं गुणवत्तापूर्ण जांच के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पंजीकृत जटिल गर्भवती महिलाओं की पहचान, फॉलो-अप एवं सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा। हाई ब्लड प्रेशर, गंभीर एनीमिया, पूर्व सिजेरियन ऑपरेशन, हृदय रोग एवं अन्य चिकित्सकीय जटिलताओं से ग्रसित गर्भवती महिलाओं की लाइन-लिस्टिंग कर बीपीएमयू, जोनल एवं सेक्टर स्तर पर प्रति सप्ताह निगरानी की जाएगी।

साथ ही समस्त जटिल गर्भवती महिलाओं एवं जटिल पीएनसी प्रकरणों का शत-प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण परीक्षण प्रत्येक प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत आयोजित शिविरों में सीएचओ, एएनएम एवं आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से कराने के निर्देश दिए गए। प्रसव-पूर्व जांच के दौरान प्रत्येक गर्भवती महिला का ब्लड प्रेशर, वजन, हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, यूरिन, एल्ब्यूमिन सहित एब्डोमिनल परीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाएगा, जिसमें गर्भ की ऊँचाई, गर्भावधि सप्ताह एवं शिशु की हृदय गति का परीक्षण भी शामिल रहेगा।

अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पंवार ने सभी जांचों की प्रविष्टि अनमोल पोर्टल एवं एमसीपी/एससीपी कार्ड में अनिवार्य रूप से दर्ज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गर्भवती महिला की न्यूनतम चार प्रसव-पूर्व जांच तथा अंतिम त्रैमास में कम से कम दो चिकित्सकीय परीक्षण सुनिश्चित किया जाए। जटिल गर्भवती महिलाओं का पंजीयन अनमोल पोर्टल पर करते हुए उनकी समस्त जानकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं निजी संस्थानों में भी संधारित की जाए। इसके अतिरिक्त मॉडरेट एनीमिया से ग्रसित समस्त गर्भवती महिलाओं में शत-प्रतिशत एनीमिया परीक्षण कराने के निर्देश भी दिए।

यूजीसी की नई नीति पर भड़की करणी सेना, विवि में हनुमान चालीसा पढ़कर दी चेतावनी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के आरएनटी मार्ग स्थित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय परिसर में मंगलवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रस्तावित नई नीति के विरोध में व्यापक प्रदर्शन किया गया। इस विरोध प्रदर्शन का आयोजन विभिन्न सामाजिक संगठनों और छात्र समूहों द्वारा शांतिपूर्ण एवं संगठित तरीके से किया गया। प्रदर्शनकारियों ने यूजीसी के नए नियमों को शिक्षा की समानता के अधिकार के खिलाफ बताते हुए जमकर नारेबाजी की और पुतला दहन किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष अनुराग प्रतापसिंह के नेतृत्व में लगभग तीन सौ छात्रों ने कुलपति को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। इस दौरान एक अनूठा विरोध प्रदर्शन भी देखने को मिला जब प्रदर्शनकारियों ने सरकार की सद्बुद्धि के लिए विश्वविद्यालय परिसर में सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। अनुराग प्रतापसिंह ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि वे शिक्षा में समानता के अधिकार के लिए यह लड़ाई लड़ रहे हैं और जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जातीं तब तक आंदोलन जारी रहेगा। आगामी रणनीति का खुलासा करते हुए संगठन ने घोषणा की है कि यूजीसी के इस विवादास्पद प्रस्ताव के विरोध में एक फरवरी को भारत बंद का आह्वान किया जाएगा। इसके अगले ही दिन यानी दो फरवरी को मध्य प्रदेश के सभी सांसदों को ज्ञापन सौंपकर उनसे इस नीति पर रुख स्पष्ट करने को कहा जाएगा। संगठन ने चेतावनी दी है कि वे सांसदों से लिखित आश्वासन मांगेंगे कि वे केंद्र सरकार के समक्ष छात्रों की बात रखें। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया है कि जो सांसद इस प्रस्ताव का समर्थन करेंगे उनका कड़ा विरोध किया जाएगा। विरोध स्वरूप उन्हें चूड़ियां भेंट की जाएंगी और प्रतीकात्मक रूप से उनकी अर्थी भी निकाली जाएगी। इतना ही नहीं प्रदर्शनकारियों ने सांसदों के घरों और दफ्तरों के घेराव की भी योजना बनाई है। मंगलवार को हुए इस प्रदर्शन में शुभम सिंह राजपूत, किशोर सिंह सिकरवार, राहुल सिंह जादौन, रविनेश सिंह राठौड़, अजीत सिंह ठाकुर और डॉ संतोष सिंह सहित सैकड़ों छात्र उपस्थित रहे।

पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के निर्देशन में ईको क्लब एवं प्राणी शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. पूजा जैन द्वारा 'पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन, पर्यावरण विभाग राज्य शासन भोपाल, वन एवं जलवायु मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली' द्वारा प्रायोजित 'बीज संग्रहण परियोजना एवं सीड बैंक' की प्रदर्शनी का आयोजन गत दिवस किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वनस्पति शास्त्र विभाग के सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. सुभाष सोनी ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर छात्राओं द्वारा की गई इस पहल को सराहा एवं सीड आइडेंटिफिकेशन के बारे में छात्राओं को जानकारी दी। साथ ही उन्होंने महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव ने बताया कि कृषि, जैव-विविधता तथा खाद्य सुरक्षा के संरक्षण की दिशा में बीज संग्रहण परियोजना एवं सीड बैंक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। विद्यार्थियों में पर्यावरणीय चेतना को जागृत करने के लिए बीज संग्रहण परियोजना एवं सीड बैंक की प्रदर्शनी का यह आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण है । प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी.पी. बैरागी ने कहा कि सीड बैंक मानवता के लिए अमूल्य धरोहर है जो कि वैश्विक एवं राष्ट्रीय स्तर पर भी संचालित होते हैं । डॉ. पूजा जैन ने प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार के देशी, पारंपरिक एवं दुर्लभ बीजों को वैज्ञानिक ढंग से संग्रहित कर प्रदर्शित कर प्रत्येक बीज के साथ उसके नाम, उत्पादन क्षेत्र, उपयोग, संरक्षण विधि एवं विशेषताओं को भी दर्शाया। पर्यावरण के संरक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. मनीषा जोशी, डॉ. दुर्गेश शांडिल्य, डॉ. रितु माथुरिया, डॉ. अब्दुल वाहिद, डॉ. फरीदा जौहर एवं समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार डॉ. अमरीश निगम द्वारा किया गया ।

इंदौर के यात्रियों के लिए खुशखबरी, 10 अप्रैल को जाएगी धार्मिक ट्रेन, कई धार्मिक स्थल पहुंचेगी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के तीर्थयात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) ने भारत गौरव पर्यटक ट्रेन का नया धार्मिक टूर पैकेज घोषित किया है, जो 10 अप्रैल को इंदौर से रवाना होगी। यह विशेष पर्यटक ट्रेन यात्रियों को पुरी, गंगासागर, गया, अयोध्या, काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग और बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन कराएगी। 10 रात और 11 दिनों की इस यात्रा में देश के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह ट्रेन इंदौर के अलावा उज्जैन, शुजालपुर, सीहोर, रानी कमलापति, इटारसी, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी और अनूपपुर स्टेशनों से होकर गुजरेगी। इन सभी स्टेशनों से यात्री ट्रेन में सवार हो सकेंगे। आईआरसीटीसी के इस टूर पैकेज में भारत गौरव ट्रेन के विशेष एलएचबी रैक में आरामदायक रेल यात्रा, ऑन बोर्ड और ऑफ बोर्ड भोजन, गुणवत्तापूर्ण बसों से स्थानीय भ्रमण, यात्रा कार्यक्रम के अनुसार ठहरने की व्यवस्था, टूर एस्कॉर्ट, यात्रा बीमा, ऑन बोर्ड सुरक्षा और हाउसकीपिंग जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इस धार्मिक यात्रा का किराया श्रेणी के अनुसार तय किया गया है। स्लीपर क्लास का किराया 19,900 रुपये प्रति व्यक्ति, एक्स एसी स्टैंडर्ड श्रेणी का किराया 32,450 रुपये प्रति व्यक्ति और डब्ल्यू एसी कम्फर्ट श्रेणी का किराया 42,750 रुपये प्रति व्यक्ति रखा गया है। यात्री इस भारत गौरव टूर पैकेज की बुकिंग आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट या अधिकृत एजेंट्स के माध्यम से कर सकते हैं।

गंगा धाम कॉलोनी में हुए अंधे कत्ल का पुलिस ने किया खुलासा, चोरी के उद्देश्य से महिला की हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के थाना बाणगंगा क्षेत्र अंतर्गत गंगा धाम कॉलोनी में हुई महिला की सनसनीखेज हत्या के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अंधे कत्ल का सफल खुलासा कर दिया है। यह हत्या चोरी के उद्देश्य से की गई थी, जिसमें दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक आरोपी अभी फरार है।

घटना दिनांक 23 जनवरी 2026 की है, जब गंगा धाम कॉलोनी में टी.सी.एस. कंपनी में हाउसकीपिंग का कार्य करने वाली 40 वर्षीय महिला गायत्री पति सुनील धीमान का शव उसके घर के अंदर संदिग्ध अवस्था में मिला था। मृतिका के हाथ-पैर बंधे हुए थे और मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और वैज्ञानिक तरीके से जांच प्रारंभ की गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला की दम घोंटकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई, जिसके बाद थाना बाणगंगा में अपराध क्रमांक 166/26 धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह के आदेशानुसार, पुलिस उपायुक्त जोन-3 श्री राजेश व्यास, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्री रामसनेही मिश्रा के मार्गदर्शन एवं सहायक पुलिस आयुक्त श्रीमती रुबीना मिजवानी के निर्देशन में विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान घटनास्थल और आसपास लगे 250 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, साथ ही पड़ोसियों और क्षेत्रवासियों से पूछताछ कर तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया गया।

साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने मृतिका के पड़ोस में किराए से रहने वाले अमित पिता आकाश मौर्य और सुमित पिता आकाश मौर्य को चिन्हित किया। दिनांक 28 जनवरी 2026 की रात मुखबिर से सूचना मिली कि दोनों आरोपी ऑटो से फरार होने की फिराक में हैं। सूचना पर पुलिस ने सुपर कॉरिडोर चौराहे के पास घेराबंदी की। पुलिस को देखकर आरोपी तेज गति से भागे, लेकिन अंधेरे और ऊबड़-खाबड़ रास्ते के कारण उनका ऑटो सड़क किनारे गड्ढे में गिर गया, जिससे दोनों आरोपी घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे कई दिनों से मृतिका की दिनचर्या पर नजर रखे हुए थे। चोरी के उद्देश्य से उन्होंने सुबह के समय महिला के घर में प्रवेश किया, उसके हाथ-पैर बांधकर और मुंह में कपड़ा ठूंसकर दम घोंटकर हत्या कर दी तथा घर से नकदी और जेवरात चोरी किए। घटना में शामिल तीसरा आरोपी अमित पिता शिवाजी राव गाडेकर, निवासी वीणा नगर, इंदौर फिलहाल फरार है, जिसके खिलाफ पूर्व में भी चोरी के प्रकरण दर्ज हैं। उसकी तलाश के लिए पुलिस द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

इस प्रकरण के सफल खुलासे में थाना प्रभारी निरीक्षक सियाराम गुर्जर सहित पुलिस टीम के कई अधिकारियों और कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सराहनीय कार्य के लिए सभी संबंधित पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को नगद ईनाम से पुरस्कृत किया जा रहा है। इंदौर पुलिस द्वारा की गई इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर आमजन का विश्वास और मजबूत हुआ है।

महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रोजगार, उद्यमिता विकास तथा आनंद मेले का हुआ आयोजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के संरक्षण, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी. पी. बैरागी के मार्गदर्शन में 'स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन गाइडेंस' के अंतर्गत कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. सीमा तिवारी द्वारा 'रोजगार, उद्यमिता विकास अवसर एवं आनंद मेले का आयोजन' किया गया। यह रोजगार मेला 800 से अधिक छात्राओं को शिक्षा से रोजगार, योग्यता से अवसर और आत्मनिर्भरता से नेतृत्व की दिशा में जोड़ने के लिए सशक्त प्रयास है। इस आयोजन का उद्देश्य छात्राओं को रोजगार के विभिन्न अवसरों, उद्यमिता विकास योजनाओं तथा स्वरोजगार की संभावनाओं से अवगत कराना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव ने छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने एवं उद्यमिता को करियर विकल्प के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया । इस कॅरियर मेले में शहर की लगभग 45 विभिन्न प्रतिष्ठित एवं अग्रणी कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहें, जहाँ छात्राओं को सीधे प्लेसमेंट, इंटर्नशिप एवं रोजगार से संबंधित सुनहरे अवसर प्राप्त हुए । यह कंपनियाँ फार्मा, फाइनेंस, बैंकिंग, मानव संसाधन, डिजिटल मार्केटिंग, हेल्थकेयर एवं शिक्षा जैसे विविध एवं उभरते क्षेत्रों से संबंधित थी, जिससे छात्राएँ अपनी रुचि एवं योग्यता के अनुसार करियर चयन कर सकी। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं को स्वरोज़गार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्टॉल लगाने का अवसर प्रदान किया गया । छात्राओं ने हस्तशिल्प, कला एवं क्राफ्ट सामग्री, सजावटी वस्तुएँ, सिलाई, कढ़ाई की वस्तुएं, ज्वेलरी, पेंटिंग, उपहार के लिए वस्तुएं, सुखी खाद्य वस्तुएं आदि के स्टॉल लगाए।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र इंदौर महाप्रबंधक श्री स्वप्निल गर्ग द्वारा छात्राओं को अपने उत्पाद एवं कलाकृतियों का पंजीयन करा कर स्वयं के उद्योग को स्थापित करने हेतु एवं सरकारी लोन सुविधाओं के बारे में बताकर छात्राओं को जागरूक किया। लघु उद्योग भारती पोलो ग्राउंड के पूर्व अध्यक्ष एवं आईटीआई इंदौर बोर्ड के डायरेक्टर श्री पंकज काले द्वारा स्वरोज़गार के नए अवसरों के बारे में जानकारी दी साथ ही उन्होंने इस रोज़गार मेले को सराहा और शुभकामनाएं प्रेषित की।

कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. सीमा तिवारी ने छात्राओं से कहा कि आप अपने आप पर आत्मविश्वास रखें। एक छोटा-सा विचार, सही प्रशिक्षण और उचित मार्गदर्शन के साथ बड़ा स्वरोज़गार बन सकता है। आज का प्रशिक्षण और यह जागरूकता कार्यक्रम आपके लिए अवसर का द्वार है–बस आपको आगे बढ़कर उसे अपनाना है। साथ ही उन्होंने लगभग 356 से अधिक छात्राओं के शॉर्ट लिस्ट होने की जानकारी भी दी।

भारत और यूरोपियन यूनियन ट्रेड डील से राज्यों को भी मिलेगा लाभ : मुख्यमंत्री

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत और यूरोपियन यूनियन के बीच हुए द्विपक्षीय व्यापार समझौते (न्यू ट्रेड डील) पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि भारत में आयात कम करने और निर्यात बढ़ाने के लिए यूरोपियन यूनियन के साथ यह ट्रेड डील अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगी। इस डील से देशभर में वस्तुएं सस्ती होंगी और राज्यों को भी इसका भरपूर लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह ट्रेड डील हमारी अर्थव्यवस्था को नई मजबूती देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत आर्थिक रूप से समृद्ध और सशक्त हो रहा है। दुनिया के कई देशों में आर्थिक और कूटनीतिक स्तर पर उथल-पुथल का वातावरण बना हुआ है। ऐसे समय में भी प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रयासों से डेढ़ अरब की आबादी के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रही है। यह ट्रेड डील इसी दिशा में एक बेहद कारगर कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को मीडिया को दिए संदेश में यह विचार व्यक्त किए।

सूने मकान में हुई लाखों की चोरी का 24 घंटे में खुलासा, शातिर नकबजन गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के आज़ाद नगर थाना क्षेत्र में सूने मकान में हुई लाखों रुपये की चोरी की वारदात का पुलिस ने महज़ 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में एक शातिर नकबजन को गिरफ्तार करते हुए करीब 8 लाख 37 हजार रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए हैं। थाना आज़ाद नगर क्षेत्र अंतर्गत हुसैनी चौक निवासी एक दंपति ने दिनांक 27 जनवरी 2026 को पुलिस को सूचना दी थी कि वे पारिवारिक शादी समारोह में शामिल होने के लिए घर में ताला लगाकर बाहर गए थे। इसी दौरान अज्ञात आरोपी ने मकान का ताला तोड़कर घर में रखे कीमती सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। शहर में चोरी और नकबजनी की बढ़ती घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशों के तहत अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अमित सिंह एवं पुलिस उपायुक्त जोन-1 श्री कृष्ण लालचंदानी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी आज़ाद नगर द्वारा तत्काल एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपराध क्रमांक 45/2026 धारा 305(ए), 331(4) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर घेराबंदी कर शानू उर्फ शाहनवाज़ खान उम्र 23 वर्ष, निवासी हुसैनी चौक, आज़ाद नगर को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया, जिसके बाद उसके कब्जे से चोरी किया गया मश्रुका बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के पास से एक सोने का रानी हार, सोने के झुमकों का एक जोड़ा, सोने की चेन, सोने का पेंडेंट, चांदी की पायल का एक जोड़ा, दस चांदी की बिछिया तथा एक चांदी की चेन जप्त की है। जप्त किए गए सोने-चांदी के आभूषणों की कुल कीमत लगभग 8 लाख 37 हजार रुपये बताई जा रही है। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है, साथ ही उससे अन्य चोरी की घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है।

डीएवीवी में रैगिंग की शिकायत, जूनियर्स को नशा करने पर मजबूर किया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर स्थित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग में रैगिंग का बेहद गंभीर मामला प्रकाश में आया है। संस्थान के डी-होस्टल में रहने वाले बीटेक प्रथम वर्ष के छात्रों ने द्वितीय वर्ष के सीनियर छात्रों पर प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं। इस शिकायत के प्राप्त होने के बाद कॉलेज प्रशासन ने आरोपियों के खिलाफ विस्तृत जांच प्रक्रिया शुरू कर दी है।

जबरन नशा करने का दबाव बनाया जाता है- पीड़ित जूनियर छात्रों का आरोप है कि सीनियर छात्र उन्हें न केवल मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हैं बल्कि उन्हें जबरन सिगरेट पीने के लिए भी मजबूर करते हैं। जब किसी छात्र द्वारा इसका विरोध किया जाता है, तो उसे बैच आउट करने की धमकी दी जाती है। ज्ञात हो कि बैच आउट किए गए छात्रों को कॉलेज की तमाम शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों से पूरी तरह अलग-थलग कर दिया जाता है। इसके अलावा जूनियर्स को हमेशा सिर झुकाकर बात करने और सीनियर्स के सामने हाथ जोड़कर खड़े रहने के लिए विवश किया जाता है।

रैगिंग में जूनियर्स ने भी सीनियर्स का साथ दिया- इस मामले की गंभीरता को देखते हुए संस्थान प्रबंधन ने मंगलवार को एंटी रैगिंग कमेटी की एक आपातकालीन बैठक बुलाई। प्रारंभिक जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य भी सामने आया है कि इस तरह की अनुचित गतिविधियों में कुछ प्रथम वर्ष के छात्र भी सीनियर्स का साथ दे रहे थे। पूछताछ के दौरान कुछ विशिष्ट सीनियर छात्रों के नाम चिन्हित किए गए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, दोषी पाए जाने वाले छात्रों को एक वर्ष के लिए निष्कासित किया जा सकता है या उन्हें कॉलेज से टीसी थमाई जा सकती है।

कई छात्रों ने रैगिंग की शिकायत की -शुरुआत में केवल एक छात्र ने फोन के माध्यम से प्रबंधन को इस स्थिति की जानकारी दी थी। हालांकि, जब संस्थान ने सख्ती दिखाई और सभी जूनियर छात्रों से व्यक्तिगत रूप से चर्चा की, तो लगभग 7 से 8 छात्रों ने अपने साथ हुई रैगिंग की पुष्टि की। लगातार सामने आ रहे इन मामलों ने विश्वविद्यालय प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है। इसी कारण इस बार किसी भी प्रकार की नरमी न बरतते हुए सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की तैयारी की जा रही है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर लगाम लगाई जा सके।

इंदौर में उल्टी-दस्त से पहलवान की मौत, अब तक 29 लोगों की जानें ले चुका है दूषित पानी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी कांड को एक माह पूरा हो रहा है, लेकिन मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार को एक 62 वर्षीय पहलवान खूबचंद बंधोनिया की मौत हो गई। वे भी उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती हुए थे। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग ने मौत की वजह की पुष्टि नहीं की है, जबकि परिजनों का कहना है कि पिता की तबीयत दूषित पानी के सेवन से बिगड़ी थी। उन्हें पहले बस्ती के क्लिनिक में दिखाया गया और फिर अस्पताल में भर्ती किया गया। उधर, स्वास्थ्य विभाग ने अब होने वाली मौतों की वजह डायरिया बताने से इनकार कर दिया है। इस कारण एक परिवार ने शव सड़क पर रखकर चक्काजाम भी किया था। बताया जा रहा है कि दो लाख रुपये एक थैली में भरकर परिजनों को श्मशान घाट पहुंचाए गए थे। अब तक दूषित पानी की वजह से 29 मौतें हो चुकी हैं, जिनमें महिलाओं की संख्या अधिक है।

बस्ती में अब उल्टी-दस्त के नए मरीज तो नहीं मिल रहे हैं, लेकिन अभी भी छह लोग अस्पताल में भर्ती हैं। उनमें से तीन आईसीयू में हैं और एक की हालत गंभीर है। स्वास्थ्य विभाग ने कोर्ट में जो रिपोर्ट पेश की है, उसमें 23 मौतों की जानकारी दी गई है और उनमें से 16 की मौत की वजह डायरिया माना है, जबकि बाकी मौतों का कारण दूसरी बीमारियां बताई गई हैं।

किसान का अपना स्वयं का बीज ही किसान को आत्मनिर्भर बनाएगा-हुकुमचंद पाटीदार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय जैविक प्रमुख एवं भारत सरकार द्वारा पद्मश्री से सम्मानित श्रीमान हुकुमचंद पाटीदार का दो दिवसीय नीमच जिला प्रवास का कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमें मालवा प्रांत के संगठन मंत्री अतुल महेश्वरी, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य एवं नीमच जिला प्रभारी भंवर सिंह पंवार प्रांत कार्यकारिणी सदस्य निलेश पाटीदार संभागीय उपाध्यक्ष राधेश्याम धनगर भी साथ रहे। अखिल भारतीय योजना अनुसार आपने जिले में जिला बैठक ली।

ग्राम समिति कनावटी, रेवली देवली, पिपलोन के गांव रोड पर लगे स्वागत बोर्ड का अनावरण किया एवं गांव समिति के साथ बैठक की एवं देव दर्शन हेतु मां भादवा के दर्शन किए। जिला बैठक को संबोधित करते हुए आपने बताया कि वर्तमान में किसानी कार्य में लागत लगातार बढ़ती जा रही है, ऐसी स्थिति में किसानों को लागत कम करने के उपायों पर विचार करना होगा क्योंकि आज हम जो फसल लगाते हैं, उसका बीज भी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा दिया जा रहा है जो मक्का हम ?15-20 किलो में बेचते हैं। वही मक्का बीज के रूप में बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा 200 किलो बेची जाती है टमाटर का बीज 130000 रुपए किलो मिलता है। ऐसे कई बीज किसानों द्वारा खरीदे जा रहे हैं जिससे किसानों की आर्थिक कमर टूट रही है। अब समय आ गया है कि किसानों के पास अपना खुद का बीज हो हमें अपनी परंपरागत पद्धति से अपना स्वयं का बीज विकसित कर इस लागत को घटाना होगा तभी किसन का भला होगा। आपने जैविक खेती पर भी जोर देते हुए कहा की सरकार को इस पर ठोस नीति बनाते हुए किसानों को प्रोत्साहित करना होगा। जैविक खेती में लगने वाले सभी साधन संसाधनों को सब्सिडी देनी होगी तब जाकर खेती लाभ का धंधा बनेगी। जिला बैठक को प्रांत संगठन मंत्री अतुल जी माहेश्वरी ने भी संबोधित किया। आपने कहा अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में जो भी निर्णय लिए जाते हैं वह सभी किसान हित में ही लिए जाते हैं, उसी के अंतर्गत अखिल भारतीय कार्यकारिणी द्वारा प्रांत स्तर पर जाकर गांव समितियां में रात्रि विश्राम एवं ग्राम समिति की बैठक आयोजित की जा रही है। जब तक हमारे ग्राम समिति सशक्त नहीं होगी तब तक किसान आगे नहीं बढ़ पाएगा। आपने ग्राम समिति सक्रिय हो इस पर विशेष ध्यान दिया द्य जिला अध्यक्ष सुरेश चंद्र धाकड़ ने स्वागत उद्बोधन दिया जिला मंत्री विष्णु प्रसाद नागदा ने बैठक का संचालन किया। बैठक में जिले भर से आए किसान मांगीलाल पाटीदार, रामगोपाल धाकड़, हरी विलास पाटीदार, जमनालाल पाटीदार, राधेश्याम धाकड़, नंदकिशोर नागदा, बद्री लाल पाटीदार, बालू राम नागदा, कैलाश चंद पाटीदार, सुभाष, अनिल एवं अन्य कई किसान उपस्थित थे।

एमएसएमई की स्टार्टअप आइडिया टू स्केल थीम पर आधारित झांकी बनी आकर्षण का केंद्र

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गणतंत्र दिवस पर राज्य स्तरीय समारोह में लाल परेड मैदान पर के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा Startup–Idea to Scale थीम पर आधारित झांकी का प्रदर्शन किया गया। झांकी दर्शकों के बीच आकर्षण का केंद्र रही।

झांकी के प्रथम दृश्य में यूनिकॉर्न को प्रदर्शित किया गया, जो राज्य में स्टार्टअप्स की वैश्विक सफलता, नवाचार आधारित उद्यमिता एवं सतत समद्ध विकास का प्रतीक है। यह दृश्य मध्यप्रदेश में विकसित हो रहे सशक्त स्टार्टअप इकोसिस्टम को दर्शाता है।

झांकी में आगे आधुनिक इलेक्ट्रिक परिवहन, रोबोटिक्स एवं ऑटोमेशन, मेगा इनक्यूबेशन/इनोवेशन सेंटर, हेल्थ-टेक, शिक्षा एवं कौशल विकास में एआर/वीआर तकनीक तथा स्टार्टअप्स की विकास यात्रा को IDEA ? PROTOTYPE ? GTM (Go-To-Market) ? SCALE चरणों के माध्यम से प्रभावी रूप से प्रदर्शित किया गया। अंतिम दृश्य में आधुनिक बुलेट ट्रेन के माध्यम से तेज, सतत एवं भविष्य उन्मुख औद्योगिक विकास का प्रतीकात्मक चित्रण किया गया।

यह सम्पूर्ण झांकी आयुक्त उद्योग श्री दिलीप कुमार के नेतृत्व में विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा तैयार एवं प्रस्तुत की गई, जिसके माध्यम से एमएसएमई एवं स्टार्टअप्स की भूमिका को रेखांकित करते हुए वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर एवं विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य का सशक्त संदेश दिया गया।

मजबूत परिवार, सशक्त समाज की दिशा में निर्णायक पहल महिला बाल विकास मंत्री सुश्री

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने राष्ट्रीय महिला आयोग के मार्गदर्शन में विवाह-पूर्व संवाद को संस्थागत स्वरूप देने वाली देश की पहली संरचित पहल 'तेरे मेरे सपने' के अंतर्गत प्री-मैरिटल कम्युनिकेशन सेंटर का शुभारंभ भोपाल में किया। इस अवसर पर उन्होंने शक्ति सदन का भी शुभारंभ किया।

मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि जब तेरे और मेरे सपने मिलकर हमारे सपने बनते हैं, तभी एक स्वस्थ, सुरक्षित और सशक्त भारत का निर्माण संभव है। मजबूत समाज की नींव मजबूत परिवार होते हैं और मजबूत परिवार सोच-समझकर बनाए गए रिश्तों से ही संभव हैं। उन्होंने कहा कि आज के बदलते सामाजिक परिदृश्य में विवाह से पहले संवाद, समझ और भावनात्मक तैयारी अत्यंत आवश्यक हो गई है। 'तेरे मेरे सपने' पहल युवाओं को विवाह से पूर्व आपसी अपेक्षाओं, मूल्यों, जिम्मेदारियों और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर चर्चा करने का सुरक्षित एवं मार्गदर्शित मंच प्रदान करती है।

मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि संवाद की कमी, अवास्तविक अपेक्षाएँ और भूमिका स्पष्टता के अभाव में कई वैवाहिक रिश्ते तनाव, मानसिक उत्पीड़न और घरेलू हिंसा तक पहुँच जाते हैं। ऐसे में प्री-मैरिटल कम्युनिकेशन सेंटर न केवल विवादों की रोकथाम में सहायक होंगे, बल्कि सम्मान, सहमति और समानता पर आधारित रिश्तों को भी मजबूत बनाएंगे। उन्होंने बताया कि निर्भया फाउंडेशन द्वारा संचालित यह परियोजना महिलाओं की सुरक्षा, गरिमा और सशक्तिकरण के राष्ट्रीय संकल्प को मजबूती प्रदान करती है। विवाह से पहले स्पष्टता और संवाद घरेलू हिंसा एवं पारिवारिक विवादों की संभावनाओं को प्रभावी रूप से कम कर सकते हैं।

मंत्री सुश्री भूरिया ने राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्षा श्रीमती विजया राहटकर के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनके मार्गदर्शन में इस पायलट प्रोजेक्ट के लिए भोपाल का चयन किया गया।अभियान से जुड़ी डॉ. प्रतिभा राजगोपाल के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रशासनिक प्रशिक्षण अनुभव से इस पहल को व्यावहारिक और सशक्त दिशा मिलेगी। उन्होंने समाज के अध्यक्षों, धर्मगुरुओं, अभिभावकों और युवाओं से आग्रह किया कि वे विवाह को केवल सामाजिक औपचारिकता नहीं, बल्कि समझदारी और साझेदारी का निर्णय बनाएं तथा विवाह से पूर्व संवाद को स्वीकार करें। मंत्री सुश्री भूरिया ने निर्भया फाउंडेशन की पूरी टीम को इस संवेदनशील और दूरदर्शी पहल के लिए बधाई देते हुए कहा कि सरकार ऐसे सभी प्रयासों के साथ मजबूती से खड़ी है, जो समाज को सुरक्षित, सशक्त और संवेदनशील बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि 'तेरे मेरे सपने' पहल के अंतर्गत अब तक देश के 9 राज्यों में 23 प्री-मैरिटल कम्युनिकेशन सेंटर प्रारंभ किए जा चुके हैं।

कांग्रेस ने आवाज की बुलंद, अवैध होर्डिंग हटाकर व्यवस्थित पार्किंग की मांग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में प्रस्तावित आदर्श मार्ग के मध्य स्थित महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल के बाहर लगे होर्डिंग सहित शहर के विभिन्न हिस्सों में लगे अवैध होर्डिंग को हटाकर एकरूप, सुंदर एवं सुव्यवस्थित आदर्श मार्ग तथा समुचित पार्किंग व्यवस्था विकसित करने की मांग को लेकर आज कांग्रेस पार्टी द्वारा नगर पालिका परिषद को ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन कार्यक्रम शहर ब्लॉक कांग्रेस मंदसौर की अध्यक्ष सुश्री इष्टा भाचावत एवं नगर पालिका परिषद मंदसौर में नेता प्रतिपक्ष श्रीमती रफत पयामी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। दोपहर 12 बजे गांधी चौराहा स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय पर कांग्रेसजन एकत्रित हुए, जहां से नारेबाजी करते हुए नगर पालिका परिषद पहुंचे और नपा अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में प्रमुख रूप से मांग की गई कि नगर में लगे सभी अवैध होर्डिंग तत्काल प्रभाव से हटाए जाएं। साथ ही नगर पालिका परिषद द्वारा सड़क किनारे से हटाए गए हाथ ठेला व दुकानों के कारण बेरोजगार हुए लोगों को वैकल्पिक रोजगार उपलब्ध कराया जाए तथा शहर में व्यवस्थित पार्किंग स्थलों का निर्माण किया जाए, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारु हो सके। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी, महिला कांग्रेस की सदस्याएं एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा । इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस सचिव राजेश सिंह रघुवंशी पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनजीत सिंह टटेजा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मो.हनीफ शेख, शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुश्री इष्टा भाचावत, नपा में नेता प्रतिपक्ष रफत पयामी जिला कांग्रेस पदाधिकारियों में अजय लोढ़ा, राजनारायण लाड़, कमलेश सोनी, बलवंत सिंह चौहान, सुनील बसेर, वहीद जैदी, हाजी रशीद खान, राजेश फरक्या, विश्वास दुबे, साबिर इलेक्ट्रीशियन, कमलेश जैन, अभिषेक पाटीदार,खलील पठान,अशफाक अली,सुनील पामेचा, विजयसिंह सिसोदिया महिला नेत्रियों में रूपल संचेती, राखी सत्रावाला, लक्ष्मी रैकवार, नेहा कनकमल जेन, वर्षा सांखला, सुनीता माली, मीना चौहान, उद्योग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष निर्विकार रातडिया, अजजा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रमेश सिंगार, मंडलम अध्यक्ष नितेश शातिदासानी, रमेश ब्रिजवानी, अजय सोनी, अजय मारू, वकार खान, मनोहर नाहटा, दिनेश नाई, शैलेंद्र गोस्वामी, प्रीतम पंचोली, आरिफ अंसारी, मजहर खान, शिव कुमार कवीश्वर, सागर अंसारी, सादिक गौरी, सम्यक जैन, मंगल गवली, योगेंद्र गौड़, ,दुर्गेश चंदेल, मोहम्मद फारूक कुरैशी, राकेश सेन, अक्षय सेठिया, आमीन खान, अकरम खान आदि इस अवसर पर उपस्थित थे।

आबकारी विभाग नीमच ने लगभग 9 लाख की जप्तशुदा शराब का नष्टीकरण किया

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के आदेशानुसार आबकारी विभाग नीमच द्वारा जिले में मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं में कायम किए गए लगभग 2600 प्रकरणों में जप्त शुदा लगभग 9 लाख रुपए मूल्य की 4400 लीटर मदिरा, मदिरा निर्माण सामग्री एवं न्यायालय से प्राप्त मुद्देमाल का नष्टीकरण डिप्टी कलेक्टर श्री पराग जैन की अध्यक्षता वाली नष्टीकरण समिति द्वारा जिला आबकारी अधिकारी नीमच श्री बसंत कुमार भीटे के निर्देशन में ग्राम भोलियावास स्थित ट्रेचिंग ग्राउंड नीमच में 28 जनवरी 2026 को जेसीबी और रोड रोलर की मदद से नष्टीकरण किया गया है। नष्टीकरण की उक्त कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री बी.एल.सिंगाड़ा, आबकारी उपनिरीक्षक श्री संजय कुमार कवारे, श्री पंकज राठौर, श्री दीपक आंजना के साथ आबकारी स्टाफ, नगरपालिका एवं ट्रेचिंग ग्राउंड स्टाफ का सहयोग रहा है।

निःशुल्क रेबीज रोग प्रतिबंधात्मक टीकाकरण शिविर 30 जनवरी को

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पशुचिकित्सा विभाग द्वारा 30 जनवरी प्रातः10ः00 बजे से पशु चिकित्सा पोलीक्लिनिक पर निःशुल्क पशु चिकित्सा एवं एण्टी रेबीज टीकाकरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उपसंचालक डॉ.राजेश पाटीदार ने बताया, कि जैन सोशल ग्रुप उड़ान नीमच के अध्यक्ष डॉ. एम.एल. जैन के नेतृत्व में यह संस्था जीव दया प्रकल्प पर कार्य कर रही है। इसके तहत बीमार पशुओं का निःशुल्क उपचार एवं रेबीज रोकथाम हेतु कुत्ते एवं बिल्लियों में निःशुल्क रेबीज प्रतिबन्धत्मक टीके लगाए जाएगे। उप संचालक पशुपालन डॉ.राजेश पाटीदार ने पशुपालकों से अनुरोध किया है कि अधिकाधिक संख्या में अपने पशुओं को 30 जनवरी को प्रातः 10 बजे पशु चिकित्सा पॉली क्लीनीक नीमच पर लाकर टीकाकरण अवश्य करवाएं।

सिंगोली में ऐतिहासिक विराट हिंदू सम्मेलन सम्पन्न

2100 से अधिक कलश एंव झांकियों के साथ निकली विशाल शौभायात्रा

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विगत एक माह से विराट हिंदू सम्मेलन को लेकर नगर में चल रही तैयारियों का परिणाम आज नगर वासियों को ऐतिहासिक एवं विराट हिन्दू सम्मेलन के रुप में देखने को मिला। संघ शताब्दी वर्ष को लेकर दिनांक 28 जनवरी को नगर के गौतमालय भवन से एक विशाल शौभायात्रा निकली जिसमें 2100 से अधिक महिलाएं सिर पर कलश लेकर चल रही थी। साथ ही राष्ट्र भक्ति से ओत-प्रोत अनेक झांकियां भी शौभायात्रा में शामिल थी। हिन्दू सम्मेलन को लेकर नगर में जबरदस्त उत्साह का वातावरण देखने को मिला।

आज निकली शौभायात्रा गौतमालय भवन से आरंभ होकर जैन मंदिर, चौधरी मोहल्ला, अहिंसा पथ, बापु बाजार, विवेकानंद बाजार, पुराना बस स्टैंड, तिलस्वां चौराहा, नया बस स्टैंड, होते हुए सभा स्थल पुरानी नगर पालिका के यहां पहुंची जहां एक धर्म सभा में परिवर्तित हो गई। सभा को संबोधित करने के लिए संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी विक्रम सिंह सिसौदिया प्रांत प्रमुख धर्म जागरण, वरिष्ठ संत भड़केश्वरी पीठाधिश रामप्रियदास जी थड़ोद, मातृशक्ति के रुप में बहन साक्षी पुरोहित उपस्थित रहे। धर्म सभा की शुरुआत भारत माता ओर भगवान श्री राम की पुजा अर्चना से हुई सभा में बोलते हुए संत श्री राम प्रियदास जी ने कहा कि आज हम संघ का शताब्दी वर्ष मना रहे हैं। यह हमारे लिए बड़े गर्व की बात है।संघ ही एक मात्र ऐसा संगठन हे जो हिन्दू समाज को एक करने का काम कर रहा है। हम हिन्दू लोगों को साज़िश के तहत जातियों में बांटा जा रहा है। हमे इस बात पर गंभीरता से विचार करना होगा। हम सब हिन्दू हे हमे हमारी संस्कृति के अनुरूप गौ माता को पालना चाहिए तथा हमारी संतानों को गाय का दुध पिलाना चाहिए गाय के दुध हेतु हमारे घरों में गौ माता का वास होना चाहिए इस तरह अनेक महत्वपूर्ण बातें कहने के साथ ही आखरी मे कहा की हमे कुत्ता पालन संस्कृति से बचना चाहिए ओर गाय पालना चाहिए। सभा में बोलते हुए बहन साक्षी पुरोहित ने कहा कि हमे पंच परिवर्तन पर ध्यान देना होगा परिवार में सामुहिकता का भाव होना चाहिए हमे जल जंगल जमीन की रक्षा के भाव जगाना है

हमारा राष्ट्र विश्व गुरु बने इसके लिए जागरूक नागरिक बनना ओर अधिकारो के साथ कर्तव्य का बोध भी होने की बात कही सभा में मुख्य वक्ता के रुप में बोलते हुए विक्रम सिंह सिसौदिया ने कहा कि हमे गर्व है कि हम संघ के स्वंय सेवक हे आज संघ अपनी शताब्दी का महोत्सव पुरे देश में मना रहा है। हिन्दू समाज की एकता और मजबूत हो इसके लिए हमें ओर काम करना होगा। आपने बोलते हुए कहा कि हमारा हिन्दू समाज मेंढ़क की तरह है जो एक तराजू तोले नही जा सकते हैं। फिर भी सौ वर्ष पहले डाक्टर केशव राव बलीराव हेडगेवार ने हिन्दू समाज को एक करने का लक्ष्य लेकर संघ की स्थापना की। आज संघ के सफर को सौ वर्ष हो गए उसके बाद भी हमारा लक्ष्य अभी भी अधुरा है। हिन्दुस्तान में रहने वाले सभी हिन्दू जब तक एक सुत्र में नही बंध जाते हमारा सफर पुरा नही होगा हिन्दू अपनी ताकत को भुल रहा है। इसका एक बहुत शानदार उदाहरण देते हुए आपने कहा की भेड़ो के झुंड में एक शेर का बच्चा शामिल हो गया धीरे-धीरे वो शेर का बच्चा भी भेड़ की तरह मिमियाने लगा एक दिन शेर की निगाह भेड़ो के झुंड पर पड़ी और अपनी संतान को पहचान लिया ओर तुरंत उस झुंड में से शेर के बच्चे को उठाया और नदी के पानी में उसको अपना मुंह दिखवाया ओर जोर से दहाड़ मारते हुए शेर ने उसे अपनी ताकत का एहसास कराया हम हिन्दू आज उसी स्थिति में है हमे हमारी ताकत को पहचानना होगा हम जब तक देश की रक्षा मे करुंगा के भाव नही लाएगे तब तक संघ का लक्ष्य अधुरा रहेगा। सभा कार्यक्रम के अंत में विराट हिन्दू सम्मेलन के नगर संयोजक निशांत जोशी ने सभी का आभार व्यक्त किया ओर आगे भी सहयोग की अपेक्षा की बात कही। सभा संचालन राहुल सोनी ने किया। सभा के तुरंत बाद नगर वासियों का (प्रसादी) स्नेह भोज का आयोजन गोतमालय भवन परिसर में हुआ।

शौभायात्रा का जगह-जगह पुष्पवर्षा से स्वागत किया गया- आज हिन्दू सम्मेलन को लेकर नगर में निकली शौभायात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत अभिनन्दन किया गया शौभायात्रा के दौरान महिलाएं सिर पर कलश लिए भगवान के भजनों पर नाचते हुए चल रही थी।

मल्हारगढ़ से मुख्यमंत्री प्रदेश के 7.10 लाख किसानों को करेंगे भावांतर राशि का अंतरण

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 29 जनवरी को मंदसौर जिले के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे जिले को करोड़ों रुपए के विकास कार्यों की सौगात देंगे तथा प्रदेश के किसानों को भावांतर भुगतान योजना के अंतर्गत राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण करेंगे। मुख्यमंत्री द्वारा मल्हारगढ़ से भावांतर भुगतान योजना के अंतर्गत प्रदेश के 7.10 लाख किसानों के खातों में कुल 1,492 करोड़ रुपए की राशि अंतरित करेंगे। मंदसौर जिले के 27,500 किसानों द्वारा अपनी कुल 47,283.03 टन उपज का विक्रय किया गया है, जिसके एवज में जिले को लगभग 43 करोड़ रुपए की भावांतर राशि प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मल्हारगढ़ में 51.91 करोड़ रुपए की लागत से मंदसौर-नीमच स्टेट हाईवे पर स्थित मल्हारगढ़ 4 लेन फ्लाईओवर का भूमिपूजन, 5.53 करोड़ रुपए की लागत से पिपलिया मंडी समपार रेलवे अंडर ब्रिज का भूमिपूजन एवं 2.06 करोड़ रुपए की लागत से मल्हारगढ़ रेलवे स्टेशन रोड पर पुल निर्माण कार्य का लोकार्पण करेंगे। इन विकास कार्यों से क्षेत्र में यातायात सुविधा सुदृढ़ होगी तथा आमजन को आवागमन में राहत मिलेगी।

कोतवाली पुलिस ने 4 चोरी की बाइक बरामद की, आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कोतवाली निरीक्षक पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ एवं उनकी टीम ने चोरी की 4 बाइक बरामद कर एक चोर को पकड़ा है। घटना अनुसार 24 जनवरी को फरियादी भागीरथ पिता देवराम मालवीय उम्र 51 साल निवासी पिण्डा थाना अफजलपुर ने सूचना लेख कराई कि दो पहिया मोटर साईकिल को दिनांक 20 जनवरी को जिला चिकित्सालय परिसर से कोई अज्ञात व्यक्ति चुराकर ले गया। फरियादी की रिपोर्ट पर अनुसंधान के दौरान आसपास के सीसीटीवी फुटेज चेक करने व मुखबीर तंत्र सक्रिय कर ज्ञात हुआ कि आरोपी भारतलाल मालवीय पिता तौरीराम मालवीय उम्र 29 साल निवासी ग्राम आक्या फाटक थाना दलौदा मोटर साईकिल चोरी कर ले गया। जिस पर मुखबिर तंत्र सक्रीय कर आरोपी की पहचान सुनिश्चित की जाकर आरोपी को अभिरक्षा मे लेकर पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा 03 अन्य मोटर साईकिल भी चोरी करना स्वीकर किया। जिन्हें शहर कोतवाली पुलिस द्वारा जप्त किया गया है। आरोपी से पूछताछ के दौरान 03 अन्य और मोटर साईकिल भी चोरी करना बताया है। जिसके संबध मे भी पूछताछ जारी है। इस सराहनीय कार्य में प्रआर कमलेश सिंह भदौरिया, आरक्षक हरिश राठौर, आरक्षक नरेन्द्र सिंह, आरक्षक शेलेन्द्र सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कलेक्टर के सख्त निर्देश ब्लैक स्पॉट सुधार, तेज़ रफ्तार पर कार्रवाई और हेलमेट अनिवार्यता पर जोर

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बुधवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्रीमती सिंह ने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ब्लैक स्पाट का पुलिस, संबंधित रोड एजेन्सी एवं संबंधित एसडीएम को संयुक्त भ्रमण कर कमियों को देख कर ,दूर करने के लिए 15 फरवरी तक कार्य योजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए ।

कलेक्टर ने निर्देश दिये कि राहवीर योजना के क्रियान्वयन के लिए मेडीकल कालेज एवं जिला चिकित्सालय में बनाये गये काउंटरों पर कर्मचारियों की ड्यूटी लगा कर प्रशिक्षण दिया जाए। तेज रफ्तार से वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही करते हुए उनके लायसेन्स निलंबित किए जाए एवं वाहन चालकों के पुलिस वेरीफिकेशन करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। दोपहिया वाहन चालको को हेलमेट का उपयोग करने के लिए समझाईश देने एवं हेलमेट का उपयोग नहीं करने वालो पर चालानी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। स्कूली वाहनों की सतत निगरानी करने एवं मापदंडों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर कार्यवाही करने के निर्देश आर टी ओ को दिए। निर्माण कार्यो के दौरान खोदी गई सड़कों की मरम्मत का काम त्वरित गति से कराने, सड़क पर पड़े पुराने अनावश्यक वाहनों को हटवाने तथा दुर्घटना रोकने के लिए सड़क पर विचरण करते पाये जाने पर गायो को गौ शालाओ मे भेजने के निर्देश दिए।

सम्पादकीय

विद्यार्थियों का भविष्य सुनिश्चित करेगा डिजिटाइजेशन

भारत में विभिन्न विभागो में डिजिटलाइजेशन शुभ संकेत की तरह दिखाई दे रहे हैं। विशेष तौर पर शिक्षा जगत तथा बालक बालिकाओं के की डिजिटलाइजेशन एक वरदान की तरह होगा। कंप्यूटर तथा इंटरनेट के युग में आने वाले बच्चों की पीढ़ी को इसमें पारंगत होना अत्यंत आवश्यक है । वैश्विक स्तर पर भी बच्चों को प्रतिस्पर्धा हेतु इस विधा में विशेषज्ञता प्राप्त करनी होगी, तब जाकर हम रोजगार मूलक हो पाएंगे। वर्तमान में पिछले दो वर्षों से सबसे ज्यादा कोविड-19 के संक्रमण ने जीवन मृत्यु के बाद जिस क्षेत्र का सबसे ज्यादा नुकसान किया है वो शिक्षा जगत के क्षेत्र का ही हैद्य दो वर्षों से स्कूल कॉलेज लगातार बंद चले आ रहे हैंद्य मूल शिक्षा खासकर बच्चों के लिए समय बेकार ना जाए इसीलिए ऑनलाइन शिक्षा का प्रावधान देश में किया गया हैद्य ऑनलाइन शिक्षा कंप्यूटर आधारित नेटवर्क से संलग्न होती हैद्य इसके अंतर्गत विद्यार्थी तथा शिक्षक वीडियो के माध्यम से एक दूसरे से जुड़े होते हैं तथा लगातार लाभान्वित भी होते हैंद्य इसमें शिक्षक आभासी तौर पर उपस्थित होते हैं एवं आभासी स्तर पर ही शिक्षा प्रदान की जाती हैद्य आज ऑनलाइन शिक्षा लाइव वीडियो क्लासेस, रिकॉर्डिंग वीडियो क्लासेस, लाइव ऑनलाइन शिक्षा, ऑनलाइन टेस्ट और घर पर पी,डी,एफ आधारित ऑनलाइन शिक्षा प्रदान की जा रही हैद्य ऑनलाइन शिक्षा में अनेक लाभ के साथ हानियों का भी समावेश है। ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से कक्षाओं का शिक्षण अधिक रोचक कथा संवादात्मक बनाया जा रहा है, जिससे बच्चे इस पर अधिक से अधिक ध्यान दे रहे हैं। इसके अलावा ऑनलाइन शिक्षक कोई भी कहीं भी कभी भी प्राप्त कर सकते हैं उदाहरण के लिए यात्रा के दौरान या किसी कारणवश अवकाश लेने पर छूटे हुए विषयों से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। ऑनलाइन क्लासेज के प्रोत्साहन से विद्यार्थी नए-नए ज्ञान की प्राप्ति कर सकते हैं, साथ ही शिक्षकों पर सक्षम, अद्यतन न होने और शिक्षकों की कमी के जो आरोप लगते हैं उसे भी दूर किया जा सकता है।

वैसे भी भारत जैसे विशाल देश में पर्याप्त स्कूल कॉलेज नहीं है ।ऑनलाइन शिक्षा के विकल्प से स्कूल कॉलेज कम होने का दबाव धीरे-धीरे कम होने लगेगा और स्कूल कॉलेज के दाखिले में अनिवार्यता भी धीरे-धीरे कम होने लगेगी। ऑनलाइन शिक्षा पर्यावरण की दृष्टि से लाभकारी है, करोना संक्रमण की दृष्टि से लाभकारी है, और आर्थिक रूप से भी आवागमन के खर्चे से बचत के रूप में देखा जा रहा है। ऑनलाइन विद्यार्थी स्वयं शिक्षा के स्तर को समझेंगे और यह भी समझेंगे कि उन्हें क्या पसंद है और किस क्षेत्र में उन्हें आगे जाकर शोध करना है या बड़ी डिग्री हासिल करना है। इससे ज्ञान की विविधता भी प्राप्त होती है। समय की बचत के साथ इसमें आर्थिक लाभ भी होता है। तीव्रता और गहनता की दृष्टि से ऑनलाइन शिक्षा काफी महत्वपूर्ण तथा प्रभाव कारी है। ऑनलाइन शिक्षा पाठ्यक्रम के लिए आवश्यक सूचनाएं एवं डाटा संग्रहण तीव्रता से होता है तथा सृजनशीलता की विविधता की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऑनलाइन शिक्षा में सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय विद्यालय और शिक्षकों की उपलब्धता भी छात्रों की मदद के लिए सदैव रहती है। दूसरी तरफ ऑनलाइन शिक्षा से कई समस्याएं भी जुड़ी होती हैं। ऑनलाइन शिक्षा नेटवर्क कंप्यूटर पर आधारित होती है इसके लिए कई उपकरणों की जरूरत होती है जो काफी आर्थिक रूप से महंगे होते हैं ।भारत जैसे देश में ऑनलाइन शिक्षा सबके लिए संभव नहीं है।

विशाल जनसंख्या वाले देश में हर जगह कंप्यूटर नेटवर्क और मोबाइल की उपलब्धता इतनी आसान नहीं है, जितनी की योजना बनाते समय कल्पना की गई थी। बच्चों की रचनात्मक क्षमता का भी इसमें नुकसान होता है क्योंकि पाठ्यक्रम से संबंधित सारी जानकारियां किताबों में ना खोजकर इंटरनेट के माध्यम से प्राप्त कर लेते हैं। उनमें जिज्ञासा का अभाव पैदा होने लगता है एवं रचनात्मकता भी खत्म होती है। ऑनलाइन शिक्षा में छोटे बच्चों को शारीरिक व्यायाम एवं शारीरिक कसरत का अभाव पैदा होने लगता है, छोटे बच्चों को खेलकूद वाली शिक्षा उनकी शारीरिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर दी जाती है पर ऑनलाइन शिक्षा में ऐसा संभव नहीं है। स्कूल कॉलेजों में नियमित शिक्षा कक्षाओं में बैठकर शिक्षकों के दबाव में अनुशासन में दी जाती है, जिससे एक साम्यता छात्रों में बनी रहती है पर ऑनलाइन शिक्षा में छात्र किसी भी नियम से न बंद कर खुलकर इंटरनेट का दुरुपयोग भी कर सकते हैं। भारतीय तथा विदेशी मनोवैज्ञानिकों के अनुसार ऑनलाइन शिक्षा अत्यंत तनावपूर्ण होती है। एक रिसर्च के अनुसार 15 मिनट के ऑनलाइन अध्ययन के बाद छात्रों की नोट्स लेने में रुचि खत्म हो जाती है एवं व मनोरंजन साइड की तरफ झुकने लगते हैं। ऑनलाइन शिक्षा से बच्चों के शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है सबसे ज्यादा आंखों पर असर पड़ने लगता है बहुत जल्दी ही बच्चों को आंखों में चश्मे और लेंस लगने लगते हैं। पर परिवर्तन संसार का एक मूलभूत नियम है जो राष्ट्र समाज व व्यक्ति अपने को समय के साथ बदल लेगा वह निश्चित रूप से विकास के पथ पर आगे जाएगा।

छात्रों में परीक्षाओं के तनाव को नियंत्रित करता है सहजयोग

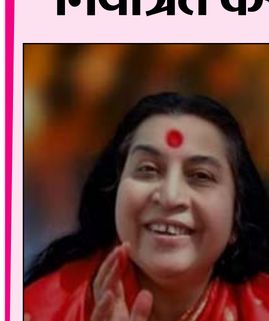

सहजयोग द्वारा विद्यार्थियों के संतुलन, अनुशासन व सफलता में वृद्धि होती है। सर्व विदित है कि सहजयोग श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा प्रतिस्थापित कुंडलिनी जागरण व ध्यान योग की पद्धति है जो मानव के आध्यात्मिक उन्नति में सहायक है। परंतु पूर्ण सत्य यह है कि सहजयोग आध्यात्मिक ही नहीं वरन् जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उन्नति प्रदान करता है, और यह जीवन की प्रत्येक अवस्था बालपन से लेकर वृद्धावस्था तक समान रूप से लाभकारी है।

इसी क्रम में यह समझना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि छात्र जीवन में सहजयोग विशेष रूप से सहायक है। भारत में फरवरी से लेकर मई तक विभिन्न परीक्षाओं का समय होता है। इस समय लाखों बच्चे बोर्ड व प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होते हैं। वर्तमान शिक्षा पद्धति में अंकों के प्रतिशत का महत्व बढ़ने से छात्रों में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। परिणामस्वरूप निराशा, तनाव, भिन्न प्रकार के मानसिक रोग, हमें बच्चों में देखने को मिल रहे हैं। पराकाष्ठा ये है कि कुछ बच्चे कम उम्र में ही हृदयाघात के शिकार हो रहे हैं और छात्रों में आत्महत्या के उदाहरण बढ़ते जा रहे हैं। ये सनातन संस्कृति के वाहक भारत देश के लिए चिंताजनक है।

प्राचीन काल में गुरुकुल प्रणाली में योग्य गुरुजन छात्रों को संयमित, संतुलित व अनुशासित व्यक्तित्व में ढालने का कार्य करते थे जो आज संभव नहीं है। परंतु वर्तमान जीवन शैली में रहते हुए भी छात्रों को वही संतुलन, संयम व सफलता प्रदान करना सहजयोग द्वारा पूर्णतया संभव है।मानव शरीर की रचना पंचतत्वों से हुई है। इन सभी तत्वों की संतुलित अवस्था हमारे शरीर व मन को स्वस्थ रखती है। हमारा सूक्ष्म शरीर मुख्यतया तीन नाड़ियों व सात चक्रों से संचालित होता है। इस संतुलन की स्थापना हमारे मूलाधार में स्थित कुंडलिनी शक्ति द्वारा की जाती है। श्री माताजी के समक्ष जब कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है तथा प्रतिदिन कुछ समय के ध्यान द्वारा हम इस स्थिति में स्थापित हो जाते हैं तो जीवन की आपाधापी, निराशा, आक्रामकता समाप्त हो जाती है। आत्मसाक्षात्कार किसी भी उम्र में सहजता से प्राप्त किया जा सकता है। विश्व के 150 से अधिक देशों में प्रत्येक आयुवर्ग के व्यक्तियों ने सहजयोग को अपनाकर जीवन में सफलता व आनंद को प्राप्त किया है। सहजयोग द्वारा विद्यार्थियों की एकाग्रता, मैमोरी, समझने की शक्ति व त्वरित निर्णय की क्षमता में अद्भुत वृद्धि होती है तथा मानसिक तनाव व दबाव पर नियंत्रण रहता है और यह वैज्ञानिक व आधुनिक चिकित्सा पद्धति द्वारा प्रमाणित किया गया है।

भेदभाव की दीवारें गिराने चले, भरोसे की नींव ही हिला दी

भारतीय उच्च शिक्षा व्यवस्था एक बार फिर ऐसे संवेदनशील चौराहे पर खड़ी है, जहाँ ÷समानता÷, ÷न्याय÷ और ÷सुरक्षा÷ जैसे शब्दों के अर्थ को लेकर गहरी बहस छिड़ गई है। 13 जनवरी 2026 को यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन द्वारा अधिसूचित उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता संवर्धन विनियम को आधिकारिक रूप से जाति आधारित भेदभाव समाप्त करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया गया। आयोग का तर्क है कि पिछले पाँच वर्षों में जातिगत शिकायतों में 118.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और रोहित वेमुला तथा पायल तड़वी जैसे मामलों ने संस्थानों की संवेदनहीनता को उजागर किया है। इसी आधार पर हर विश्वविद्यालय और महाविद्यालय में समान अवसर केंद्र, समानता समिति, 24 घंटे की हेल्पलाइन और संस्थान प्रमुखों की सीधी जवाबदेही जैसे कड़े प्रावधान किए गए। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह व्यवस्था वास्तव में सभी के लिए न्याय सुनिश्चित करेगी, या फिर समानता के नाम पर एक नई असमानता को जन्म देगी।

नए नियमों की मूल संरचना ही सबसे बड़ा विवाद बन गई है। जातिगत भेदभाव की परिभाषा लगभग पूरी तरह अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग तक सीमित कर दी गई है। इसका सीधा अर्थ यह निकलता है कि सामान्य वर्ग के छात्र या शिक्षक यदि किसी प्रकार के भेदभाव का सामना करें, तो उनके लिए कोई स्पष्ट और समान तंत्र मौजूद नहीं है। पुराने 2012 के नियमों में झूठी शिकायतों पर दंड का प्रावधान था, जिसे नए नियमों में हटा दिया गया है, जिससे जांच प्रक्रिया में संतुलन बना रहता था। नए नियमों में इस प्रावधान को हटाना कई लोगों को चिंतित कर रहा है। आलोचकों का कहना है कि इससे शिकायतें न्याय का साधन कम और दबाव का हथियार अधिक बन सकती हैं। समानता समिति में सामान्य वर्ग का अनिवार्य प्रतिनिधित्व न होना भी निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। यही कारण है कि कई लोग इसे संविधान में निहित समानता और न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध मान रहे हैं।

यह असंतोष अब केवल अकादमिक बहस तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक भूचाल में बदल गया है। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के कई नेताओं और पदाधिकारियों ने खुलकर विरोध दर्ज कराया है। बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने इस्तीफा दिया, जिसमें उन्होंने यूजीसी नियमों को %ब्लैक लॉ% करार देते हुए सामान्य वर्ग को असुरक्षित बताया और शंकराचार्य के साथ कथित दुर्व्यवहार का भी जिक्र किया; इसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने उन्हें अनुशासनहीनता के आरोप में सस्पेंड कर विभागीय जांच शुरू कर दी। लखनऊ में युवा मोर्चा और किसान मोर्चा के अनेक नेताओं सहित कई बीजेपी पदाधिकारियों ने सामूहिक इस्तीफा देकर पार्टी नेतृत्व को चेतावनी दी और सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं व्यक्त की गईं। सामाजिक माध्यमों पर प्रसिद्ध हस्तियों की टिप्पणियों ने भावनात्मक स्वर को और तीखा कर दिया। आलोचकों का आरोप है कि अन्य पिछड़ा वर्ग को नियमों में प्रमुखता देकर राजनीतिक लाभ साधने का प्रयास किया गया, जबकि सामान्य वर्ग को हाशिए पर धकेला जा रहा है।

राजनीतिक हलचल के समानांतर, देशभर के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्र आंदोलनों ने जोर पकड़ लिया है। दिल्ली स्थित आयोग मुख्यालय के बाहर सामान्य वर्ग के छात्रों का धरना यह स्पष्ट संकेत देता है कि विरोध भेदभाव रोकने के उद्देश्य के खिलाफ नहीं, बल्कि एकतरफा व्यवस्था के खिलाफ है। ÷कैंपस में अराजकता नहीं, समानता चाहिए÷ जैसे नारे छात्रों की मानसिक पीड़ा को उजागर करते हैं। अखिल एबीवीपी (बीजेपी से जुड़ा) और एनएसयूआई (कांग्रेस से जुड़ा) जैसे वैचारिक रूप से अलग संगठन भी इस मुद्दे पर एक मंच पर दिखाई दिए, जो अपने आप में असाधारण है। कई छात्र संघों ने औपचारिक पत्र लिखकर नियमों को वापस लेने या संशोधित करने की माँग की है। छात्रों और शिक्षकों का कहना है कि अनुपालन का अत्यधिक दबाव संस्थानों को रक्षात्मक बना देगा, जहाँ झूठी शिकायतों से बचने के लिए सामान्य वर्ग को आसानी से निशाना बनाया जा सकता है। इसका सीधा असर पढ़ाई, शोध और कैंपस के मानसिक माहौल पर पड़ रहा है।

विवाद के बढ़ने पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री का बयान सामने आया, जिसमें उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी के साथ अन्याय नहीं होगा और कानून का दुरुपयोग नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने आयोग और सरकारों को निष्पक्ष क्रियान्वयन की जिम्मेदारी सौंपी। लेकिन आलोचक पूछते हैं कि जब नियमों की संरचना ही असंतुलित हो, तो केवल आश्वासन से क्या बदलेगा। उनकी माँग है कि झूठी शिकायतों पर सख्त दंड का प्रावधान जोड़ा जाए, भेदभाव की परिभाषा सभी वर्गों के लिए समान हो और समानता समिति में सामान्य वर्ग का प्रतिनिधित्व अनिवार्य किया जाए। आयोग का कहना है कि बढ़ती शिकायतों ने कठोर कदम आवश्यक बना दिए थे, लेकिन विरोधी मानते हैं कि आँकड़ों के पीछे के कारणों की गहन जाँच के बिना बनाए गए नियम समस्या को सुलझाने के बजाय बढ़ा सकते हैं। यह विवाद केवल एक नियमन का नहीं, बल्कि भारतीय समाज की दिशा का प्रश्न बन गया है। समानता का अर्थ यह नहीं कि एक वर्ग की सुरक्षा के नाम पर दूसरे को भय और असुरक्षा में डाल दिया जाए। उच्च शिक्षा में समावेशिता निस्संदेह आवश्यक है, लेकिन वह संतुलन, पारदर्शिता और पारस्परिक विश्वास के बिना संभव नहीं। यदि नियम भय और अविश्वास का वातावरण बनाते हैं, तो वे अपने उद्देश्य से भटक जाते हैं। आयोग को चाहिए कि वह विरोध को हठधर्मिता से नहीं, बल्कि संवाद और संशोधन से संबोधित करे। सुप्रीम कोर्ट में विनीत जिंदल और मृत्युंजय तिवारी जैसी याचिकाएं दाखिल हो चुकी हैं, जिनमें नियमों को असंवैधानिक और एकतरफा बताया गया है। सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय इस मामले में निर्णायक होगा, लेकिन उससे पहले यह समझना आवश्यक है कि शिक्षा केवल कानून से नहीं, विश्वास से चलती है। असल प्रश्न यही है कि क्या ये नियम भेदभाव की दीवारें गिराएँगे या नई दीवारें खड़ी करेंगे। इसका उत्तर आने वाले समय में भारतीय उच्च शिक्षा और सामाजिक सद्भाव की दिशा तय करेगा।

-प्रो. आरके जैन

कमजोर रुपया निर्यात में मददगार, लेकिन भुगतान संतुलन पर बढ़ रहा दबाव

रुपये ने बुधवार के कारोबार में 90 प्रति डॉलर का मनोवैज्ञानिक स्तर लांघ दिया है। वर्ष की शुरुआत से अब तक वह 5 फीसदी से अधिक गिर चुका है। बहरहाल जरूरी है कि रुपये के अवमूल्यन को व्यापक वृहद आर्थिक घटनाओं के साथ जोड़कर देखा जाए और नीति निर्माता तथा दूसरे भागीदार रुपये के किसी खास स्तर के बारे में फिक्र नहीं करें। आंकड़े बताते हैं कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में भुगतान संतुलन 10.90 अरब डॉलर नकारात्मक हो गया जबकि वह पिछले वर्ष की समान तिमाही में 18.6 अरब डॉलर सकारात्मक था। व्यापार घाटा भी बढ़ा है और अर्थशास्त्रियों को अंदेशा है कि चालू खाते का घाटा भी इस वित्त वर्ष में बढ़ेगा। यह जानकारी भी है कि भारतीय रिजर्व बैंक मुद्रा बाजार में आक्रामक हस्तक्षेप नहीं कर रहा है जो समझदारी भरा नीतिगत कदम है।

जब भुगतान संतुलन नकारात्मक हो गया हो तो मुद्रा के अवमूल्यन की अपेक्षा रहती है, जिससे ठहराव आता है। मुद्रा बाजार की गतिविधियां भी भारत-अमेरिका व्यापार के हालात से प्रभावित नजर आ रही हैं। भारत को अमेरिका के 50 फीसदी शुल्क का सामना करना पड़ रहा है, जिसका असर भारत के निर्यात पर पड़ने लगा है।

कुछ क्षेत्रों को वैकल्पिक बाजार मिल गए हैं मगर उनके आंकड़ों को सतर्कता के साथ समझने की जरूरत है। उच्च मूल्य वाली वस्तुएं मसलन रत्न एवं आभूषण शायद दूसरे बाजारों के रास्ते अमेरिका भेजी जा रही हों मगर यह सिलसिला हमेशा नहीं चलता रहेगा। इसलिए जरूरी है कि भारत और अमेरिका जल्द से जल्द पारस्परिक लाभकारी व्यापार समझौता कर लें। भारत के वार्ताकारों ने उम्मीद जताई है कि वर्ष के अंत तक समझौता हो जाएगा।

लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि यह समझौता मध्यम अवधि में भारत-अमेरिका व्यापार को कैसे प्रभावित करेगा। वैश्विक व्यापार के लिहाज से देखें तो कमजोर रुपया भारतीय निर्यातकों की मदद करेगा। हालांकि अमेरिकी शुल्क से जो नुकसान हो रहा है उसकी पूरी तरह भरपाई रुपये के अवमूल्यन से शायद नहीं हो पाएगी मगर इससे भारतीय निर्यातकों को नए बाजार तलाशने में कुछ मदद मिल जाएगी। रिजर्व बैंक के हाल के आंकड़े दिखाते हैं कि रुपया वास्तव में गिरा है, जो वास्तविक प्रभावी विनिमय दर से साफ पता चलता है। मौजूदा हालात में मुद्रा की कमजोरी निर्यातकों के लिए उपयोगी होगी। इसी समाचार पत्र में पिछले दिनों एक विश्लेषण में बताया गया है कि रुपया दूसरी मुद्राओं की तुलना में गिरा है मगर वास्तव में महामारी के बाद से यह चीन की मुद्रा युआन के मुकाबले काफी मजबूत हुआ है। इसके कारण चीनी आयात बहुत सस्ता हो जाता है और चीन के साथ हमारा व्यापार घाटा और भी बिगड़ सकता है। इस लिहाज से मौजूदा अवमूल्यन भारत के हित में है और अर्थव्यवस्था के व्यापारिक क्षेत्रों को इससे कुछ हद तक सुरक्षा मिलेगी। रिजर्व बैंक के पास करीब 688 अरब डॉलर मूल्य का विदेशी मुद्रा भंडार है, जिससे मुद्रा बाजार के हालात सही रखने में मदद मिलेगी।

-धनंजय राजौरा

अजित पवारः आरोपों से ऊपर उठे राजनीति के 'दादा-पुरुष'

यह खबर केवल एक व्यक्ति के निधन की नहीं है, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति के एक पूरे युग के अचानक थम जाने की सूचना है। 28 जनवरी 2026 की सुबह जब बारामती में हुए विमान हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित अनंतराव पवार के असामयिक निधन की पुष्टि हुई, तो वह क्षण केवल पवार परिवार के लिए नहीं, बल्कि समूचे महाराष्ट्र और देश की राजनीति के लिए गहरे शोक और स्तब्धता का कारण बन गया। जिस नेता को लोग अधिकार, अनुभव और निर्णय क्षमता का पर्याय मानते थे, उसका इस तरह अचानक चले जाना सत्ता, प्रशासन और राजनीतिक संतुलन में एक बड़ा रिक्त स्थान छोड़ गया है। एक संभावनाओं भरी महाराष्ट्र की राजनीति एवं राष्ट्रीय विचारों का सफर ठहर गया, उनका निधन न केवल महाराष्ट्र के लिये, भारत की राष्ट्रवादी सोच के लिये बल्कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रवादी राजनीति पर एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। उनके निधन से सहकारी आन्दोलन को भी गहरा धक्का लगा है।

अजित पवार का जीवन किसी राजसी विरासत की सहज कहानी नहीं था। 22 जुलाई 1959 को अहमदनगर जिले के देओली प्रवरा क्षेत्र में जन्मे अजित पवार ने जीवन को बहुत करीब से संघर्ष करते हुए देखा। उनके पिता अनंतराव पवार फिल्म जगत से जुड़े रहे, राजकमल स्टूडियो में काम किया, लेकिन पारिवारिक परिस्थितियां साधारण रहीं। औपचारिक शिक्षा माध्यमिक स्तर तक ही सीमित रही, किंतु जीवन की व्यावहारिक पाठशाला ने उन्हें वह सिखाया जो बड़े-बड़े शैक्षणिक संस्थान भी नहीं सिखा पाते। शायद यही कारण रहा कि अजित पवार की राजनीति किताबों से नहीं, जमीन से निकली हुई राजनीति थी, जिसमें किसानों की पीड़ा, सहकारी संस्थाओं की ताकत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नब्ज साफ दिखाई देती थी। राजनीति में उनका प्रवेश किसी बड़े मंच से नहीं, बल्कि सहकारी आंदोलन की प्रयोगशाला से हुआ। 1982 में मात्र बीस वर्ष की आयु में उन्होंने एक चीनी सहकारी संस्था का चुनाव लड़ा। यह वही दौर था जब महाराष्ट्र की राजनीति में सहकारी संस्थाएं सत्ता की रीढ़ मानी जाती थीं। अजित पवार ने बहुत जल्दी समझ लिया कि यदि ग्रामीण महाराष्ट्र को साधना है तो उसे बैंक, चीनी मिल, सिंचाई और बिजली से जोड़ना होगा। यही समझ आगे चलकर उनकी राजनीतिक पहचान की सबसे बड़ी ताकत बनी।

1991 अजित पवार के राजनीतिक जीवन का निर्णायक वर्ष रहा। पुणे जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष बनने के साथ ही उन्होंने वित्तीय प्रशासन और संगठन संचालन में अपनी दक्षता का परिचय दिया। सोलह वर्षों तक इस पद पर बने रहना अपने आप में उनकी विश्वसनीयता और पकड़ को दर्शाता है। उसी वर्ष बारामती से लोकसभा के लिए निर्वाचित होना उनके बढ़ते कद का प्रमाण था, लेकिन उन्होंने यह सीट अपने चाचा शरद पवार के लिए छोड़ दी। यह फैसला केवल पारिवारिक निष्ठा का नहीं, बल्कि राजनीतिक दूरदृष्टि का भी उदाहरण था। इसके बाद विधानसभा में प्रवेश और फिर लगातार बारामती से जीत ने उन्हें जनाधार का वह आधार दिया, जिसे महाराष्ट्र की राजनीति में विरले ही कोई चुनौती दे सका। अजित पवार को सत्ता के गलियारों में पहुंचाने वाली सबसे बड़ी विशेषता उनकी प्रशासनिक पकड़ थी। कृषि, बागवानी, बिजली और जल संसाधन जैसे कठिन और संवेदनशील विभागों को संभालते हुए उन्होंने विकास और विवाद दोनों को नजदीक से जिया। जल संसाधन मंत्री के रूप में कृष्णा घाटी और कोकण सिंचाई परियोजनाओं से उनका नाम जुड़ा। इन परियोजनाओं ने जहां किसानों के लिए पानी और उम्मीद का संदेश दिया, वहीं आलोचनाओं और आरोपों का बोझ भी उनके कंधों पर रखा। इसके बावजूद वे उन नेताओं में रहे जो फाइलों से नहीं, फैसलों से पहचाने जाते थे।

उपमुख्यमंत्री के रूप में उनका सफर महाराष्ट्र की राजनीति में एक अनोखा अध्याय है। छह बार इस पद तक पहुंचना केवल राजनीतिक संयोग नहीं था, बल्कि सत्ता संतुलन, गठबंधन राजनीति और संगठनात्मक ताकत का परिणाम था। वे सरकार में अक्सर संकटमोचक की भूमिका में दिखे। बजट, वित्तीय प्रबंधन और संसदीय रणनीति में उनकी पकड़ ऐसी थी कि विरोधी भी उनके अनुभव को नजरअंदाज नहीं कर पाते थे। उन्हें महत्वाकांक्षी कहा गया, कभी-कभी कठोर और रूखे स्वभाव का नेता भी बताया गया, लेकिन यह भी सच है कि सत्ता की वास्तविकता को वे भावनाओं से नहीं, निर्णयों से देखते थे। विवाद उनके राजनीतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे। सिंचाई घोटाले से लेकर बयानबाजी तक, कई मौके ऐसे आए जब उनकी छवि पर प्रश्नचिह्न लगे। अगर बांध में पानी नहीं है तो क्या पेशाब करके भरें? जैसे बयान ने उन्हें आलोचनाओं के केंद्र में ला खड़ा किया। उन्होंने माफी भी मांगी, सफाई भी दी और समय के साथ उन विवादों से उबरते हुए फिर सत्ता के शीर्ष पर लौटे। यह उनकी राजनीतिक जिजीविषा का प्रमाण था कि आलोचना और आरोप उन्हें रोक नहीं पाए।

शरद पवार के साथ उनके रिश्ते को लेकर भी हमेशा चर्चाएं रहीं। कभी मतभेद, कभी दूरी और कभी सियासी अलग राह की अटकलें। लेकिन अजित पवार स्वयं को हमेशा शरद पवार का अनुयायी बताते रहे। उन्हें मिला दादा का संबोधन केवल पारिवारिक नहीं था, बल्कि वह एक राजनीतिक ब्रांड बन चुका था, जो उनके समर्थकों में भरोसे और नेतृत्व की भावना जगाता था। वे संगठनकर्ता भी थे और प्रशासक भी, रणनीतिकार भी और जमीनी नेता भी। उन्हें अपनी विविध आयामी भूमिकाओं से अपने को मिले 'दादा' के अलंकरण को सार्थक भी किया और जीवंतता भी दी। उनका असामयिक निधन एक क्रूर विडंबना है। जिस नेता ने दशकों तक सत्ता की उड़ान भरी, उसकी जीवन यात्रा एक विमान हादसे में थम गई। कहा जाता है कि दुर्घटना से कुछ समय पहले तक वे पूरी तरह सक्रिय थे, योजनाओं, बैठकों और राजनीतिक समीकरणों में व्यस्त। यह अचानक आई मृत्यु उस अनिश्चितता को रेखांकित करती है, जो सत्ता और जीवन दोनों के साथ जुड़ी है।

अजित पवार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व सफल राजनेता, समाज निर्माता, ग्राम-उद्धारक, सहकारी आन्दोलन पुरोधा, कुशल प्रशासक के रूप में अनेक छवि, अनेक रंग, अनेक रूप में उभरकर सामने आता हैं। आपके जीवन की दिशाएं विविध एवं बहुआयामी थीं। आपके जीवन की धारा एक दिशा में प्रवाहित नहीं हुई, बल्कि जीवन की विविध दिशाओं का स्पर्श किया। यही कारण है कि कोई भी महत्त्वपूर्ण क्षेत्र आपके जीवन से अछूता रहा हो, संभव नहीं लगता। आपके जीवन की खिड़कियाँ समाज एवं राष्ट्र को नई दृष्टि देने के लिए सदैव खुली रही। उनकी सहजता और सरलता में गोता लगाने से ज्ञात होता है कि वे राजनीतिक सरोकार से ओतप्रोत एक अल्हड़ एवं साहसिक व्यक्तित्व थे। बेशक अजित पवार अब इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन अपने जुझारु राजनीति जीवन के दम पर वे हमेशा भारतीय राजनीति एवं राष्ट्रवादी सोच के आसमान में एक सितारे की तरह टिमटिमाते रहेंगे।

आज जब महाराष्ट्र और देश उनके निधन पर शोकाकुल है, तब अजित पवार का मूल्यांकन केवल प्रशंसा या आलोचना के तराजू पर नहीं किया जा सकता। वे विवादों से घिरे रहे, लेकिन उनसे परिभाषित नहीं हुए। उनकी राजनीति कठोर थी, लेकिन उसमें अनुभव की गहराई थी। वे लोकप्रियता से अधिक प्रभाव में विश्वास रखते थे। शायद यही कारण है कि उनके जाने से महाराष्ट्र की राजनीति में एक ऐसा सन्नाटा है, जिसे शब्दों में बांधना कठिन है। अजित पवार का जीवन यह सिखाता है कि राजनीति केवल भाषणों और नारों से नहीं चलती, बल्कि निर्णय, जोखिम और जिम्मेदारी से चलती है। उनका जाना एक चेतावनी भी है और एक स्मृति भी, क्योंकि सत्ता क्षणभंगुर है, लेकिन अनुभव और प्रभाव लंबे समय तक याद किए जाते हैं। महाराष्ट्र की राजनीति में दादा के नाम से पहचाना जाने वाला यह व्यक्तित्व अब इतिहास का हिस्सा बन चुका है, लेकिन उसकी छाया आने वाले वर्षों तक राज्य की राजनीति पर बनी रहेगी।

-ललित गर्ग

शिकायत से सजा तकः झूठे आरोपों ने अफसरशाही में डर का माहौल कैसे बनाया

सरकार में 'आदतन शिकायतकर्ताओं' की एक नई श्रेणी उभरी है। यानी ऐसे लोग जो बार-बार शिकायत करते हैं। डिजिटल युग ने इस समस्या को और बढ़ा दिया है क्योंकि अब कुछ ही क्लिक्स में दर्जनों अधिकारियों को आसानी से शिकायत भेजी जा सकती है। ऐसा करने वाले व्हिसल ब्लोअर नहीं बल्कि वे लोग हैं जो वास्तविक व्हिसल ब्लोइंग की रक्षा के लिए बनाए गए तंत्र का दुरुपयोग करते हैं। बदला, नाराजगी, दबाव बनाने की इच्छा या शक्ति का गलत अहसास इन्हें प्रेरित करता है।

कई भीतरी लोग मसलन ऐसे परेशान अधीनस्थ जिन्हें पदोन्नति नहीं मिल सकी, अधिकारी जिनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई हुई, सेवानिवृत्त कर्मचारी या ठेके संबंधी निर्णयों से नाखुश वेंडर आदि इनमें शामिल होते हैं। उनका लक्ष्य जवाबदेही नहीं बल्कि संदेह पैदा करना और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना होता है। वे शिकायतों को हथियार की तरह इस्तेमाल करते हैं और एक अफसरशाह के उस स्वाभाविक डर का फायदा उठाते हैं कि कहीं निर्दोष होते हुए भी दोषी न समझ लिया जाए। वे उस व्यवस्था का दुरुपयोग करते हैं जो कई स्तरों की जांच और संतुलन पर आधारित है। इसमें आंतरिक पर्यवेक्षण तंत्र और बाहरी एजेंसियां जैसे केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी), केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और लोकपाल शामिल हैं।

जोखिम से बचने वाली अफसरशाही में कोई नहीं चाहता कि उसे शिकायत की अनदेखी करने का दोषी माना जाए। ऐसे में विवेक की जगह प्रक्रिया ले लेती है। किसी घोषित बदमाश शिकायतकर्ता के आरोपों को भी बहुत एहतियात से निपटाया जाता है। एक मामूली सा पत्र भी जांच की बाढ़ ला सकता है और प्रक्रिया अपने आप में सजा बन जाती है।

आदतन शिकायतकर्ता यह सीख चुके होते हैं कि व्यवस्थागत प्रक्रियाओं का फायदा कैसे उठाना है। वे पदानुक्रम को समझते हैं, समय की संवेदनशीलता को समझते हैं, खासतौर पर पदोन्नति या स्थानांतरण को लेकर। इस विरोधाभास की सबसे क्रूर बात यह है कि शिकायतकर्ता के पास गंवाने को कुछ नहीं होता है। झूठी शिकायत के लिए कोई जुर्माना नहीं लगता है।

इसके चलते कई ईमानदार अधिकारियों को गहरी पीड़ा से जूझना पड़ता है। एक बार शिकायत दर्ज हो जाने के बाद कोई भी अधिकारी तुरंत कठघरे में खड़ा कर दिया जाता है और खुद को निर्दोष करने का बोझ उस के सिर पर आ जाता है। शिकायतकर्ता को अपना आरोप साबित नहीं करना होता बल्कि जिसके विरुद्ध शिकायत की जाती है उसे खुद को निर्दोष साबित करना होता है। निराधार आरोपों का सामना करने वाले अधिकारी खुद को अपमानजनक सवालों का जवाब देते हुए पाते हैं। हर कदम समय लेता है, थकाता है और प्रतिष्ठा को क्षति पहुंचाता है।

इस पूरी लड़ाई में केवल सच ही उसका एकमात्र बचाव होता है। फिर भी केवल सत्य ही पर्याप्त नहीं होता है। यहां तक कि आखिरकार जब अधिकारी दोषमुक्त हो जाता है तब भी प्रक्रिया महीनों और कभी-कभी वर्षों तक चलती है। जब तक मामला समाप्त नहीं हो जाता है तब तक पदोन्नति, पदस्थापना या महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारियों जैसे अवसर निकल चुके होते हैं। अधिकारी पेशेवर और मानसिक, दोनों स्तरों पर परेशान होकर रह जाता है।

एक विकल्प यह है कि ऐसे आरोप लगाने वालों पर मानहानि का मामला डाला जाए और झूठ को खुलकर सामने लाया जाए। लेकिन जैसे ही कोई अधिकारी कानूनी कार्रवाई करता है, तो पहले आधारहीन फुसफुसाहट वाली वह बात सार्वजनिक चर्चा का विषय बन जाती है। दूसरी समस्या यह है कि मानहानि के मामले वर्षों तक चलते हैं। कई बार तो दशकों तक। जब तक फैसला आता है, शिकायत का उद्देश्य ही समाप्त हो चुका होता है। जवाबदेही सुशासन की बुनियाद है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सत्ताधारी लोग अपने कार्यों के लिए उत्तरदायी हों, पारदर्शिता रहे, और ईमानदारी सार्वजनिक जीवन की नींव बने। यह किसी भी व्यक्ति को, चाहे उसका पद या शक्ति कुछ भी हो, गलत कार्यों के खिलाफ आवाज उठाने की अनुमति देता है। निगरानी का भय व्यवस्था को ईमानदार बनाए रखता है।

खुलापन वांछित भी है और जरूरी भी लेकिन इसके छिपे हुए जोखिम भी हैं। हर बार जब कोई अधिकारी कड़ा, सैद्धांतिक निर्णय लेता है, विशेषकर ऐसा निर्णय जो स्थापित हितों को बाधित करता है, तो वह शिकायतों के प्रति असुरक्षित हो जाता है। परिणामस्वरूप, ईमानदार अधिकारी को लगातार संतुलन साधना पड़ता है कि वह अधिकार का प्रयोग करे और व्यक्तिगत हमलों का जोखिम उठाए, या फिर चुप रहे और अक्षमता या गलत काम को जारी रहने दे। यह व्यवस्था के भीतर एक खतरनाक व्यावहारिक बदलाव पैदा करता है। साहसिक सुधारों को आगे बढ़ाने या कठिन निर्णय लेने के बजाय अधिकारी सुरक्षित फैसलों को प्राथमिकता देने लगते हैं।

इसका असर यह होता है कि कुशलता और नैतिकता को सक्षम बनाने के बजाय सतर्कता ढांचा अनजाने में डरपोक रवैये को प्रोत्साहित करता है। यही असली विरोधाभास है। बेईमानों को अनुशासित करने के लिए बनी व्यवस्था ईमानदारों को हतोत्साहित कर देती है।

आदतन शिकायत करने वालों द्वारा दर्ज शिकायतों की तादाद और उनमें से कितनी सही निकलीं इसका सामान्य विश्लेषण बहुत कुछ बताता है। कुछ वर्ष पहले कई अधिकारियों को गुमनाम या छद्म नाम से की गई शिकायतों के कारण उत्पीड़न का सामना करना पड़ा था। केंद्रीय सतर्कता आयोग और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा ऐसी शिकायतों पर कोई कार्रवाई न करने का स्पष्ट निर्देश आने के बाद समस्या काफी हद तक हल हुई है। इसी प्रकार आदतन शिकायतकर्ताओं के मुद्दे को भी हल करने की आवश्यकता है।

इस चुनौती से निपटने के लिए कई सुधारों पर विचार किया जा सकता है। पहला, झूठी या गलत शिकायतों के लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए। तकनीक की मदद से आदतन शिकायत करने वालों को पहचाना जा सकता है। अधिकारियों से कहा जा सकता है कि बिना ठोस प्रमाण के कार्रवाई न करें। दूसरा, आचरण नियमों में स्पष्ट रूप से बार-बार की गई निराधार शिकायतों को कदाचार माना जाना चाहिए और ऐसा करने वालों के लिए दंड की व्यवस्था होनी चाहिए। नेतृत्व को विवेकपूर्ण निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाया जाना चाहिए, और वरिष्ठ अधिकारियों को आधारहीन मामलों को बंद करने के लिए समर्थन मिलना चाहिए।

-डॉ. सुधाकर आशावादी

जिले में ओलावृष्टि से खराब हुई फसलों का जायजा लेने कलेक्टर प्रभावित क्षेत्रों के खेतों में पहुंचे

पूरी पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ सर्वे कार्य कर सभी प्रभावित किसानों को मुआवजा दिया जायेगा - कलेक्टर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ओलावृष्टि से खराब हुई फसलों का जायजा लेने कलेक्टर ऋतुराज सिंह बुधवार को सोनकच्छ और हाटपीपल्या विधानसभा के प्रभावित गांवों के खेतों में पहुंचे। कलेक्टर सिंह ने सोनकच्छ विधानसभा के ग्राम पीरपाड़ल्या, मऊ एवं हाटपीपल्या विधानसभा क्षेत्र के ग्राम अमलाताज, बढ़ियामाण्डू, रम्मलखेड़ी, खजुरियाबिना का भ्रमण कर ओलावृष्टि के कारण हुए फसल नुकसान का अवलोकन किया। कलेक्टर सिंह ने ओलावृष्टि से हुए फसल नुकसान का अवलोकन कर राजस्व और कृषि विभाग के संयुक्त दल को फसल नुकसान का आंकलन करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिये कि कोई भी प्रभावित किसान मुआवजे के लिए छूटना नहीं चाहिए।

निरीक्षण के दौरान विधायक सोनकच्छ डॉ राजेश सोनकर, हाटपीपल्या विधायक मनोज चौधरी, बागली विधायक श्री मुरली भंवरा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, एसडीएम सोनकच्छ श्रीमती प्रिया चंद्रावत सहित राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर सिंह ने राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों से कहा कि सर्वे में कोई लापरवाही न हो, प्रत्येक प्रभावित किसान को राहत मिले। इसका विशेष ध्यान रखा जाए कि किसी भी प्रभावित किसान का खेत सर्वे से न छूटे। कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों को अपने क्षेत्र में सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिये कि राजस्व एवं कृषि विभाग के दल द्वारा प्रभावित फसल का सर्वेक्षण कर ड्रोन वीडियो और फोटो निकालें। दल द्वारा पंचनामा बनाकर प्रभावित किसान की जानकारी ग्राम पंचायत में चस्पा भी कराये। कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों के अवलोकन के दौरान किसानों से चर्चाकर उन्हें आश्वस्त किया है कि फसल नुकसान का पूरी पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ सर्वे कार्य कर आंकलन किया जाएगा। सभी प्रभावित किसानों को मुआवजा दिया जायेगा। सरकार आपके साथ खड़ी है, जैसे ही इस बात की सूचना मिली कि कल यहां पर काफी भारी बारिश और ओलावृष्टि हुई है तो तत्काल ही तहसीलदार को यहां पर सर्वे करने का निर्देश दिये गये। कलेक्टर सिंह ने कहा कि किसी भी प्रकार का प्राकृतिक हानि या आपदा होती है तो उसमें सरकार आप सभी के साथ खड़ी है और इसी के संबंध में कल रात को ही सर्वे करने के दिशा निर्देश दे दिये गये थे। आप सभी को मैं आश्वस्त करना चाहूंगा कि आप लोग चिंता ना करें। अच्छी तरीके से शीघ्र ही सर्वे पूरा करवाएंगे। सर्वे कराने के बाद उसकी पूरी सूची ग्राम पंचायत में यहां पर चस्पा भी की जाएगी और आप लोगों के देखने के लिए भी रहेगा कि आप लोगों कितना मुआवजा बन रहा है और जल्दी ही हम लोग आप लोगों को मुआवजा राशि उपलब्ध कराने के लिए पूरी तत्परता से काम करेंगे।

शाजापुर के मक्सी में श्री 108 कुंडिय बगलामुखी यज्ञ सफलतापूर्वक हुआ संपन्न

परमपूज्य सतगुरुदेव निखिलेश्वरानन्द जी एवं परमपूज्य सतगुरुदेव निर्भयानन्द जी के सानिध्य तले हुआ संपन्न

शाजापुर/ अनिल सिंह पुरबिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुप्त नवरात्रि के उपलक्ष्य में मक्सी में विगत नौ दिवस से निरंतर चले आ रहे श्री 108 कुंडिय बगलामुखी यज्ञ का सफलतापूर्वक पूर्ण आहुति के साथ संपन्न किया गया विगत नौ दिवसीय चले आ रहे यज्ञ में संपूर्ण नगर व देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया व विश्व शांति हेतु मां बगलामुखी से प्राथना की साथ है श्री 108 कुंडिया बगलामुखी यज्ञ को सफल बनाने में संपूर्ण मक्सी नगरवासियों ने भी अपनी अपनी तरफ से अहम योगदान प्रदान किया।

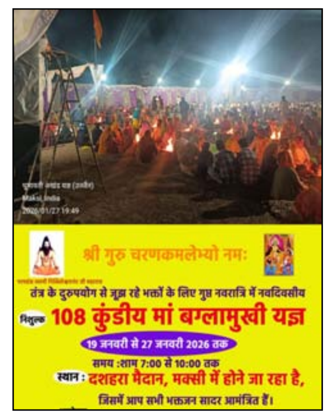

तंत्र बाधाओं से मुक्ति व जीवन में आ रही बाधाओं को दूर करने हेतु किया जाता है यज्ञ- मां बगलामुखी यज्ञ का अनुष्ठान मनुष्य अपने जीवन में आ रही तंत्र बाधाओं से छुटकारा पाने,शत्रु पर पूर्ण तरह से विजय प्राप्त करने शत्रु चाहे ज्ञात हो या अज्ञात,व्यापार क्षेत्र में उन्नति पाने,कष्ट निवारण तथा जीवन में आ रही किसी भी प्रकार की कठिनाइयों के निवारण हेतु श्री मां बगलामुखी यज्ञ का अनुष्ठान किया जाता है कहा जाता हे कि श्री बगलामुखी यज्ञ को करवाने से संपूर्ण बाधाओं पर पूर्ण तरह से मानव अपने जीवन में विजय प्राप्त कर सकता है।

दस महाविद्याओं में आठवां स्थान है मां बगलामुखी का कहा जाता है कि तंत्र साधनाओं में दस महाविद्याओं को सर्वश्रेष्ठ माना जाता है जिनके माध्यम से संपूर्ण संसार को संचालित किया जाता है और दसों महाविद्याओं में मां बगलामुखी को आठवां स्थान प्राप्त है जिनके आशीर्वाद मात्र से ही मनुष्य मात्र का कल्याण हो जाता है कई बार यह भी देखने में आया कि देश पर आई विपदा को भी मां बगलामुखी यज्ञ द्वारा ही समाप्त किया गया है उक्त कार्यक्रम का संचालन सिद्धाश्रम साधक परिवार के साधक श्री प्रयाग जी सक्सेना अखंड हवन भूखी माता मंदिर उज्जैन एवं अनुराग जी सक्सेना उज्जैन द्वार किया गया।

7 फरवरी से 7 मार्च तक होगा गेहूं का पंजीयन

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार गेहूँ उपार्जन के लिए किसान पंजीयन 07 फरवरी से दिनांक 07 मार्च 2026 तक किया जाएगा। किसान तहसील कार्यालय में स्थापित सुविधा केंद्र, ग्राम पंचायत में स्थापित सुविधा केंद्र, जनपद पंचायत में स्थापित सुविधा केंद्र, सहकारी समिति द्वारा संचालित पंजीयन केंद्र और एमपी किसान एप पर निशुल्क पंजीयन करा सकते है। इसके अलावा किसान लोक सेवा केंद्र, एमपी ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेंटर और साइबर कैफे पर 50 रुपये का अधिकतम शुल्क देकर पंजीयन करा सकते है। सिकमी, बटाईदार, कोटवार एवं वन पट्टाधारी किसान के पंजीयन की सुविधा केवल सहकारी समिति एवं सहकारी विपणन संस्था स्तर पर स्थापित पंजीयन केन्द्रों पर उपलब्ध होगी। इस श्रेणी के शत-प्रतिशत किसानों का सत्यापन राजस्व विभाग द्वारा किया जाएगा। किसान द्वारा समर्थन मूल्य पर विक्रय उपज का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर किसान के आधार लिंक बैंक खाते में किया जाएगा। किसान के आधार लिंक बैंक खाते में भुगतान करने में किसी कारण से समस्या उत्पन्न होने पर किसान द्वारा पंजीयन में उपलब्ध कराये गए बैंक खाते में किया जाएगा। किसान पंजीयन के समय किसान को बैंक खाता नंबर और इूस्नस्ष्ट कोड, की जानकारी उपलब्ध करानी होगी। जनधन, अक्रियाशील, संयुक्त बैंक खाते, फिनो, एयरटेल पेटीएम, एवं नाबालिग बैंक खाता पंजीयन में मान्य नहीं होगें। किसान अपने आधार नंबर से बैंक खाता और मोबाईल नंबर को लिंक कराकर उसे अपडेट रखें। वन पट्टाधारी एवं सिकमी काश्तकार को पंजीयन के समय दस्तावेजों के साथ-साथ अनुबंध अथवा पट्टे की प्रति उपलब्ध करानी होगी।

छोटे-छोटे फायदे देकर मोबाइल व्यापारी से ठग लिए 29 लाख

लालच में आकर व्यापारी ने गंवाई अपनी राशि, पुलिस से की कार्रवाई की मांग

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। आनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर आई एक लिंक पर क्लीक करना नगर के एक मोबाइल व्यापारी को भारी पड़ गया और इसकी कीमत उसे 29 लाख से भी अधिक की राशि गंवाकर चुकानी पड़ी। इसके लिए अब व्यापारी ने कोतवाली पुलिस को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने यह मामला साइबर सेल को सौंप दिया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

मोबाइल की दुकान चलाने वाले फरियादी व्यापारी राहुल गोठी (37) निवासी धोबी चौराहा ने पुलिस को बताया कि 5 जनवरी को वाट्सऐप पर दो अज्ञात नंबरों से एक लिंक मिला। इसमें खुद को ट्रस्ट क्वाइन नामक आनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफार्म का प्रतिनिधि बताया था। आरोपियों ने राहुल को इथिरियम ट्रेडिंग में अधिक मुनाफे का लालच देकर निवेश करने के लिए प्रेरित किया। पहले तो व्यापारी को आरोपियों ने थोड़ा-थोड़ा मुनाफा देकर उसका भरोसा जीता। इसके बाद यह राशि उनके बैंक खाते में भी ट्रांसफर की गई। इसके बाद फिर कंपनी के नाम से ठग रहे आरोपियों ने व्यापारी को झांसे में लेना शुरू किया और अलग-अलग चरणों में ट्रेडिंग और कमीशन के नाम पर उनसे यूपीआई, फोन-पे और आरटीजीएफ के जरिए विभिन्न बैंक खातों में रकम जमा करवाई गई। इसके लिए वे कभी कमीशन, कभी एडवांस चार्ज तो कभी बड़े अमाउंट की ट्रेडिंग के बहाने लगातार पैसे ट्रांसफर करवाते रहे।

97 लाख दिखाया मुनाफा, निकालने पर रोकी राशि- राहुल गोठी को उस समय अपने साथ हुई ठगी का एहसास हुआ। जब पांच दिनों की ट्रेडिंग के बाद उनके वालेट में 97 लाख रुपए से अधिक का मुनाफा दिखाया गया। लेकिन जब उन्होंने यह राशि निकालने का प्रयास किया, तो प्रक्रिया रोक दी गई। आरोपियों ने मुनाफा निकालने के लिए 25 प्रतिशत अतिरिक्त राशि जमा करने की शर्त रखी, जिसके बाद राहुल को ठगी का एहसास हुआ। इस पूरे घटनाक्रम में अज्ञात आरोपियों ने राहुल गोठी से कुल 29 लाख 49 हजार 476 रुपए की राशि अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करवा ली।

पुलिस ने किया मामला दर्ज, साइबर सेल कर रही जांच- पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर अज्ञात मोबाइल नंबरों और बैंक खातों के आधार पर प्रकरण दर्ज कर लिया है। मामले को साइबर सेल को सौंप दिया गया है और आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे आनलाइन ट्रेडिंग और मुनाफे के लालच में आकर किसी भी अज्ञात लिंक, ऐप या व्यक्ति पर भरोसा न करें।

जिला जेल देवास में किया गया विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवास अजय प्रकाश मिश्र के मार्गदर्शन में एवं रोहित श्रीवास्तव सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवास के निर्देशन में दिनांक 28.01.2026 को जिला जेल देवास, में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया । उक्त शिविर में माननीय अजय प्रकाश मिश्र,अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवास ने अपने उद्बोधन में उपस्थित बंदियों को उनके प्रकरण में अधिवक्ता न होने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवास से प्रकरण में पैरवी एवं अपील करने हेतु निःशुल्क अधिवक्ता प्रदान किये जाने की जानकारी दी साथ ही बंदियों को प्रेरित किया कि जेल में रहकर अपने बारे में चिंतन करें जिससे आप अपने को अच्छे माहौल में बदले जब भी आप जेल से बाहर जाए तो लोगो को लगे कि आप में एक अच्छा बदलाव आया है साथ ही मोटर व्हीकल एक्ट के अंतर्गत ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने वाहन का बीमा करवाने से संबंधित जानकारी देकर जागरूक किया। उक्त शिविर में रोहित श्रीवास्तव सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवास, जेल अधीक्षक जिला जेल देवास, स्टॉफ सहित, बंदीगण उपस्थित रहे।

प्रदेश सरकार किसानों के साथः भीमावद

ओलावृष्टि से प्रभावित हुई फसलों का निरीक्षण करने पहुंचे विधायक, किसानों को दिया आश्वासन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। विधायक अरूण भीमावद ने ओलावृष्टि से प्रभावित हुई फसलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने किसानों से चर्चा भी की और फसलों का निरीक्षण किया।

गौरतलब है मंगलवार को जिले भर में मावठे की बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। इस दौरान नींबू के आकार के ओले गिरे, जिससे नगर का मौसम पूरी तरह सर्द हो गया। वहीं खेतों में खड़ी फसलें भी जमीन पर लेट गई। किसानों की माने तो उन्हें काफी नुकसान हुआ है। जब यह जानकारी विधायक अरूण भीमावद को लगी वे प्रभावित फसलों का निरीक्षण करने के लिए गांव पहुंचे और किसानों के साथ उनके खेतों में पहुंचकर फसलों का निरीक्षण किया। इस दौरान विधायक ने ग्राम जलोदा, बरवाल, तुहेड़िया में खेतों में पहुंचकर फसलों की स्थिति देखी और काफी देर तक उन्होंने किसानों से चर्चा भी की।

प्रदेश सरकार किसानों के साथ- उन्होंने किसानों से चर्चा करते हुए कहा कि वास्तव में यह प्राकृतिक आपदा है। लेकिन आप लोग घबराएं नहीं। प्रदेश सरकार आप लोगों के साथ है। उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि किसी को नुकसान नहीं होने दिया जाएगा और हर संभव मदद की जाएगी। आप लोग चिंतित न हों।

पल-पल रंग बदलता रहा मौसम- बुधवार को भी मौसम का मिजाज बदलता रहा। सुबह तेज धूप खिली जिससे लोगों को सर्दी से कुछ देर तक राहत मिली। इसके कुछ देर बाद ही बर्फीली हवाएं चलने लगी जिससे मौसम फिर सर्द हो गया और लोगों को अलाव का सहारा लेना पड़ा। वहीं बदलते मौसम ने फिर किसानों की चिंता बढ़ा दी कि कहीं फिर ओलावृष्टि न हो जाए। लेकिन कुछ देर बाद फिर मौसम सामान्य हो गया। मौसम विभाग की माने तो बारिश की संभावना नहीं है, लेकिन मौसम सर्द बना रहेगा। इसके बाद मौसम सामान्य होगा और तापमान में वृद्धि होने लगेगी।

उल्लास व उत्साह से मनेगा पांच दिनी होली पर्व

होली उत्सव समिति ने धनसंग्रह अभियान का किया ''श्री गणेश''

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। पांच दिनी होली पर्व इस वर्ष भी धूमधाम से मनाया जाएगा। नगर में पांच दिनों तक रंगारंग पर्व ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। इसके लिए चंद्रशेखर आजाद होली उत्सव समिति द्वारा बुधवार को श्री गणेश आरती के साथ धनसंग्रह अभियान का का शुभारंभ किया गया।

नगर में पांच दिनी होली पर्व मनाए जाने की परंपरा है। इसके लिए हाल ही में होली उत्सव समिति का गठन किया गया। जिसमें संयोजक पं. गोविंद शर्मा, कोषाध्यक्ष रोहित विश्वकर्मा, सचिव अंकित अम्बावतिया व सह संयोजक जीत पारछे को मनोनीत किया गया। इसी के साथ होली पर्व की तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं। बुधवार को समिति सदस्यों सहित नगर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में मंगलनाथ महादेव मंदिर परिसर स्थित श्री गणेश मंदिर पहुंचे जहां सभी ने भगवान श्री गणेश का पूजन कर उनका आशीर्वाद लेकर धन संग्रह अभियान की शुरूआत की। इस अवसर पर सर्व हिन्दू उत्सव अध्यक्ष पं. आशीष नागर, समिति के मनीष सिसौदिया, गजेन्द्र सिकरवार, कैलाश मटोलिया, महासचिव मनीष सोनी, सत्या वात्रे, सचिव राजेश पारछे, सूचना संपर्क प्रमुख विष्णु गवली, विनोद जैन, दीपक निगम, अजयसिंह चंदेल, कमलेश अटेरिया, गोविंदा कुशवाह, विवेक दुबे, सतीश राठौर, सुनिल सिसौदिया, सोनू प्रजापति, विधान परिहार, दिलीप सिंदल, लवेश शर्मा, अशोक राठौर, अतुल पॉलीवाल, दुष्यंत सोनी, बालकृष्ण यादव, सुमित भावसार, जलज ठाकुर, महेश गवली, चिनेश गवली, सुभाष राठौर आदि उपस्थित थे।

मेरे ससुर व साले को मिले मौत की सजा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। एक युवक ने अपना वीडियो बनाकर वायरल किया है, जिसमें वह अपने ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें मौत की सजा देने की मांग कर रहा है। फिलहाल युवक की हालत गंभीर है, जिसे इंदौर रैफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार द्वारका कालोनी निवासी गौरव शर्मा ने बुधवार को मुरादपुर रोड पर जहर खाकर सुसाइड करने कोशिश की। जिसे प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रेफर कर दिया गया है। जहर खाने से पहले गौरव ने दो वीडियो रिकार्ड किए हैं, जिसमें उन्होंने अपनी इस स्थिति के लिए अपने ससुर और साले को जिम्मेदार ठहराया है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

प्रशासन व सीएम से मांगा न्याय- बुधवार दोपहर को जहर खाने से पहले गौरव शर्मा ने एक वीडियो जारी कर प्रशासन और मुख्यमंत्री से इंसाफ की गुहार लगाई। गौरव ने वीडियो में कहा कि मैं आज अपना जीवन समाप्त करने जा रहा हूं। मेरी इस स्थिति के लिए सिर्फ मेरे ससुर जिम्मेदार हैं, जिन्होंने मेरा घर-परिवार बर्बाद कर दिया। मेरे साले कपिल व्यास ने भी कभी नहीं चाहा कि किसी का घर बसे। पति-पत्नी के आपसी झगड़े में ससुर ने इतनी राजनीति की कि मेरा जीवन बर्बाद हो गया। प्रशासन से अनुरोध है कि मेरे ससुर और साले को सजा-ए-मौत दी जाए।

ससुराल पक्ष से चल रहा था विवाद- पुलिस से मिली जानकारी के अनुसारघटना के पीछे ससुराल पक्ष से चल रहा पुराना विवाद है। कोतवाली थाना प्रभारी संतोष वाघेला ने बताया कि गौरव और उनके ससुराल पक्ष के बीच पहले से ही तनातनी चल रही थी। युवक की पत्नी ने उस पर पहले मारपीट की शिकायत दर्ज कराई थी। वहीं गौरव शर्मा ने भी अपने ससुर और साले के खिलाफ थाने में आवेदन दिया। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों के विवाद की फाइल पहले से खुली हुई थी।

कृषि विभाग द्वारा किसानों को फसलों की सुरक्षा एवं सतर्कता की सलाह

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। विगत एक सप्ताह से मौसम में परिवर्तन होने के कारण रबी मौसम की प्रमुख फसलें गेहूँ एवं चना फसल में रोग व कीटो के प्रकोप की पूरी संभावना बनी हुई है। विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान जिले के विभिन्न ग्रामों में कृषि विकास विभाग के मैदानी अमले एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा कृषकों के खेतों का भ्रमण करके फसलों में आने वाली समस्याओं से रूबरू कराते हुये उनके बेहतर उपायों से कृषको को अवगत कराया जा रहा है। उप संचालक कृषि एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक द्वारा बताया गया कि चना फसल वर्तमान समय में पुष्पन, फलन वाली अवस्था पर है। इस अवस्था में मौसम में परिवर्तन जैसे दिन में न्यूनतम तापमान, हल्की बारिश होने के कारण पौधों में प्रकाश संश्लेषण की क्रिया सुचारू रूप से न होने के कारण चना फसल में पुष्पन प्रभावित होने के साथ-साथ फसल के पुष्प भी पीले पडकर सूख रहे है। जिसके चलते फसल में आर्थिक नुकसान होने की पूरी संभावना है और साथ ही फसल में चने की सुण्डी इल्ली के साथ-साथ उकटा व जड-सडन रोग के प्रकोप के कारण भी फसल सूख रही है। किसान भाईयो को सलाह है कि चना फसल की सुरक्षा के लिए इमामेक्टिन बेन्जोएट + प्रोफेनोफास 200 ग्राम/एकड या क्लोरोइन्ट्रानिलीप्रोल + लेम्ब्डासाइलोथ्रिन 80 मिली/एकड के साथ फ्लूपायराक्साइड + पायरोक्लोरोस्ट्रोबिन 150 मिली/एकड या एजोक्सीस्ट्रोबिन + टेबूकोनोजोल 150 मिली/एकड के साथ एनःपीःके 19¬19¬19, 1 किग्रा/ एकड से 150 लीटर पानी में घोल बनाकर छिडकाव करे। उप संचालक कृषि ने बताया कि जिले की मुख्य फसल गेहूँ में भी वर्तमान समय में जड-माहू कीट व कठुआ इल्ली का प्रकोप प्रारम्भिक अवस्था से ही फसल पर बना हुआ है।

बदलते मौसम में निमोनिया से बचाव एवं उपचार की दी सलाह

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। पिछले एक सप्ताह से मौसम में बदलाव के कारण बच्चों में निमोनिया के लक्षणों की पहचान एवं उसके उपचार एवं प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य विभाग ने आम जनों को सलाह दी है कि निमोनिया के आकलन, निमोनिया का वर्गीकरण, खतरनाक लक्षणों के चिन्हों की पहचान, समुदाय आधारित निमोनिया का प्रबंधन, उपचार एवं रेफरल के संबंध में मैदानी कार्यकर्ताओं को जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि बदलते मौसम में बच्चों को निमोनिया के लक्षणों की पहचान एवं एसके उपचार एवं प्रबंधन के लिए विभाग तैयार है। जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की एएनएम को निमोनिया के संबंध जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि सर्दी के मौसम में बच्चों में निमोनिया के केसेस ज्यादा पाए जाते हैं। इसे देखते हुए मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को अवगत किया गया है। जिससे कि वह अपने क्षेत्र में निमोनिया के लक्षण वाले बच्चों की शीघ्र पहचान कर शीघ्र प्रबंधन कर सकें।

कलेक्टर कार्यालय पहुंचे हिंदू जागरण मंच ने किया प्रर्दशन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्ट्रेट कार्यालय में बुधवार को हिंदू जागरण युवा मंच के कार्यकर्ता और पदाधिकारी शासकीय भूमि से अवैध अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन शाजापुर एडीएम बीएस सोलंकी और डिप्टी कलेक्टर नेहा गंगारे को सौंपा। इस दौरान कलेक्टर कार्यालय परिसर में भारी संख्या में पुलिस बल को भी तैनात किया गया।

जब कार्यकर्ता ज्ञापन सौंपने पहुंचे तो कार्यालय परिसर में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। सुरक्षा कारणों से कलेक्ट्रेट कार्यालय के मुख्य द्वार पर ताला लगाकर प्रवेश बंद कर दिया गया, जिससे कार्यकर्ताओं में नाराजगी फैल गई। ज्ञापन लेने पहुंची डिप्टी कलेक्टर नेहा गंगारे से कहा कि आपने गेट पर ताला क्यों लगाया है हम अंदर ही ज्ञापन देंगे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने गेट तोड़ने की चेतावनी देते हुए कलेक्ट्रेट परिसर में ही ज्ञापन देने की बात कही। उसके बाद डिप्टी कलेक्टर वापस चली गई। स्थिति बिगड़ती देख एडीएम मौके पर पहुंचे और कार्यकर्ताओं को समझाइश देकर अंदर प्रवेश दिलाया गया, जिसके बाद शांतिपूर्वक ज्ञापन सौंपा गया।

कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन में ग्राम पंचायत लसुल्डिया जगमाल, तहसील मोहन बडोदिया के अंतर्गत ग्राम पिपलिया नौलाया स्थित शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 333, 333/5, 335, 336 और 337 पर अवैध अतिक्रमण का आरोप लगाया गया है। उक्त भूमि पर भू-माफियाओं द्वारा लंबे समय से कब्जा किया गया है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि यहां आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के साथ-साथ बाहरी घुसपैठियों की मौजूदगी है। इन लोगों द्वारा अवैध और देश-विरोधी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, जिससे आसपास के गांवों और दुपाड़ा मेन रोड से गुजरने वाले राहगीरों की सुरक्षा पर खतरा बना हुआ है।

मशीनों पर लहराया तिरंगा, इंदौर ने रचा इतिहास

बिरला टायर्स- संपूर्ण एक्सपोर्ट्स की राष्ट्रप्रेरित सहभागिता के साथ निकली देश की अनूठी तिरंगा यात्रा

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर इंदौर ने देशभक्ति, श्रम-सम्मान और औद्योगिक सहभागिता का ऐसा अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसने इसे राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना दिया। यदि मध्य प्रदेश को भारत का हृदय कहा जाता है, तो इंदौर ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि वह उस हृदय की सबसे सशक्त और अग्रणी धड़कन है।

इस ऐतिहासिक अवसर पर इंदौर की सड़कों पर बैकहो लोडर (बुलडोज़र) मशीनों की भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई, जिसमें राष्ट्रनिर्माण के अनदेखे नायकों–मशीन ऑपरेटरों और श्रमिकों–को सम्मानित किया गया।

इस राष्ट्रप्रेरित आयोजन को बिरला टायर्स एवं उसके अधिकृत वितरक संपूर्ण एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का सशक्त और प्रेरक सहयोग प्राप्त हुआ, जिसने इस यात्रा को और भी गरिमा प्रदान की।

जहाँ मशीनें बनीं राष्ट्रभक्ति की पहचान- जब विशाल मशीनों पर लहराता तिरंगा इंदौर की सड़कों से गुज़रा, तो यह दृश्य केवल शक्ति का नहीं, बल्कि श्रम, तकनीक और राष्ट्रप्रेम के संगम का प्रतीक बन गया।

इन मशीनों को संचालित करने वाले कर्मयोगी वे लोग हैं, जिनके भरोसे शहर की सड़कें, इमारतें और आधारभूत संरचनाएँ आकार लेती हैं।

इस यात्रा ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि देशभक्ति केवल मंचों से नहीं, बल्कि निर्माण स्थलों से भी जन्म लेती है।

इंदौर अर्थमूवर संघ की पहल, बिरला टायर्सङ्कसंपूर्ण एक्सपोर्ट्स का संबल- इस ऐतिहासिक आयोजन की संकल्पना इंदौर अर्थमूवर संघ द्वारा की गई थी।

प्रारंभिक रूप से 101 मशीनों की योजना बनाई गई थी, किंतु जब इस पहल को बिरला टायर्स एवं संपूर्ण एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन मिला, तो उत्साह कई गुना बढ़ गया। परिणामस्वरूप 151 बैकहो लोडर मशीनें तिरंगे के साथ इंदौर की सड़कों पर उतरीं और एक ऐतिहासिक दृश्य साकार हुआ।

बिरला टायर्स की प्रदर्शनी- गुणवत्ता, भरोसा और राष्ट्रनिर्माण- इस तिरंगा यात्रा के साथ-साथ बिरला टायर्स के तत्वावधान में संपूर्ण एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एक विशेष टायर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जो पूरे आयोजन का प्रमुख आकर्षण रही।

प्रदर्शनी में बिरला टायर्स की संपूर्ण और आधुनिक रेंज प्रदर्शित की गई, जो विशेष रूप से हैवी मशीनरी, अर्थमूविंग इक्विपमेंट और कठिन परिस्थितियों में कार्य करने के लिए डिज़ाइन की गई है।

मशीन ऑपरेटरों और मालिकों को टायरों की मजबूती, टिकाऊपन, बेहतर ग्रिप, लंबी लाइफ और तकनीकी विशेषताओं की विस्तार से जानकारी दी गई।

महापौर ने सराहा बिरला टायर्स की भूमिका- इस आयोजन में मुख्य अतिथि इंदौर महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने न केवल तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाई, बल्कि बिरला टायर्स स्टॉल का अवलोकन भी किया।

उन्होंने बिरला टायर्स की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और राष्ट्रनिर्माण में उपयोगिता की प्रशंसा करते हुए कहा कि–

इस प्रकार के आयोजनों में जब गुणवत्ता और राष्ट्रभावना एक साथ जुड़ती है, तो उसका प्रभाव समाज पर लंबे समय तक रहता है। बिरला टायर्स जैसे ब्रांड देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

संपूर्ण एक्सपोर्ट्स- उद्योग और समाज के बीच सेतु संपूर्ण एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ने इस आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाते हुए यह सिद्ध किया कि उद्योग केवल व्यापार तक सीमित नहीं होता, बल्कि उसका दायित्व समाज और राष्ट्र के प्रति भी होता है।

कंपनी की टीम ने पूरे आयोजन के दौरान ऑपरेटरों और मशीन मालिकों से संवाद कर उन्हें सही टायर चयन, सुरक्षा और कार्यक्षमता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान कीं।

यह सहभागिता कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व का एक सशक्त उदाहरण बनकर सामने आई।

जनसैलाब और उत्साह तिरंगा यात्रा को देखने के लिए इंदौर की सड़कों पर भारी संख्या में नागरिक एकत्रित हुए जहाँ एक ओर मशीनों पर लहराता तिरंगा गर्व का विषय बना, वहीं बिरला टायर्स प्रदर्शनी ने उद्योग और राष्ट्रनिर्माण के बीच मजबूत संबंध को रेखांकित किया।

देशभक्ति का नया आयाम मशीनों पर लहराता तिरंगा यह संदेश देता है कि भारत का निर्माण केवल योजनाओं से नहीं, बल्कि मजबूत मशीनों, भरोसेमंद तकनीक और उन्हें संचालित करने वाले कर्मयोगियों से होता है।

इंदौर अर्थमूवर संघ, श्री विशाल जायसवाल, बिरला टायर्स, संपूर्ण एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, मशीन मालिकों, ऑपरेटरों और नागरिकों ने मिलकर यह सिद्ध कर दिया कि– जब उद्योग, श्रम और समाज एक साथ आते हैं, तब राष्ट्रनिर्माण एक भव्य आंदोलन बन जाता है। रैली का समापन पितृ पर्वत पर हुआ जहां एक्सीलेंस अवार्ड से श्री विशाल जी को नवाजा गया।

तीर्थ यात्रियों का ग्राम वासियों द्वारा जोरदार स्वागत

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देपालपुर नगर के समीप स्थित ग्राम मुंडला मे तीर्थ यात्रा कर लोटे यात्रीयौ का ग्राम वासियों ने जोरदार स्वागत किया,ग्राम वासियो ने तीर्थ यात्रियों को बग्गी में बिठा कर शिव मंदिर से गांव घुमाया। विशेषकर बच्चों में दिखा उत्साह दादाजी नानाजी के आने पर आनानद और। यश राज ने नानाजी का स्वागत और तन्मय सोनारतीया,अतीकक्ष पार्थ ने दादाजी को फूल माला पहनाकर स्वागत किया।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में 77वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया

आगर मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पीएम श्री विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुआ, तत्पश्चात राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। छात्रों ने भाषण, देशभक्ति गीत, नृत्य एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से देशप्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं संविधान के मूल्यों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के दौरान शैक्षणिक, खेलकूद एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय स्तर के साथ-साथ बाह्य प्रतियोगिताओं में उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का भी उत्साहवर्धन किया गया।

विद्यालय के प्राचार्य अखिलेश कुमार पाठक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने संविधान के प्रति सम्मान, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

कार्यक्रम का समापन देशभक्ति के संदेश और उत्साहपूर्ण वातावरण के साथ किया गया।

संभागायुक्त ने एसडीएम कोर्ट झाबुआ एवं तहसील कोर्ट झाबुआ का किया निरीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने एसडीएम कोर्ट झाबुआ एवं तहसील कोर्ट झाबुआ का निरीक्षण कर न्यायालयों में प्रचलित विभिन्न राजस्व प्रकरणों की प्रगति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने न्यायालयीन कार्यों की प्रक्रिया, प्रकरणों की स्थिति एवं उनके निराकरण की प्रगति का बारीकी से अवलोकन किया।

संभागायुक्त ने राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी मामलों का त्वरित, समयबद्ध एवं पारदर्शी निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि न्यायालयों में प्रकरणों के अनावश्यक लंबित रहने से आमजन को असुविधा होती है, अतः प्रत्येक प्रकरण का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाना आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त ने एसडीएम कोर्ट एवं तहसील कोर्ट में आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज सीमांकन, बंटवारा एवं नामांतरण से संबंधित लंबित राजस्व प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि पोर्टल पर दर्ज सभी प्रकरणों का नियमानुसार, गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समय-सीमा में निराकरण किया जाए। डॉ. खाड़े ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप राजस्व न्यायालयों की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं नागरिक हितैषी बनाया जाना आवश्यक है। आमजन से जुड़े प्रकरणों में संवेदनशीलता रखते हुए समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए, जिससे नागरिकों को समय पर न्याय मिल सके और अनावश्यक विलंब से बचा जा सके। इस दौरान कलेक्टर नेहा मीना, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद सुश्री तनुश्री मीणा, सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री भास्कर गाचले एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जन चेतना युवा मंडल द्वारा एक शाम देश के नाम सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जन चेतना युवा मंडल तिलगारा के तत्वावधान में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर पिपली चौक बस स्टैंड पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम ÷एक शाम देश के नाम÷ एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में तिलगारा सहित आसपास के गांवों के नन्हे बालक-बालिकाओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

यह आयोजन मंडल का 26वां वर्ष रहा। इस अवसर पर गांव के प्रतिभाशाली बालक-बालिकाओं को मंच से सम्मानित किया गया, जिससे बच्चों में उत्साह और आत्मविश्वास का संचार हुआ।

कार्यक्रम में विशाल हिंदू सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर सीतानंद गिरी, श्री श्री 108 महंत सुरेशानंद महाराज (शनि धाम अमला), मार्शल आर्ट प्रशिक्षक बलवंत सिंह देवड़ा, डॉ. भवरलाल चौधरी, भूमि विकास बैंक के पूर्व अध्यक्ष महेंद्र सिंह शक्तावत, विशाल हिंदू सेवा प्रदेश अध्यक्ष मोहन बेकड़ा, वरिष्ठ पत्रकार बद्रीलाल जाट, विशाल हिंदू सेना संगठन जिला अध्यक्ष कुशाल शर्मा, जिला महामंत्री ऋषभ जाट, जिला मीडिया प्रभारी अभय पाल, कृष्णा जायसवाल, राहुल जायसवाल सहित अनेक गणमान्य अतिथि मंचासीन रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके पश्चात मंडल अध्यक्ष राजेश चौहान, सचिव महेश पटेल एवं खुशी चौहान द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। मंडल के संस्थापक एवं अध्यक्ष राजेश चौहान ने अपने संबोधन में बताया कि जन चेतना युवा मंडल पिछले 25 वर्षों से निरंतर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में देशभक्ति, संस्कृति और प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने का कार्य कर रहा है, और यह आयोजन उसी परंपरा का 26वां वर्ष है।

नामकरण की मूलव्त्सल्य है, इसे सोच समझ कर करें - गोरांगी गोरी जी

श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस 21 कन्याओं के नि:शुल्क विवाह समारोह में माताजी पूजन, मंडप, मेहंदी एवं माताजी पूजन कार्यक्रम धूमधाम से मनाया

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रीमद्भागवत कथा समिति द्वारा सुप्रसिद्ध अन्तराष्ट्रीय कथावाचक वृन्दावनवासी परम पूज्य श्रीगोरांगी गौरी जी महाराज के मुखारबिंद से स्थानीय नया बसस्टेंड स्थित मैदान में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस का विशेष आकर्षण नन्द महोत्सव, श्रीकृष्ण बाललीला, एवं गोवर्धन पूजन रहा देवीजी ने माह के पावन मास में जी की दिव्यमयी वाणी में आयोजित सप्तदिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस का शुभारंभ अत्यंत मधुर ÷राधे कृष्ण संकीर्तन÷ के साथ किया गया जिससे सम्पूर्ण प्रांगण राधामयी हो उठा । भगवत कथा के समय स्वयं श्रीकृष्ण आपसे मिलने आते हैं। जो भी इस भागवत के तट पर आकर विराजमान हो जाता है, भागवत उसका सदैव कल्याण करती है।

आगे कथा में कृष्ण जी की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान कृष्ण का रंग बारिश वाले मेघों के समान हैं। उनकी मुस्कान हजारों कामदेवों को हराने वाली हैं। जो कोई उनके बालरूप का दर्शन करता है उन्हें अपना ही भान नहीं रहता। जब भगवान जीवन मे आते हैं तो आनंद ही हो जाता है प्रभु स्वयं सच्चिदानंद हैं ।भगवान की प्रत्येक लीलाओं का आध्यात्मिक दृष्टि कोंण भी है। माखन चोरी लीला के माध्यम से प्रभु चित्त को चुराते हैं। चीर हरण लीला यानि जब हम भगवान की भक्ति करते हैं तो भगवान हमारे अवगुणों को हर लेते हैं। कथा में पूतना वध की कथा का वृतांत बताते हुए कहा कि हम सभी पूतना के समान ही हैं जो बाहर से तो आडम्बरी अच्छा वेष धारण करतीं हैं लेकिन मन मे छल, कपट ईर्ष्या भरी पड़ी है। इसलिये जो हैं वही बनकर हरि के समक्ष जाएं वे आपके सभी दुगुणों और कष्टों को हर लेंगें । भगवान की माया अत्यंत प्रबल है इसने बड़े से बड़े संतो, देवताओं की मति हर ली है। तो हमारा इस माया बन्धन से बचना बिल्कुल भी आसान नहीं है। लेकिन अगर हम हर समय प्रभु को भजते हैं और एक सेवक की भांति ही माया उपभोग करते हुए श्रीहरि को ही हर चीज का क्रेंद् मानते हैं तो हम माया के बन्धनों से मुक्त हो सकते हैं। जिस प्रकार एक कच्चा नारियल आवरण से चिपका रहता है और आवरण तोड़ने पर वह भी टूट जाता है लेकिन पक्का नारियल आवरण के अंदर होते हुए को स्वयं को अलग लगता है उसी प्रकार हमे भी संसार मे पक्के नारियल की तरह रहकर ही स्वयम को माया, दुर्गुणों से दूर रखना चाहिए। इंसान को चिंता नहीं बल्कि चिंतन करना चाहिए । देवी जी ने बताया कि जीवन में किसी न किसी का भय होना अत्यंत जरूरी है क्योंकि भय के कारण हम गलत कार्यों से बच जाते हैं। रावण और कंस अत्यंत बलवान थे लेकिन जीवन में किसी का भय नहीं था जिसके कारण उनकी ये दुर्गति हुई।

भोजन का महत्त्व बताते हुवे दीदी जी ने बताया की भोजन का जुड़ाव सीधा मन से होता है; पढने वाले बच्चो को भोजन पर विशेष ध्यान देना चाहिए उन्हें जंक फ़ूड, पेस्टी, पिज़्ज़ा और चाइनिस भोजन का त्याग करना चाहिए द्व तामसी भोजन करने से दिमाग गर्म रहता है लड़ाई झगडे के लिए मन करता है, ये इंसान मन को शांत करना चाहता है तो अल्प और सात्विक आहार लेना चाहिए, इंसान किसी भी व्यक्ति से महत्वपूर्ण बात करने के लिए हमेशा भोजन पर आमंत्रित करता है द्व हल का मतलब समाधान होता है और बलराम जी हलधर है संसार में आये प्रत्येक मनुष्य के जीवन में कठिनाई और अपार समस्या और दुखो से भरा है परन्तु हर समस्या का हल प्रथम श्रीमद्भागवत कथा और उन्हें आपको श्रवण कराने वाले गुरु (कथावाचक) के पास हर समस्या का हल मिल जाता है उसी तरह बलराम जी भी गुरु के भाति व्यवहार करते है द्व क्रोध आना चाहिए परन्तु हितकारी के लिए क्रोध आवशयक बताया गया है क्रोध नहीं आएगा तो निश्चित ही बदलाव नहीं आएगा क्रोध अच्छे कार्य के लिए आवश्यक है।

दीदी जी ने समिति के सरक्षक एवं विधायक डॉ सतीश मालवीय एवं संयोजक सचिन पाटनी सहित समस्त कथा समिति के प्रत्येक सदस्य के प्रति बड़े ही भाव विभौर शब्दों में धन्यवाद किया और कहा की निःस्वार्थ भाव से समिति के सदस्य यह वृहत स्वरूप में पावन पुनीत कार्य कर रहे है ऐसी शिक्षा अगर सम्पुर्व भारतवर्ष में हर नगरवासियों को लेना चाहिए, कथा के माध्यम से ज्ञान की गंगा, और सनातन धर्म के प्रचार के साथ निर्धन परिवार को जोड़ने का कार्य अपने आप में बहुत बड़ा पूण्य का कार्य है।

समिति द्वारा नगर एवं क्षेत्र की निर्धन कन्याओं के निःशुल्क विवाह समारोह में इस वर्ष इक्कीस कन्याओं के निःशुल्क विवाह समारोह बुधवार को कन्याओं के माताजी पूजन के कार्यक्रम से प्रारम्भ हुवा, नगर के प्रमुख मार्गो से 21 कन्याओं का माताजी पूजन बेंड बाजो के साथ कथा पांडाल में पहुचा द्य बुधवार को कथा विश्राम के पश्चात सांयकाल में मंडप, मेहंदी तथा रात्रिकालीन समय में महिला संगीत का कार्यक्रम का आयोजन पांडाल में कथा समिति द्वारा किया गया कथा प्रांगण में 21 मंडप बनाये गए अथिति सत्कार एवं विवाह समिति प्रभारी अश्विन मारू ने बताया की कन्यादान में आमजनमानस द्वारा बढ़ चढ़ कर दान दिया जा रहा है कन्याओं के धर्म के माता पिता के बनने का सिलसिला जारी है द्व गुरूवार को कथा में ठाकुरजी को छप्पनभोग लगाया जिसका लाभ सत्यनारायण शिवनारायण मेहता गोंटू, बंटू पोरवाल, ईश्वर रामनिवास मेहता परिवार ने लिया, मंगलवार को केवटप्रसंग मंगलयात्रा के साथ नगर एवं क्षेत्र की 21 कन्याओं का निःशुल्क विवाह समारोह का आयोजन में बारात आगमन के साथ मंगल फेरे तथा कन्याओं का विवाह कथा पांडाल में संपन्न होगा।

मंगलवार को रुक्मणी विवाह के लाभार्थी रामसिंह जी सिद्धू जी सोलंकी परिवार है द्य कथा में श्रीकृष्णजी की बारात का लाभ रामचंद्र जी गणपत जी सुनेरी परिवार ने लिया व्यास पीठ की आरती का लाभ क्षेत्र के विधायक और समिति के सरक्षक डॉ सतीश मालवीय, महंत महावीर नाथ गादीपति ऋग्रमुक्तेश्वर भर्तहरी गुफा उज्जैन के साथ के साथ मंडल अध्यक्ष राजकुमार जैन, विकास जायसवाल, मयूर जैन, पवन सांकला, उमेश जाट, श्याम मोडावत, हाकम सिंह खलाना, मंडल अध्यक्ष विक्रम आंजना राजपूत करणी सेना पोरवाल समाज ट्रस्ट मंडल, पोरवाल यूवा संघटन मनकामनेश्वर महिला मंडल, भूतेश्वर महादेव महिला मंडल ने लिया।

संभागायुक्त का कलेक्टर कार्यालय में पीएम श्री कन्या उमावि बैंड दल द्वारा स्वागत

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े का बुधवार को कलेक्टर कार्यालय झाबुआ में आगमन पर गरिमामय स्वागत किया गया। इस अवसर पर पीएम श्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के बैण्ड द्वारा विधिवत एवं सुसंस्कृत स्वागत प्रस्तुत किया गया। बैण्ड वादन में छात्राओं के अनुशासन, आत्मविश्वास एवं उत्कृष्ट प्रस्तुति को देखकर संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा उनकी सराहना की। उक्त अवसर पर कलेक्टर नेहा मीना विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

इस दौरान संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा पीएम श्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की पत्रिका का विमोचन किया गया। उन्होंने पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं, शैक्षणिक एवं सह-पाठ्य गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए इसे विद्यार्थियों की सृजनात्मक क्षमता एवं सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सराहनीय प्रयास बताया। कलेक्टर नेहा मीना ने भी विद्यालय परिवार एवं छात्राओं को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं। इसके पश्चात कलेक्टर कार्यालय परिसर स्थित लाड़ली लक्ष्मी वाटिका में संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, कलेक्टर नेहा मीना एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, हरियाली संवर्धन एवं सतत विकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अधिक से अधिक पौधारोपण एवं उनके संरक्षण का संदेश दिया गया। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान, अपर कलेक्टर श्री सी एस सोलंकी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद सुश्री तनुश्री मीणा, सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार, संयुक्त कलेक्टर श्री अक्षयसिंह मरकाम, समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मारुति विधालय मे हुए सास्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

नागदा जर्नालिस्ट क्लब ने की सहभागिता

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मारुति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिरला ग्राम नागदा में 27 जनवरी को बडे हर्ष ओर उल्लास के साथ सास्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन आयोजित हुआ ।

मारुति विद्यालय के बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये जिसमें नागदा जर्नलिस्ट क्लब के पदाधिकारियों एव सदस्यो को बतोर अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया सभी जर्नलिस्ट क्लब के अतिथि पदाधिकारियों द्वारा मां सरस्वती पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया स्कूल के सस्थापक संचालक चेतन यादव सहित अध्यापक एव अतिथियों के कर कमलो के द्वारा सभी बच्चों को पुरस्कार भी दिए गए, जिसमें परीक्षा में अच्छे अंक लाने व खेल कूद, रस्सी कूद, मेंहदी, डांस, सफाई, व कई प्रतिभाओं को सम्मानित कर, मेडल ,मोमेंटो, व अन्य सामग्री दे कर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार कैलाश संनोलिया, अध्यक्ष मांगीलाल पोरवाल, सचिव दीपक जैन,जितेंद्र चोहान,दिनेश सोलंकी, डॉ,राहुल शर्मा,परवेज अजीज खान, मीडिया प्रभारी जीवनलाल जैन-(चाय वाले) संजय शर्मा, आदि मौजूद रहे।

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने नवनिर्मित सेंट्रल लाइब्रेरी का निरीक्षण किया

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने आज देर शाम जिला मुख्यालय स्थित नवनिर्मित सेंट्रल लाइब्रेरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लाइब्रेरी की आकर्षक बनावट, सुव्यवस्थित संरचना एवं उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं का अवलोकन किया।

संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने लाइब्रेरी के निर्माण एवं व्यवस्थापन हेतु कलेक्टर नेहा मीना द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। साथ ही उन्होंने लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री द्वारा डिजाइन एवं निर्माण कार्य में की गई गुणवत्ता पूर्ण कार्यप्रणाली की भी प्रशंसा की।

निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने लाइब्रेरी के सुचारु संचालन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लाइब्रेरी का संचालन निर्धारित समय-सारणी के अनुसार किया जाए, जिससे विद्यार्थियों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं एवं आम नागरिकों को अधिकतम लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि लाइब्रेरी परिसर में ही आवश्यक रूप से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग का संचालन किया जाए, ताकि जिले के युवाओं को बेहतर मार्गदर्शन एवं अध्ययन की सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सके।

इसके अतिरिक्त उन्होंने प्रथम तल पर दिव्यांगजनों के सुगमता से न पहुँच पाने की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए दिव्यांगजनों हेतु ग्राउंड फ्लोर पर ही आवश्यक अध्ययन एवं पठन-पाठन संबंधी व्यवस्थाएं सुनिश्चित किए जाने का सुझाव दिया।

इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्रसिंह चौहान, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद सुश्री तनुश्री मीणा, सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री भास्कर गाचले, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती सुप्रिया बिसेन एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, उज्जैन (म.प्र.)

//नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना//

क्रमांक: सम्पत्तिकर/2025/ उज्जैन, दिनांक : 28.01.2026

सर्व सम्बन्धितों को सूचित किया जाता है कि, मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अंतर्गत सम्पत्तिकर झोन कार्यालय, नगर पालिक निगम उज्जैन में नामांकन हेतु आवेदन पत्र प्राप्त हुए है, जिनका विवरण निम्नानुसार है :-

झोन क्र.	वार्ड क्र.	प्र.क्र.	सम्बन्धित सम्पत्ति का पूर्ण पता (जिसका नामांकन होना है)	सम्पत्ति स्वामी का नाम	आवेदक का नाम, जिसका नामांकन होना है	नामांकन का आधार
02	4	1	732 EWS, अतिरिक्त विश्व बैंक कालोनी उज्जैन	महेश सोलंकी पिता रमेशचन्द्र सोलंकी	1 महेश कुशवाह पिता धनपाल सिंह कुशवाह 2 श्रीमती भागवंती कुशवाह पति महेश कुशवाह	विक्रय पत्र
02	22	2	3 कार्तिक चौक चन्द्रशेखर आजाद मार्ग गली क्र. 4 उज्जैन	श्री बालकृष्ण नगर पिता श्री पुरुषोत्तम जी नगर	अतुल नागर पिता बालकृष्ण नागर	दान पत्र
02	4	3	A E - 10, गिरीराज रतन से ए कालोनी उज्जैन	नटराज ग्रह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित प्रतिक यादव स्व श्री आजाद यादव	श्रीमति ममता पति श्री गणेश रावल	विक्रय पत्र
02	20	4	65, सती मार्ग उज्जैन	भूपेन्द्र कुमार पिता स्व माधव प्रसाद शास्त्री	1 श्रीमती नर्मदा रत्नाकर पति रघुनंदन रत्नाकर 2 विशाल रत्नाकर 3 दीपक 4 चेतन पुत्रगण रघुनंदन रत्नाकर	शपथ पत्र मृत्यु पत्र विक्रय पत्र
02	4	5	595, तिरुपति धाम एक्सटेंशन कालोनी उज्जैन	1 हिमांशु सिंह सेंगर पिता शिवपालसिंह जी राजपूत 2 अमन सिंह सेंगर पिता शिवपालसिंह जी राजपूत	सविता श्रीवास्तव पति विनोद श्रीवास्तव	विक्रय पत्र
02	4	6	M - 539 MIG अतिरिक्त विश्व बैंक कालोनी उज्जैन	लेसी फाजिल अहमद पिता अशफाक एहमद	श्रीमती कोशल्या पटेल पति राजू पटेल	विक्रय पत्र, पट्टाभिलेख
02	22	7	25/9, सिद्ध सेन मार्ग उज्जैन	अब्दुल हमीद, कल्लू पिता अब्दुल रजाक	अमजद शेख पिता अब्दुल हमीद	विक्रय पत्र
02	21	8	92/A/1, जवाहर मार्ग उज्जैन	गीता बाई पति शिवनारायण जोशी	कृष्णनारायण जोशी पिता स्व. शिवनारायण जोशी	शपथ पत्र मृत्यु पत्र
02	19	9	187/2, अंकपात मार्ग उज्जैन	तानमल अग्रवाल पिता स्व मखखनलाल हरभजनका	1 अजय कुमार 2 अनुप अग्रवाल 3 अमित अग्रवाल पुत्रगण स्व. तानमल अग्रवाल	शपथ पत्र मृत्यु पत्र, वसीयतनामा
02	4	10	201, तिरुपति एवेन्यू कालोनी उज्जैन	श्रीमती शारदा बाई पति जगदीशव वर्मा	कपिल राठौर पिता भोलाराम राठौर	विक्रय पत्र
02	6	11	सर्वे क्र. 1020/2 का भाग, गाँधी नगर कालोनी आगर रोड उज्जैन	काबिज अब्दुल वहीद पिता अब्दुल गनी	1 अब्दुल गफ्फार पिता सरदार खान 2 इस्तिकर खान सरदार खान	विक्रय पत्र
02	4	12	296, का दक्षिण दिशा भाग तिरुपति धाम कालोनी उज्जैन	श्रीमती रेखा बाई पति कमलेश मंत्री	श्रीमती राजा बाई पति बाबूलाल	विक्रय पत्र
02	4	13	9/1, राजेन्द्र नगर अशोक मंडी मार्ग उज्जैन	1 किशनलाल पिता शिवलिया जी 2 श्रीमती मुन्नी बाई पति किशनलाल जी	1 इन्द्रजीत जाटवा 2 राजेश जाटवा 3 महेश जाटवा 4 प्रेमलता जाटवा 5 आशा जाटवा पुत्रगण/पुत्रिया स्व किशनलाल जाटवा	शपथ पत्र मृत्यु पत्र,
02	4	14	38,39 व 40, 41 सर्वे क्र. 1604/2/1 में का भाग प्रजापत नगर कालोनी उज्जैन	गोपाल प्रजापति पिता बाबूलाल प्रजापति	अशोक शर्मा पिता भैरुलाल शर्मा	विक्रय पत्र
02	16	15	सर्वे क्र. 1366, 1368, 1369 ,1371, 1373/2 का भाग भुवनेश्वर कालोनी उज्जैन	श्री गोविन्द पिता स्व. राजमल खण्डेलवाल	सुरेश बाथम पिता केशवलाल बाथम	शपथ पत्र मृत्यु पत्र, वसीयतनामा
02	4	16	231, पद्मावती एवेन्यू कालोनी उज्जैन	श्रीमती रुचिता जैन पति हिमांशु जैन	1 श्रीमती राधा परमार पति जगदीश परमार 2 जगदीश परमार पिता पर्वतलाल परमार	विक्रय पत्र
02	20	17	55/1, 55/2, 56/1 प्र. क्र. 111 पंडित मदनलाल शर्मा मार्ग उज्जैन	ऋषभ जैन पिता दिनेश जैन	सुमित्रा पति बाबूलाल प्रजापत	विक्रय पत्र
02	4	18	B - 320, गिरीराज रतन से बी कालोनी उज्जैन	श्री राधेरतन डेव्हलपर्स प्रतिक पिता स्व आजाद यादव	श्रीमती सीमा पति विकास प्रजापति	विक्रय पत्र
02	4	19	48 EWS, अतिरिक्त विश्व बैंक कालोनी उज्जैन	श्री राजू पटेल श्री रामसिंह पटेल	1 श्री राहुल देवड़ा पिता भैरुलाल 2 श्रीमती पलक देवडा पति श्री राहुल देवड़ा	विक्रय पत्र
02	4	20	158 का उत्तर दिशा भाग तिरुपति धाम कालोनी उज्जैन	श्रीमती सुशीला बाई पति श्री राजकुमार जी चंद्रवंशी	1 श्री हेमराज पिता श्री ओमप्रकाश जी 2 श्रीमती मीना जयसवाल पति श्री हेमराज जी	विक्रय पत्र
02	4	21	594 EWS I अतिरिक्त विश्व बैंक कालोनी उज्जैन	एम पी हाउसिंग एव अधोसंरचना विकास मण्डल उज्जैन श्री निर्मल कुमार गुप्ता पिता श्री पांचीलाल जी व सुनीता पति मोहनलाल परमार	श्रीमती रुकमणी बाई पति श्री नन्दकिशोर	विक्रय पत्र पट्टाभिलेख
02	4	22	166, नागेश्वर धाम कालोनी उज्जैन	1 श्री दीपक पिता स्व श्री हरिओम जी शर्मा 2 श्रीमती भावना पिता स्व श्री हरीओम जी शर्मा 3 श्री विवेक पिता स्व श्री हरीओम जी शर्मा	श्री हरिराम जाट पिता श्री जयराम जाट	विक्रय पत्र
02	4	23	425, का दक्षिण दिशा भाग तिरुपति धाम एक्सटेंशन कालोनी उज्जैन	1 श्री संजय पिता सवर्गीय श्री राधेश्याम पाठक 2 श्री सचिन पिता सवर्गीय श्री राधेश्याम पाठक 3 श्रीमती सुधा उपाध्याय पुत्री सवर्गीय श्री राधेश्याम पाठक पति श्री उपेन्द्र जी उपाध्याय 4 श्री निलेश पिता सवर्गीय श्री राधेश्याम पाठक	श्रीमती स्वाती मकवाना पिता श्री नागेश्वर मकवाना	विक्रय पत्र
02	20	24	10, अंकपात मार्ग गली क्र. 1 उज्जैन	श्रीमती हेमलता पति श्री जीतेन्द्र जी अहेरवाल	श्रीमती चन्दा शर्मा पति श्री गोपाल शर्मा	विक्रय पत्र
02	16	25	सर्वे क्र.1114/2 में का भाग भुवेनश्वर कॉलोनी नगर कोट माता मंदिर के पास उज्जैन	श्रीमती रतन बाई पति स्व श्री प्रतापसिंह बैस	श्रीमती सोमी बाई पति श्री जमनालाल जी	विक्रय पत्र
02	4	26	51/1, वर्धमान नगर कालोनी उज्जैन	श्रीमती मीना पिता श्री मोहनलाल जी परमार	श्री परमजीत सिंह डंग पिता श्री गुरुचंरण सिंह	विक्रय पत्र
02	7	27	62 का उत्तर दिशा भाग वीर नगर, ईदगाह के पास उज्जैन	श्री मनोज पिता श्री नारायण जी मोडक	श्री रोहित कुमार पिता श्री विजय कुमार तिवारी	विक्रय पत्र
02	4	28	A - 681, गिरीराज रतन से ए कालोनी उज्जैन	नटराज ग्रह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादितश्री प्रतिक यादव पिता स्व श्री आजाद यादव	1 श्री दीपक खत्री पिता श्री मनोहरलाल 2 श्रीमती काजल खत्री पति श्री दीपक	विक्रय पत्र
03	25	01	8/7/2,द्रविड़ मार्ग गली क्र 05	1.लक्ष्मीनारायण 2.जमना बाई जयेश आदि	रजनी वर्मा पति रेखा वर्मा	विक्रय पत्र
03	32	02	67/3, महाकाल मार्ग `	मो.रफीक पिता गरीब मो.	अफसाना बी पति मो.रफीक	विक्रय पत्र
03	32	03	67,का भाग महाकाल मार्ग	मो.अजीज पिता गरीब मो.	रेहाना बी पति मो.अजीज	दानपत्र
03	30	04	70/1,हरीफाटक महाकाल योजना मार्ग	कनीज बी पति अब्दुल अजीज खा	नूर बानो उर्फ नूरजहा पति सुल्तान बेग	विक्रय पत्र
03	26	05	174/1,तिलक मार्ग	तन्मय चौधरी पिता मोहन चौधरी	माया बाई पति अशोक राव	विक्रय पत्र
03	33	06	79,चौबीस खम्बा मार्ग	1.बाबूलाल 2.अनिल 3.हेमंद्र 4.जगदीश पुत्रगण नन्द किशोर आचार्य	हेमंत कुमार आचार्य पिता नन्द किशोर	हकत्याग पत्र
03	33	07	38/16,चौबीस खम्बा मार्ग	राजेंद्र प्रसाद पिता जमना प्रसाद पाठक	ज्योति नागर पिता मनीष नागर	विक्रय पत्र
03	32	08	56/1,महाकाल मार्ग पथ क्र 01	अब्दुल गनी पिता सुलेमान	मो.रफीक पिता अब्दुल गनी	शपथ पत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र /वसीयत पत्र
03	32	09	56,महाकाल मार्ग पथ क्र 01	बतुल बी पति अब्दुल गनी	मो.रफीक पिता अब्दुल गनी	शपथ पत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र /वसीयत पत्र
03	26	10	104/2,महारानी लक्ष्मी बाई मार्ग	प्रकाश पिता विमलचंद जैन	1.शब्बीर हुसैन 2.शकीना बाई पति स्व.अकबर अली3.ईब्राहिम 4.फ़ातेमा ,सारा पुत्रिया /पुत्रगण स्व.अकबर अली	शपथ पत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र
03	33	11	03/A,चौबीस खम्बा मार्ग गली क्र 07	मनीष शर्मा पिता जगदीश शर्मा	राम शर्मा पिता तेजनारायण	विक्रय पत्र
03	33	12	03/B,चौबीस खम्बा मार्ग गली क्र 07	ओमप्रकाश उर्फ ओमनारायण शर्मा पिता शिवनारायण	राम शर्मा पिता तेजनारायण शर्मा	विक्रय पत्र
03	33	13	20,राजाभाऊ महाकाल मार्ग	1.मनीष शर्मा पिता जगदीश शर्मा 2.अनीता शर्मा पति राजकुमार शर्मा	1.राम शर्मा पिता तेजनारायण शर्मा 2.भारत शर्मा पिता कृष्ण शर्मा	विक्रय पत्र
03	23	14	61/1,दादा भाई नौरोजी मार्ग	1.मुस्तफा लड्डावालापिता 2.हुसैन लड्डावाला पुत्रगण / मोहसिन अली लड्डावाला	1.सैफुद्दीन पिता इब्राहीम भाई 2.जैनब पति शब्बीर हुसैन	विक्रय पत्र
03	23	15	22/1,श्री पाल मार्ग गली क्र.3	1.दिलीप कुमार पंड्या 2.प्रदीप कुमार पंड्या पुत्रगण सुरेश नारायण पंड्या	वर्षा पंड्या पति आश्विन कुमार	विक्रय पत्र
03	23	16	9/2,शंकराचार्य मार्ग	1.राधेश्याम पिता बद्रीलाल 2.शशिकला पति राधेश्याम	1.वरुण बत्ता पिता अरविन्द बत्ता 2.मोनिका बत्ता पति अरविन्द कुमार बत्ता 3.अरविन्द कुमार पिता हरिप्रकाश बत्ता	विक्रय पत्र
03	28	17	38,तिलक मार्ग	बबली पति अशोक खत्री आदि	1.बबली खत्री पति अशोक खत्री 2.विनायक खत्री 3.वैभव खत्री पुत्रगण अशोक खत्री	हकत्याग पत्र
03	23	18	15,15/अ,15/2/1, व 15/2/2 फ्लेट क्र.205 श्री पाल मार्ग	काबिज 1.ईशा सहगल पति विपुल सहगल 2. विपुल सहगल पुत्रगण ओमप्रकाश सहगल	1.ईशा सहगल पति विपुल सहगल 2. विपुल सहगल पुत्रगण ओमप्रकाश सहगल	विक्रय पत्र
03	31	19	3,अहिल्या बाई मार्ग गली क्र 05	शेहनाज कुरैशी पति सादिक कुरैशी	अकरम खान पिता मरहूम नबाब	विक्रय पत्र
03	23	20	53,54,एवं 06 जबाहर मार्ग	1.मुरलीधर पिता चतुर्भुज 2.बद्रीनारायण पिता रामचंद्र 3.शंकरलाल पिता किशन	राजेश पिता स्व. लोकनाथ पंड्या	शपथपत्र/मृत्यु प्रमाण पत्र /पंजीकृत वसीयतनामा /विक्रय पत्र

अतः उक्त नामांकन के संबंध में यदि किसी को आपत्ति हो तो नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के भीतर लिखित में मय अभिलेख/प्रमाण के साथ अपनी आपत्ति संबंधित झोन के प्रभारी सहायक सम्पत्तिकर अधिकारी को प्रस्तुत करें, नियत अवधी के पश्चात् कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी।

नोटः- उक्त नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना निगम की वेबसाईट http://nagarnigamujjain.org/ पर भी देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त (सम्पत्तिकर)
नगर पालिक निगम, उज्जैन
उज्जैन, दिनांक : 28.01.2026

झाबुआ के पारंपरिक स्वागत से अभिभूत हुए इंदौर संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े संकल्प से समाधान अभियानः घर-घर पहुँचकर आवेदनों का निराकरण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े बुधवार को झाबुआ प्रवास के दौरान संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत ग्राम पंचायत भगोर में आयोजित शिविर में शामिल हुए। शिविर में कलेक्टर नेहा मीना विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

ग्राम भगोर में संभागायुक्त का स्वागत ढोल-मांदल की थाप पर सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत कर रहे नृत्य दल द्वारा किया गया। शिविर का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर संभागायुक्त का जिले की सांस्कृतिक परंपरा के अनुरूप झुलड़ी पहनाकर एवं साफा बांधकर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि जिले में प्राप्त हुआ पारंपरिक एवं आत्मीय स्वागत अत्यंत सराहनीय है, जो झाबुआ की समृद्ध एवं जीवंत सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान एक अभिनव पहल है, जिसके माध्यम से शासन-प्रशासन स्वयं नागरिकों के द्वार तक पहुँचकर उनकी समस्याओं का समाधान कर रहा है। अब नागरिकों को अपनी समस्याओं के लिए भटकने की आवश्यकता नहीं है। अभियान के अंतर्गत घर-घर जाकर आवेदन एकत्र किए जा रहे हैं तथा शत-प्रतिशत निराकरण के लिए प्रभावी व्यवस्थाएँ की गई हैं। यदि कोई आवेदन छूट जाता है, तो 15 फरवरी के बाद क्लस्टर स्तरीय शिविरों के माध्यम से उसका भी निराकरण किया जाएगा।

संभागायुक्त ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से 106 सेवाओं का लाभ आमजन को मिल रहा है, जो एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक आवेदन प्राप्त कर अभियान का लाभ व्यापक स्तर पर पहुँचाया जाए।

भगोर क्षेत्र में सिकल सेल के 12 रोगियों की जानकारी मिलने पर उन्होंने अभियान के अंतर्गत शत-प्रतिशत सिकल सेल स्क्रीनिंग सुनिश्चित करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में इसके प्रति व्यापक जन-जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विवाह से पूर्व सिकल सेल जांच कराना अत्यंत आवश्यक है, ताकि भावी पीढ़ी को इस गंभीर बीमारी से बचाया जा सके।

अपने उद्बोधन के अंत में संभागायुक्त ने युवाओं से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में संकल्प से समाधान अभियान से जुड़ें, जिससे स्वस्थ, जागरूक एवं सशक्त समाज का निर्माण हो सके।

कलेक्टर नेहा मीना ने कहा कि इंदौर संभागायुक्त का जिले में आगमन एवं अभियान में सहभागिता झाबुआ के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने बताया कि अभियान अंतर्गत 106 सेवाएँ उपलब्ध हैं। जिसका समय समय पर निराकरण किया जा रहा हैं। शेष आवेदनों के समाधान हेतु 15 फरवरी के बाद शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने माताओं-बहनों एवं वरिष्ठ नागरिकों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं के समाधान हेतु अभियान का अधिक से अधिक लाभ लें तथा संबंधित आवेदन अनिवार्य रूप से सौंपें। उन्होंने कड़कनाथ पालन से संबंधित आवेदन भी अनिवार्य रूप से देने का आग्रह किया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि जिले की 375 ग्राम पंचायतों एवं 5 नगरीय निकायों में संकल्प से समाधान अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है।

अभियान के अंतर्गत अब तक 17 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त किए जा चुके हैं।

संकल्प से समाधान के तहत पानसेमल में क्लस्टर अनुश्रवण शिविरों से संवर रहा ग्रामीणों का भविष्य

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत पानसेमल की 39 ग्राम पंचायतों में क्लस्टर अनुश्रवण शिविरों (ष्ट्स्नञ्ज) का आयोजन किया गया। इन शिविरों के माध्यम से संकल्प के समाधान के अंतर्गत विभिन्न सेवाओं, योजनाओ,समस्याओं एवं शिकायतों का निराकरण कर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुँचाना और लंबित प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित करना है। राजस्व प्रकरणों और दस्तावेजीकरण में मिली बड़ी राहत अभियान के दौरान ग्राम पंचायत मोरतलाई में राजस्व प्रकरणों का त्वरित निराकरण करते हुए हितग्राही श्रीमती सायकाबाई को मृतक नामांतरण के पश्चात बी-1 (खतौनी) की प्रतियां मौके पर ही प्रदान की गईं। इसी प्रकार, ग्राम दोदवाड़ा में अनुविभागीय अधिकारी श्री रमेश सिसोदिया की उपस्थिति में 15 किसानों को खसरा बी-1 की नकल दी गई, जबकि ग्राम भड़गोन में श्री आत्माराम नागोजी को ऋण पुस्तिका (बही) वितरित की गई। पेंशन और सामाजिक सुरक्षा का दिया गया लाभ शिविरों में सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए ग्राम नांदियाबाड में श्री भावला को वृद्धावस्था पेंशन और श्री रिकेश को दिव्यांग पेंशन के स्वीकृति प्रमाण पत्र तत्काल बनाकर सौंपे गए। दोदवाड़ा में 18 बुजुर्गों का ई-केवाईसी पूर्ण कर उन्हें आगामी माह से पेंशन प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त किया गया। विशेष प्रयास के तहत श्री दंगल जी का स्वास्थ्य विभाग से समन्वय कर न्क्प्क् कार्ड बनवाया गया, जिससे उनकी रुकी हुई पेंशन पुनः प्रारंभ हो सकेगी। तकनीकी नवाचार और महिला सशक्तिकरण ग्राम पंचायत पन्नाली में अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए फेस रिकग्नीशन के माध्यम से फार्मर आईडी बनाई गई।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

उज्जैन में 70 हजार बच्चों की अब तक नहीं बनी अपार आईडी, शिक्षा विभाग का ध्यान नहीं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। डिजिटल इंडिया के दावों के बीच उज्जैन जिले में शिक्षा विभाग की लापरवाही सामने आई है। जिले के करीब 70 हजार विद्यार्थी अब तक डिजिटल शैक्षणिक पहचान से वंचित हैं। हैरानी की बात यह है कि प्रक्रिया पिछले एक साल से चल रही है, इसके बावजूद लक्ष्य अधूरा है।

उल्लेखनीय है कि उज्जैन जिले में 4 लाख 2 हजार 816 विद्यार्थियों की अपार आईडी बनाई जाना थी। इनमें से अब तक केवल 3 लाख 30 हजार 866

विद्यार्थियों की ही आईडी जनरेट हो सकी है। यानी करीब 70 हजार से ज्यादा विद्यार्थी अब भी डिजिटल पहचान से दूर हैं। हैरानी की बात यह है कि प्रक्रिया पिछले एक साल से चल रही है, इसके बावजूद लक्ष्य अधूरा है। जिले में 2667 शासकीय और अशासकीय स्कूल संचालित हैं, जहां प्रत्येक छात्र का डिजिटल शैक्षणिक रिकॉर्ड तैयार किया जाना था, लेकिन जमीनी स्तर पर न स्थिति इसके उलट नजर आ रही है। ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्रेशन यानी

अपार अभियान की रफ्तार इतनी धीमी है कि पूरा सिस्टम अधर में लटक गया है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए तय लक्ष्य के मुकाबले अब तक सिर्फ 80 फीसदी विद्यार्थियों की ही अपार आईडी बनी है, जबकि शेष हजारों छात्र ऑनलाइन अपडेट सिस्टम से बाहर हैं। यह स्थिति न केवल शिक्षा विभाग की

कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है, बल्कि भविष्य में विद्यार्थियों के शैक्षणिक अधिकारों पर भी असर डाल सकती है।

हजारों बच्चे नॉट अप्लाई श्रेणी में- आंकड़े बताते हैं कि बड़ी संख्या में विद्यार्थियों न के लिए अब तक आवेदन तक नहीं किया गया है। हजारों छात्र नॉट अप्लाई श्रेणी में दर्ज हैं, जबकि कई आवेदन डाटा मिसमैच और तकनीकी खामियों के कारण निरस्त हो चुके हैं। आधार कार्ड और स्कूल रिकॉर्ड में नाम, जन्मतिथि या स्पेलिंग के अंतर के चलते प्रक्रिया अटक रही है। स्कूल स्तर पर समय रहते सुधार और मार्गदर्शन नहीं मिलने से अभिभावक और विद्यार्थी दोनों असमंजस में हैं। यह स्थिति जागरूकता की कमी तो दर्शाती ही है साथ ही स्कूल प्रबंधन और शिक्षा विभाग की लापरवाही की ओर इशारा करती है।

इसलिए जरूरी अपार आईडी - अपार आईडी को छात्रों के भविष्य से जोड़ा गया है। आधार कार्ड की तर्ज पर यह 12 अंकों की स्थायी डिजिटल पहचान होगी, जिसमें छात्र का पूरा शैक्षणिक रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा। एक क्लिक पर स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक की जानकारी देखी जा सकेगी। भविष्य में स्कॉलरशिप, छात्रवृत्ति, ट्रांसफर सर्टिफिकेट, डिजिटल मार्कशीट और अन्य शैक्षणिक सेवाएं इसी आईडी से लिंक होंगी। ऐसे में जो विद्यार्थी इस सिस्टम से बाहर हैं, वे आगे चलकर सरकारी योजनाओं और सुविधाओं से वंचित रह सकते हैं। इसलिए हर बच्चे की अपार आईडी बनना जरूरी हैं।

कलेक्टर श्री सिंह के मार्गदर्शन में बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक सम्पन्न

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में श्रम विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, आईटीआई कॉलेज, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष और सदस्यगण, रोजगार विभाग, विशेष किशोर पुलिस इकाई, महिला सेल, शासकीय संस्थाओं बाल गृह, शासकीय बालिका गृह, शासकीय संप्रेक्षण गृह, शासकीय वन स्टॉप सेंटर, अशासकीय संस्थाओं मातृछाया शिशु गृह, अशासकीय बाल गृह / बालिका गृह सेवाधाम एवं आईसीपीएस, महिला एवं बाल विकास से अधिकारी/ कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री ब्रजेश त्रिपाठी से प्राप्त जानकारी अनुसार कलेक्टर श्री सिंह के निर्देशानुसार सभी संस्थाओं के अधीक्षकों के लिए एवं आईसीपीएस टीम के लिए जे जे एक्ट एवं नियम निर्देशों के अधीन बच्चों के सर्वोत्तम हित को सुनिश्चित किया जाने के लिए निर्देशित किया गया। बैठक में सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास श्रीमती रीना शर्मा एवं सहायक संचालक महिला एवं विकास श्री टीसी मेहरा द्वारा बैठक में बच्चों के कल्याण और संरक्षण के लिए आवश्यक कदम उठाने और उनकी सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण के लिए संचालित योजनाओ स्पॉन्सरशिप योजना, आफ्टरकेयर योजना, फॉस्टर केयर योजना, पी.एम. केयर योजना, मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना की समीक्षा की गई।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के मुख्य आतिथ्य में तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रेयांश कूमट के मुख्य आतिथ्य में तीन दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 28 जनवरी से किया। मप्र राज्य ग्रामीण आजीविक मिशन अंतर्गत गठित स्व सहायता समूह सदस्यो के माध्यम से संचालित सुगमता महिला फॉर्मर प्रॉड्यूसर कंपनी एवं सहयोगी संस्था एफडब्यूडब्यूबी द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र जिला उज्जैन में आलू की फसल मे समस्या, समाधान एवं कृषि के नवीन यंत्रों पर 3 दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त प्रशिक्षण में स्व सहायता समूह सदस्यों को आलू की फसल में आने वाले समस्या उनके बचाव एवं आलू से बनाए जाने वाले उत्पादों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है साथ ही कृषि के आधुनिक यंत्रों की प्रदर्शनी एवं उनके उपयोग पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कुमट द्वारा स्व सहायता समूह सदस्यो को आजीविका के विभिन्न पहलुओं एवं कृषि से आय बढ़ाने के लिए आलू प्रसंस्करण कर विभिन्न उत्पाद बनाए के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में म प्र राज्य ग्रामीण आजीविक मिशन के डीपीएम श्री अमित ब्रिजवानी, यंग प्रोफेशनल श्री विनोद भीमावद, कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख डॉ ए के दीक्षित, डॉ रेखा तिवारी, डॉ सविता सिंह, डॉ मोनी सिंह एवं समस्त वैज्ञानिकगण, संस्था के कार्यक्रम अधिकारी श्री जितेंद्र सिंह परमार आदी।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कूमट के मुख्य आतिथ्य में तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रेयांश कूमट के मुख्य आतिथ्य में तीन दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 28 जनवरी से किया। मप्र राज्य ग्रामीण आजीविक मिशन अंतर्गत गठित स्व सहायता समूह सदस्यो के माध्यम से संचालित सुगमता महिला फॉर्मर प्रॉड्यूसर कंपनी एवं सहयोगी संस्था एफडब्यूडब्यूबी द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र जिला उज्जैन में आलू की फसल मे समस्या, समाधान एवं कृषि के नवीन यंत्रों पर 3 दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उक्त प्रशिक्षण में स्व सहायता समूह सदस्यों को आलू की फसल में आने वाले समस्या उनके बचाव एवं आलू से बनाए जाने वाले उत्पादों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है साथ ही कृषि के आधुनिक यंत्रों की प्रदर्शनी एवं उनके उपयोग पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कुमट द्वारा स्व सहायता समूह सदस्यो को आजीविका के विभिन्न पहलुओं एवं कृषि से आय बढ़ाने के लिए आलू प्रसंस्करण कर विभिन्न उत्पाद बनाए के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम में म प्र राज्य ग्रामीण आजीविक मिशन के डीपीएम श्री अमित ब्रिजवानी, यंग प्रोफेशनल श्री विनोद भीमावद, कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख डॉ ए के दीक्षित, डॉ रेखा तिवारी, डॉ सविता सिंह, डॉ मोनी सिंह एवं समस्त वैज्ञानिकगण, संस्था के कार्यक्रम अधिकारी श्री जितेंद्र सिंह परमार आदी।

इंदौर ग्रीन फील्ड के अधिग्रहण के विरोध में बड़े आंदोलन की तैयारी

प्रभावित किसानों ने लिया निर्णय, मुआवजा ऊंचा और हाई-वे नीचा हो

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रस्तावित उज्जैन-इंदौर ग्रीन फील्ड, उज्जैन-जावरा रोड प्रभावित किसानों ने बडे आंदोलन की तैयारी शुरू की है। उज्जैन को इंदौर और जावरा से जोड़ने के लिए बनाए गए करीब 7 हजार करोड़ की दो ग्रीन फील्ड सड़कों का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। दोनों सड़कों से प्रभावित उज्जैन, इंदौर और रतलाम जिले के 90 गांव के किसानों ने अब बड़े आंदोलन की तैयार कर ली। सभी 25 फरवरी से उज्जैन में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने की योजना बना ली है।

आंदोलन को लेकर उज्जैन-इंदौर ग्रीन फील्ड प्रभावित गांवों के किसानों की बैठक हुई। इसमें किसानों ने आरपार की लड़ाई की योजना बना ली। उज्जैन और इंदौर जिले की किसानों की इस संयुक्त मीटिंग में आगामी 25 फरवरी से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। प्रदर्शन उज्जैन कलेक्टोरेट परिसर में होगा। बैठक में निर्णय लिया कि आरपार की इस लड़ाई में उज्जैन-इंदौर ग्रीन फील्ड रोड के 28 गाँवों के साथ ही उज्जैन-जावरा रोड प्रभावित 62 गाँव के किसानों ने भी शामिल होने की सहमति दे दी है। यानी उज्जैन जिले के किसानों के साथ इस आंदोलन में उक्त दोनों ग्रीन फील्ड सड़कों से प्रभावित इंदौर व रतलाम जिले के गांव के किसान भी शामिल होंगे। शहर को इंदौर और जावरा से जोड़ने के लिए दो ग्रीन फील्ड एक्सिस कंट्रोल रोड बनाए जाना है। जिले को इंदौर से जोड़ने वाले ग्रीन फील्ड से उज्जैन के 7 और इंदौर जिले के 21 गांव प्रभावित होंगे। वहीं उज्जैन-जावरा ग्रीन फील्ड से उज्जैन के 49 और रतलाम जिले के 13 गांव प्रभावित हो रहे हैं। दोनों हाई-वे में कुल 56 गांव प्रभावित होंगे। चांदमुख निवासी नरेंद्र आंजना और हासामपुरा निवासी राजेश सोलंकी ने बताया प्रभावित किसानों की सिर्फ दो ही मांगें हैं। जमीन का भाव (मुआवजा) ऊंचा और हाई-वे नीचा हो। आगामी 25 फरवरी को उज्जैन कलेक्टोरेट के पास सभी प्रभावित किसान संयुक्त रूप से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगे। दोनों ग्रीन फील्ड सड़कों को जमीन से करीब 15 फीट ऊंचाई से निकाली जाना है। दोनों ही ग्रीन फील्ड हाई-वे से बीच में आने वाले प्रभावित गांवों की कनेक्टिविटी भी नहीं रहेगी। वहीं ज्यादा हाइट वाली सड़क बनाने से किसानों को खेती के लिए एक तरफ से दूसरी तरफ वाली जमीन पर खेती करने में भी दिक्कतें आएंगी। पानी भराव का खतरा भी बढ़ेगा। इधर, पिछले 2-4 सालों में जमीनों के दाम 2 से 3 करोड़ रुपए बीघा हो गए, लेकिन अधिग्रहण में उन्हें मुआवजा 10-15 लाख रुपए ही दिया जा रहा है।

शहर में स्थापित होंगे प्रदूषण मापने वाले 4 आटोमेटिक स्टेशन

जिला प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने किया सर्वे, टेंडर प्रक्रिया जल्द-प्रदूषण पर लगेगी लगाम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में वायु और ध्वनि प्रदूषण मापने वाले 4 आटोमेटिक स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। ये सेंसर के माध्यम से काम करेंगे और हर पल वातावरण और ध्वनि प्रदूषण की जानकारी ऑनलाइन देते रहेंगे। जिला प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने इसके लिए शहर सीमा में चार जगह चिन्हित की है।

उल्लेखनीय है कि अभी उज्जैन शहर में केवल एक ऑनलाइन वायु प्रदूषण मापक स्टेशन हैं। बाकी अन्य 4 स्टेशनों पर मैनुअली तौर पर वायु और ध्वनि प्रदूषण की जाँच की जा रही हैं। चूंकि अब शहर में चार नए ऑटोमेटिक वायु और ध्वनि प्रदूषण मापक स्टेशन बढ़ाए जाएँगे। ये सेंसर आधारित तकनीक पर काम करेंगे और संबंधित इलाकों में वायु प्रदूषण और शोरगुल से निकलने वाली तरंगों को चौबीसों घंटे अवशोषित करेंगे। इन तरंगों की तीव्रता के आधार पर रिपोर्ट तैयार करेंगे। खास बात यह है कि यही रिपोर्ट भोपाल समेत प्रदेश के प्रमुख शहरों में लगे इलेक्ट्रानिक डिस्प्ले पर लाइव चलती दिखाई देगी। वहीं केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) की वेबसाइट पर भी रिपोर्ट उपलब्ध रहेगी। मामले में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड उज्जैन के अधिकारी प्रतिम खरे ने बताया कि सभी ऑनलाइन प्रदूषण मॉनिटरिंग स्टेशनों को इसी साल स्थापित करने का लक्ष्य है। इसके लिए मंगलनाथ, महाकाल मंदिर, मक्सी रोड निगम डिपी और आगर रोड फायर ब्रिगेट के आसपास के क्षेत्रों को देखा गया हैं।

प्रोजेक्ट को लेकर जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। चारों स्टेशनों को स्थापित करने पर लाखों रुपए खर्च होंगे। अभी उज्जैन शहर में वायु और ध्वनि प्रदूषण की जाँच मैनुअली की जा रही है।

वायु प्रदूषण से नुकसान.. वायु प्रदूषण के- स्वास्थ्य, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था पर विनाशकारी प्रभाव पड़ते हैं, जिससे प्रतिवर्ष लाखों अकाल मौतें होती हैं। यह हृदय रोग, स्ट्रोक, फेफड़ों के कैंसर और अस्थमा जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बनता है। इसके अलावा, यह फसलों और ऐतिहासिक इमारतों को नुकसान पहुँचाता है।

ध्वनि प्रदूषण के नुकसान विशेषज्ञों के मुताबिक- तय मापदंड से अधिक ध्वनि प्रदूषण के कारण चिड़चिड़ापन, आक्रमकता, उच्च रक्तचाप, तनाव, श्रवण शक्ति कमजोर होना, अनिद्रा जैसी शिकायतें बढ़ जाती हैं। इन व्याधियों से पूर्व से पीड़ित होने वाले नागरिकों की मुश्किलें और बढ़ जाती हैं। वयस्कों की तुलना में बच्चों में अधिक नुकसान हो सकता है। वन्यप्राणियों पर विपरीत असर पड़ता है।

केवल एक स्थान पर (जिला प्रदूषण बोर्ड कार्यालय के ऊपर) ऑनलाइन मापक स्टेशन लगा हैं। विभाग ने इसके लिए सर्वे कर 4 जगह चिह्नित की हैं। फिलहाल जिला कलेक्टर ने इस पर अपनी सहमति नहीं दी हैं। उनकी सहमति मिलते ही इन जगहों पर ऑनलाइन मॉनिटरिंग स्टेशन शुरू किए जाएँगे।

आशापुरी मां भवानी मंदिर में चोरी की वारदात

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम नजरपुर में मंगलवार बुधवार रात आशापुरी मां भवानी मंदिर में चोरी की वारदात हो गई। सुबह सीसीटीवी कैमरे देखने पर चार बदमाश दिखाई दिए एक ने अंदर प्रवेश किया था जिसने दर्शन करने के बाद चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घट्टिया थाना क्षेत्र के गांव नजरपुर में आशापुरी मां भवानी के मंदिर बना हुआ है जो आस्था का बड़ा केंद्र है। बुधवार सुबह मंदिर के पुजारी अंतर सिंह हीरावत साफ सफाई और पूजा अर्चना के लिए पहुंचे तो उन्होंने मंदिर की खिड़की की ग्रिल टूटी देखी। तत्काल ही मंदिर समिति को सूचना दी गई और पुलिस को अवगत कराया गया। मंदिर समिति के सदस्य और पुलिस मौके पर पहुंची गर्भ ग्रह का दरवाजा खोला गया फिर दौरान सामने आया कि बदमाश माता रानी का मुकुट और मंदिर में लगे चांदी के छत्र चुराकर ले गए हैं, जो करीब 8 किलो चांदी से बने हुए थे। पुलिस ने मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखे तो पता चला कि बदमाशों ने पहले मंदिर की खिड़की की ग्रिल तोड़ी उसके बाद गर्भ ग्रह की ग्रिल तोड़कर एक बदमाश अंदर पहुंचा उसने पहले माता रानी के दर्शन किए उसके बाद वारदात को अंजाम दिया बदमाश के चेहरे पर नकाब बंधा हुआ था, केमरे में बदमाश के तीन अन्य साथी भी बाहर दिखाई दिया है। फुटेज के आधार पर पुलिस ने बदमाशों की तलाश शुरू की है वही मामले में प्रकरण दर्ज किया है।

किसान ने खेत में पेड़ पर फंदा बांध लगाई फांसी

सोशल मीडिया पर डाला था फसल बर्बाद होने का वीडियो

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बारिश और ओलावृष्टि के बाद मंगलवार बुधवार रात के सामने खेत पर लगे पेड़ से रस्सी का फंदा बांधकर फांसी लगा ली। उसने सोशल मीडिया पर फसल बर्बाद होने का वीडियो शेयर किया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है वही क्षेत्रीय विधायक में पहुंचकर किसान परिवार को 50 लाख का मुआवजा दिए जाने की मांग सरकार से की है।

माकड़ौन थाना क्षेत्र के ग्राम खेड़ा जमुनिया में रहने वाले किसान पंकज पिता आत्माराम मालवीय 30 साल ने रात में खेत पर लगे पेड़ पर रस्सी बांधकर फंदा गले में डाल दिया।

घटना की जानकारी परिवार को लगी तो उसे फंदे से उतारा गया और अस्पताल लेकर पहुंचे। इस दौरान खबर सामने आई कि किसान पंकज ने बारिश और ओलावृष्टि से फसल बर्बाद होने के चलते मौत को गले लगाया है उसने फसल बर्बादी का वीडियो सोशल मीडिया पर भी शेयर किया था। घटना की जानकारी लगते ही क्षेत्रीय विधायक महेश परमार ग्राम खेड़ा जमुनिया पहुंचे और परिजनों से चर्चा की उन्होंने सरकार से किसान परिवार को 50 लाख का मुआवजा दिए जाने की मांग रखी।

बहन की करना थी शादी- पंकज के परिजनों ने बताया कि पंकज दो बच्चों का पिता था घर में दो बहन मां भी है। कुछ दिन पहले ही बहन की सगाई की थी जिसकी कुछ माह बाद शादी होना है। फसल बर्बाद होने पर बहन की शादी के चलते संभवत वह आर्थिक दबाव में आ गया था। बताया यह भी जा रहा है की फसल बर्बाद होने पर किसान द्वारा आत्महत्या किए जाने की खबर सामने आने के बाद प्रशासनिक स्तर के अधिकारी फसल बर्बादी का आकलन करने के लिए पहुंच गए थे तहसीलदार स्तर पर फसल का आकलन किया जा रहा है।

चक्काजाम का असरः तेलीवाड़ा- वीडी मार्केट मार्ग की नाली निर्माण शुरू, 10 महीने से अटका काम गति पकड़ने लगा

अपर आयुक्त सुबह मौके पर पहुँचे, ठेकेदार को गति बढ़ाने के निर्देश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वीडी मार्केट से तेलीवाड़ा तक की नाली निर्माण का काम आखिरकार शुरू हो गया है। क्षेत्रवासी लगातार 10 महीनों से सड़क और नाली निर्माण में हो रही देरी से परेशान थे, लेकिन सोमवार को किए गए चक्काजाम और कड़े अल्टीमेटम का असर अब साफ दिखने लगा है। मंगलवार सुबह निगम अमला, मशीनें और मजदूर मौके पर पहुँच गए तथा नाली निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि देश में जनता यदि अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो जाए तो नेता और अधिकारी भ्रष्टाचार करने से भी डरेंगे। लोगों ने तंज कस ÷भगतसिंह पैदा हो, लेकिन पड़ोसी के घर में÷—इसी सोच के कारण आम जनता आंदोलनों से बचती है। लेकिन जब लोग सड़क पर उतरते हैं तो परिणाम सामने आता है, जैसा कि इस बार हुआ।

10 महीने में सिर्फ पाइपलाइन, नाली का काम अधर में- करीब दस महीने पहले चौड़ीकरण और सड़क निर्माण की दो परियोजनाएँ शुरू हुई थीं। हालांकि विक्रमादित्य कपड़ा मार्केट से तेलीवाड़ा चौराहा तक के हिस्से में हालात बदतर थे।

ठेकेदार ने अब तक सिर्फ अंडरग्राउंड पाइपलाइन का कार्य किया था, लेकिन नाली का निर्माण शुरू ही नहीं हुआ। वजह—मार्ग पर स्थित एक मकान, जो मुआवजे के स्वीकृत होने के बावजूद भी हटाया नहीं जा रहा था, और काम अटका पड़ा था। नाली न बनने से लोग गंदगी और पानी भराव की समस्या से नारकीय स्थिति में जी रहे थे।

चक्काजाम के दौरान पार्षद प्रतिनिधि बैठे धरने पर- सोमवार को लोगों का धैर्य जवाब दे गया। उन्होंने चक्काजाम कर दिया और तेलीवाड़ा चौराहे पर क्षेत्रीय पार्षद प्रतिनिधि मोहित जायसवाल तथा पूर्व नगर निगम सभापति आज़ाद यादव भी धरने पर बैठ गए। स्थानीय लोगों ने अधिकारियों से सवाल किया कि साल भर से काम लंबित है, इस स्थिति का जिम्मेदार कौन है?

अधिकारियों की कार्रवाई, बाधक मकान हटवाया- मौके पर पहुँचे अधिकारियों ने स्थिति की गंभीरता समझी और तुरंत ही नाली निर्माण में बाधा बने मकान को हटवाया।

पवन कुमार सिंह ने स्वयं कार्रवाई कर रास्ता साफ करवाया, जिसके तुरंत बाद काम शुरू हुआ।

अन्य सड़क कार्यों में भी तेजी के निर्देश - इधर, कोयला फाटक से निजातपुरा तक 800 मीटर लंबी सड़क निर्माण में भी गति लाने के आदेश ठेकेदार को दिए गए हैं।

सुबह अपर आयुक्त ने मौके पर पहुँचकर कार्यों की समीक्षा की और स्पष्ट निर्देश दिए कि गति बढ़ाई जाए।

2 वर्ष का अनुबंध होने के बावजूद काम की सुस्ती पर सवाल उठे हैं।

लोगों का कहना है कि यदि यही रफ्तार रही तो कंठाल से गोपाल मंदिर तक और तेलीवाड़ा से दानीगेट तक चौड़ीकरण का कार्य कब पूरा होगा, यह कहना मुश्किल है।

साड़ी का फंदा बनाकर इलेक्ट्रीशियन ने लगाई फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इलेक्ट्रिशियन का काम करने वाले युवक ने रात में साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। पत्नी घर लौटी तो पति को कंधे पर लटका देखा। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा कर मामले की जांच शुरू की है। श्री कृष्णा कॉलोनी में रहने वाला मुकेश पिता नंद किशोर मकवाना 45 साल इलेक्ट्रिशियन का काम करता था। शाम को पड़ोस में रहने वाले परिवार ने सुंदरकांड रखा था। मुकेश की पत्नी और दो बच्चे सुंदरकांड में शामिल होने गए थे। रात 9 बजे के लगभग पत्नी और बच्चे घर लौटे तो मुकेश को फंदे पर लटका देखा। पत्नी का शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंचे। मुकेश साड़ी के फंदे पर लटका हुआ था जिसे नीचे उतरने के बाद चरक अस्पताल लाया गया। डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जीवाजीगंज थाना पुलिस में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है। परिजनों का कहना था कि मुकेश को कोई परेशानी नहीं थी ना ही उसे पर कोई कर्ज था। परिवार में भी ऐसा कोई विवाद नहीं हुआ था जिसके चलते वह आत्मघाती कदम उठा ले। पुलिस के अनुसार मृतक का मोबाइल जांच में लिया जाएगा और परिजनों के बयान दर्ज किए जाएंगे उसके बाद ही फांसी लगाने की वजह सामने आ पाएगी।

कालिदास कन्या महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कालिदास कन्या महाविद्यालय ग्रंथालय में वसंत पंचमी, हिंदी साहित्य के महान लेखक महान कवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला एवं सुभाष चंद्र बोस की जन्मतिथि के अवसर पर पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

ग्रंथालय में भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता, आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. अजय भार्गव तथा महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. महेंद्र जैन की उपस्थिति में हुआद्य प्राचार्य डॉ.गुप्ता ने अपने उद्बोधन में शोधार्थी एवं विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए पुस्तकों का महत्त्व बताया और उन्हें जीवन का सबसे सच्चा मित्र कहा। आपने बताया कि पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ ग्रन्थ एवं साहित्य का निरंतर अध्ययन भी भक्ति के समान ही है। अतः छात्रों को निरंतर अध्ययन करके अपने ज्ञान को अद्यतन करते जाना चाहिए।आपने ग्रन्थपाल डॉ. लीना शाह के इस कार्य की सराहना की। इस अवसर पर आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. भार्गव ने विद्यार्थियों से इस प्रकार की प्रदर्शनी ने सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया। ग्रन्थपाल डॉ. लीना शाह ने अपने सम्बोधन में कहा कि वर्तमान कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में भी प्राकृतिक बुद्धिमत्ता प्रभावी है। अतः बिना ग्रन्थ अध्ययन के ज्ञान अधूरा है। ग्रन्थ से सन्दर्भ प्राप्त होते है अतः उसकी प्रमाणिकता अकाट्य है।वर्तमान में महाविद्यालय में ई- ग्रंथालय का भी प्रारम्भ हो चुका है जिसका भी लाभ विद्यार्थी ले सकते है जो उनके प्रतियोगिता परीक्षा के लिए भी बहु - उपयोगी होगा। प्रशासनिक अधिकारी डॉ. जैन ने इस अवसर पर कहा कि मध्यप्रदेश शासन ग्रंथालय उन्नयन के लगातार प्रयास कर रही है और इस प्रकार के प्रयास निरंतर जारी रहना चाहिए। इस त्रिवेणी संगम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए तथा उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में जितेंद्र कुशवाह, आयुष वाघेला, विद्याबेन का सहयोग विशेष रहा।

भाई भतीजो ने किया पिता पुत्र और बहू पर हमला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात में पारिवारिक विवाद के चलते पिता पुत्र और बहू पर पड़ोस में रहने वाले भाई भतीजे ने लाठियो से हमला कर दिया। घटना में तीनों घायल हुए हैं जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिंतामण थाना क्षेत्र के ग्राम गोंदिया में रहने वाला भंवर पिता रामचंद्र मकवाना 50 वर्ष अपने पुत्र मुकेश और बहू उर्मिला के साथ घर के बाहर अलाव जलाकर ताप रहा था। इस दौरान पड़ोस में रहने वाला भंवर का भाई पदम अपने पुत्र कमल और पोते सुमित के साथ लाठी लेकर पहुंचा और हमला कर दिया। घटना में भंवर उसका पुत्र मुकेश और बहू उर्मिला घायल हो गए। तीनों को आसपास के लोगों ने अस्पताल पहुंचाया और मामले की सूचना पुलिस को दी। चरक अस्पताल में भर्ती भंवर ने बताया कि वह तीन भाई हैं एक पदम और सबसे छोटा मुन्ना है। कुछ साल पहले मुन्ना ने मां की रकम गिरवी रख दी थी, जिसे नहीं छुड़ाई तो वह डूब गई। अब पदम और मुन्ना दोनों रकम छुड़ाने के लिए दबाव बना रहे हैं, मुन्ना ने रकम गिरवी रखी थी वही छुड़ाएगा। यह बात कहने पर पदम ने अपने पुत्र और पोते के साथ मिलकर हमला किया है। चिंतामण थाना पुलिस के अनुसार घायलों के बयान दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।